06 मार्च, 2025
फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 137

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

दक्षता है, तो रोजगार खुद आपके दरवाजे पर आयेगा : हेमंत सोरेन

विकास के लिए जरूरी है सामाजिक समरसता

परिचय

राजेश उरांव एक ऐसा नाम, जिसने अपने कार्य की बदौलत बनायी अपनी अलग पहचान। बुंडू के भकूआडीह (महापात्र डेरा) में दारोगा स्वर्गीय गौरी उरांव के घर जन्मे राजेश उरांव की प्रारंभिक शिक्षा केजी मोंटेसरी विद्यालय बुंडू में शुरू हुई। फिर संत जेवियर स्कूल बुंडू में आगे की पढ़ाई की। इन्होंने अपनी उच्च शिक्षा पांच परगना कॉलेज बुंडू में ग्रहण की। राजेश उरांव शुरू से अपने क्षेत्र और समाज के लिए कुछ करना चाहते थे। तत्कालीन समय में इन्होंने अपने नेतृत्व में अनेकों जगह पर बिजली का पोल लगवाया, वर्ष 2012 में इन्होंने भाजपा की सदस्यता ली, साल 2018 में पहली बार भाजपा के टिकट से नगर पंचायत का चुनाव लड़ा एवं अपने पहले ही चुनाव में विजय होकर झारखंड के सबसे युवा अध्यक्ष होने का गौरव हासिल किया। राजेश उरांव अपने व्यवहार, सरलता एवं साफ छवि की वजह से कम समय में ही समाज की सभी वर्गों के बीच अपनी पहचान बनाई, अध्यक्ष बनते ही इन्होंने बुंडू के सर्वांगीण विकास के लिए बुंडू के उन वार्डो को चिन्हित कर अपनी प्राथमिकता में रखी जो पूर्व मूलभूत सुविधाओं से वंचित था, एक समय था जब नावाडीह टोली एवं कुम्हार टोली के लोगों को पीने के पानी के लिए 2 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, अध्यक्ष बनते ही नावाडीह टोली, कुम्हार टोली के साथ-साथ 22 ऐसी जगह जो ड्राई जोन थे उन जगहों तक पाइपलाइन से जोड़कर घर-घर पानी पहुंचाने का कार्य किया। बुंडू के आम जनमानस को छोटी छोटी समस्या के लिए नगर पंचायत ना आना पड़े इसलिए इन्होंने चुनाव जीतने के बाद अपना बुंडू नाम का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जिसमे सिर्फ नगर के जनता ही जुड़ सकते है एवं अपनी छोटी छोटी समस्या जैसे खराब लाइट, नाली की सफाई, खराब चापानल आदि की जानकारी दे सकते है ग्रुप में आये समस्याओं को संज्ञान में लेकर त्वरित कारवाई किया। युवाओं के साथ सहजता से घुल मिल जाने वाले राजेश उरांव खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई एवं कई आयोजन करवाएं। स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने बुंडू क्षेत्र से निकलने वाली कचरे के लिए तीन एकड़ जमीन की व्यवस्था करवाई और करोड़ों की लागत से कचरा को खाद में तब्दील करने के लिए रिसाइकिल प्लांट लगवाया। आज पूरा बुंडू रात के वक्त स्ट्रीट लाइट से जगमगा उठता है, बुंडू का हर गली में पक्की सड़क और नालियां है, जो इनके कार्यकाल की एक बड़ी उपलब्धि रही है। कार्यकाल की अंतिम अंतिम में इन्होंने अपनी महत्वाकांक्षी योजना बुंडू तालाब सौंदर्यीकरण के लिए भी टेंडर करवाया जिसमें सौंदर्यीकरण के अलावा डेढ़ करोड़ की लागत से वॉटर ट्रीटमेंट प्लान भी लगाया जाना है जिसमे शहर का गंदा पानी साफ होकर तालाब में जाएगी, किंतु इनका कार्यकाल खत्म हो जाने के कारण सौंदर्य करण का कार्य सही तरीके से नहीं हो पा रही है, जिसका अफसोस इन्होंने कई बार जताया हैं किंतु इनके 5 साल के कार्यकाल में 2 साल कोरोना प्रभावित रहने के बावजूद सिर्फ 3 साल में इन्होंने विकास की लंबी लकीर खींची है।

उपलब्धियां

1. बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र में लगभग 600 प्रधानमंत्री आवास का निर्माण
2. गरीब और विस्थापितों के लिए 40 फ्लैट का निर्माण
3. बुंडू नगर पंचायत के लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए बजरंग बली मंदिर के निकट 2.75 करोड़ की लागत से वेंडर मार्केट बनवाया
4. बुंडू के स्लम बस्ती फुलवार टोली, बाजार टांड़, और उरांव टोली में लाखों की लागत से सामुदायिक शौचालय का निर्माण
5. नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहों का सुंदरीकरण
6. बुंडू की प्राकृतिक जल स्त्रोत रानी चुवा का 65 लाख रुपये में सुंदरीकरण
7. घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था
8. नगर पंचायत क्षेत्र के पानी के नलों में मीटर
9. पुरे नगर पंचायत क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट
10. बच्चों के मनोरंजन के लिए पार्क का निर्माण
11. पुराना बाजार टोली में मछली पार्क का निर्माण
12. पांच करोड़ की लागत से भकुआडीह में बिरसा मुंडा पार्क निर्माणाधीन
13. महिला समिति के लिए लोन की सुविधा प्रदान कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया
14. नगर पंचायत क्षेत्र के सभी सड़कों का पक्कीकरण
15. खुले नाली में स्लैब लगवाया
16. रॉकी सिनेमा हॉल के रोड का चौड़ीकरण कर रोड को दुरुस्त करवाया
17. नगर पंचायत क्षेत्र के सभी हाट बाजारों का ठेका स्थानियों को दिलवाया
18. मछुआरों के लिए सात हापा तालाब का सुंदरीकरण व जीर्णोद्धार
19. शव ले जाने के लिए शव वाहन की व्यवस्था
20. राजेश उरांव के कार्यकाल के दौरान बुंडू नगर पंचायत को तीन बार राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत किया गया
21. दो साल कोरोना काल के समय भी लोगों की सहायता के लिए तत्पर थे
22. कार्यकाल में लगभग 45 करोड़ का कार्य किया गया

समाज सेवा ही जीवन का लक्ष्य

लक्ष्य... जो काम करना है

1. बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र में पार्किंग की व्यवस्था करवाना
2. टाउन हॉल के तर्ज पर एक वृहद मैरेज हॉल बनवाना
3. बड़ा तालाब को पर्यटन हब की तर्ज पर विकसित कर वहां बोटिंग की व्यवस्था करना
4. बुंडू के ग्रामीण इलाके से सुर्य मंदिर तक अलग से रोड बनवाना
5. बुंडू को माडल टाउन की तर्ज पर विकसित करना
6. बुंडू को जिला का दर्जा दिलाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करेंगे
7. बुंडू नगर पंचायत क्षेत्र में पानी की समस्या न हो इसके लिए कांची नदी में 23 करोड़ की लागत से बियर बांध बनवाना
8. बुंडू मे युवाओं के लिए एक स्टेडियम का निर्माण
9. अस्पतालों में स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना
10. शिक्षा के क्षेत्र में रहेगा फोकस
11. लोगों को आर्थिक स्थिति से मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे

राजनीति सत्ता पाने का अवसर नहीं सेवा करने का सर्वोच्च माध्यम है

राजेश उरांव
(बुंडू नगर पंचायत अध्यक्ष)

ADVERTORIAL : SWARUP BHATTACHARJEE

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 06 मार्च, 2025
www.azadsipahi.in

बिहार में राजद और कांग्रेस के बीच शुरू हो गयी खटपट

■ तेजस्वी के सीएम फेस पर कांग्रेस ने उठाया सवाल

■ राहुल गांधी ने बिहार के लिए अलग प्लानिंग कर राजद को दे दी चुनौती

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है, लेकिन राजनीतिक सरगर्मी अभी से तेज हो गयी है। एक तरफ जहां एनडीए ने यह साफ कर दिया है कि उसका चेहरा नीतीश कुमार ही होंगे, वहीं महागठबंधन में तलवार खिंचती हुई नजर आ रही है। महागठबंधन में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर अब बयानबाजी शुरू हो गयी है। कांग्रेस पार्टी ने तेजस्वी के सीएम फेस पर कांग्रेस ने सवाल उठाया है, तो वहीं दूसरी तरफ राजद ने यह साफ कर दिया है कि तेजस्वी यादव के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा जायेगा। कांग्रेस का कहना है कि जिस पार्टी के पास अधिक विधायक होंगे, सीएम उसका ही होगा, यानी तेजस्वी यादव को अभी से सीएम का चेहरा घोषित नहीं किया जा सकता। कांग्रेस के इस बयान पर राजद का कहना है कि सीटों की बात नहीं है। यदि इंडी गठबंधन को बहुमत मिला, तो तेजस्वी ही बिहार की कमान संभालेंगे। इंडी गठबंधन के इन दो प्रमुख सहयोगियों के बीच शुरू हुई खटर-पटर की गूंज विधानसभा में भी सुनाई पड़ी, जब तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में राज्य में कांग्रेस शासनकाल की गड़बड़ियों को उठाया और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। इसके जवाब में कांग्रेस की तरफ से अब बिहार के लिए अलग प्लानिंग तैयार कर राहुल गांधी ने राजद के सामने बड़ी चुनौती पेश कर दी है। राहुल गांधी ने तेजस्वी के सामने पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को खड़ा कर राजद की रणनीति को करारा झटका दिया है। बिहार की राजनीति में वैसे तो चुनाव तक कई मोड़ आयेंगे, लेकिन शुरूआत में ही राजद और कांग्रेस के बीच का यह टकराव दूरगामी असर पैदा करेगा। क्या है बिहार में राजद और कांग्रेस का विवाद और क्या है दोनों पार्टियों की सियासी रणनीति, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी इंडी गठबंधन की तैयारियां शुरू हो गयी हैं। एनडीए की चुनावी गाड़ी जहां पटरी पर दौड़ती नजर आ रही है, वहीं इंडी गठबंधन की गाड़ी अभी से ही डगमगाने लगी है। इस गठबंधन के दो प्रमुख घटक, राजद और कांग्रेस के बीच अभी से ही खटर-पटर शुरू हो गयी है। यह खटर-पटर सीट शेयरिंग से लेकर सीएम फेस तक को लेकर शुरू हुई है। राजद ने तेजस्वी यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है, तो वहीं कांग्रेस ने कहा है कि जिस पार्टी को सबसे अधिक सीटें मिलेंगी, सीएम उसका ही होगा। तेजस्वी को अभी से सीएम फेस बताना सही नहीं है। इसके अलावा कांग्रेस ने बिहार की 70 सीटों पर प्रत्याशी उतारने की बात कह दी है। इस चुनावी माहौल में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कांग्रेस और वर्तमान नीतीश सरकार पर निशाना साध कर आग में घी डाल दिया है। तेजस्वी ने 1990 से पहले के कांग्रेस शासनकाल और उसके बाद के लालू-राबड़ी राज की तुलना करते हुए वर्तमान सरकार की आलोचना की। उन्होंने छपरा के चुल्हाई तेली कांड का उदाहरण देते हुए सामाजिक न्याय के मुद्दे को भी उठाया।

क्या कहा तेजस्वी ने

तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन की अटकलों के बीच कांग्रेस के 70 सीटों पर चुनाव लड़ने के दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसकी बजाय उन्होंने 1990 से पहले के कांग्रेस शासन पर सवाल उठाकर सबको चौंका दिया। तेजस्वी यादव ने 1990 के पहले और बाद के बिहार की स्थिति की तुलना की। उन्होंने अपने पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को समाज के अंतिम व्यक्ति को आवाज देने वाला राज बताया। उन्होंने कहा कि पिछड़े, अति पिछड़े और दलित विधायक-एमएलसी, सांसद और आयोगों के चेयरमैन और सदस्य बनाये गये। तेजस्वी ने इस दौरान कांग्रेस शासनकाल सवाल उठाते हुए कहा कि उसने बिहार को क्या दिया, लोगों को यह पता है।

सियासी गलियारों में हलचल

तेजस्वी के विधानसभा में दिये गये इस बयान और कांग्रेस द्वारा 70 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग पर राजद की चुप्पी चुनावी गठबंधन को लेकर कई सवाल खड़े कर रही है। तेजस्वी यादव के इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गयी है। कांग्रेस ने उनके बयान पर सीधे कोई टिप्पणी तो नहीं की है, लेकिन बताया जाता है कि पार्टी आलाकमान इस पर गंभीर है।

राहुल गांधी हुए एक्टिव

बिहार की ताजा राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर अब यह तय हो गया है कि राहुल गांधी का पूरा फोकस अब बिहार पर ही रहने वाला है। लोकसभा चुनाव के बाद हुए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की कोशिश और प्रदर्शन को देखते हुए 2024 के आखिर तक लगने लगा था कि राहुल गांधी अगर चाहें तो 2025 यूं ही गुजार सकते हैं और पूरी एनर्जी अगले आम चुनाव की तैयारी में लगा सकते हैं, क्योंकि दिल्ली और बिहार चुनाव में कांग्रेस को कुछ खास हासिल होने के कम ही चांस थे। दिल्ली चुनाव के नतीजों को नंबर के नजरिये से देखें तो कांग्रेस जीरो बैलेंस अकाउंट वाली ही लगती है, लेकिन राजनीति के हिसाब से देखें तो कांग्रेस लड़ती हुई नजर आने लगी है। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस को कुछ न मिलकर भी बहुत कुछ मिला है और सबसे बड़ा हासिल तो कांग्रेस को खोखला कर देने वाली आम आदमी पार्टी की हार है। वास्तव में दिल्ली चुनाव ने हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र की हार से डगमगा चुके कांग्रेस के आत्मविश्वास को वापस दिला दिया है और कांग्रेस की बिहार की टीम की बातों और सक्रियता से तो ऐसा ही लगता है कि वह लालू और तेजस्वी यादव के राजद को कोई खास भाव देने वाली नहीं है। कांग्रेस ने लालू परिवार को साफ कर दिया है कि वह राजद की बी-टीम बिल्कुल नहीं है।

क्या बिहार में कांग्रेस दिल्ली से बेहतर कर सकेगी

बिहार में कांग्रेस के लिए दिल्ली से बेहतर स्कोप है। दिल्ली की तरह वह बिहार से ऑल-आउट नहीं हुई है। नंबर तो उत्तर प्रदेश में भी दो विधायकों तक पहुंच गया है, प्रियंका गांधी जैसी बड़ी नेता के हद से ज्यादा एक्टिव होने के बावजूद - लेकिन बिहार में यूपी के मुकाबले कांग्रेस बेहतर पोजीशन में अब भी है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने बिहार का पूरा मामला राहुल गांधी को संभालने के लिए दे दिया है। कृष्णा अल्लावरु को प्रभारी बना कर राहुल गांधी ने खुद के एक्टिव होने का संकेत भी दे दिया है।

बिहार के लिए अलग प्लानिंग

राहुल गांधी ने अपनी टीम के साथ बिहार की तमाम परिस्थितियों का आकलन किया है। बताया जाता है कि उन्होंने बिहार के लिए अलग प्लानिंग कर राजद के सामने बड़ी चुनौती पेश कर दी है। इस प्लानिंग के तहत अब कांग्रेस बिहार में पप्पू यादव-रंजीता रंजन और कन्हैया कुमार को आगे बढ़ाने में लग गयी है। राहुल गांधी जानते हैं कि पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को लेकर लालू यादव सहज नहीं हैं। असल में लालू यादव नहीं चाहते थे कि किसी भी सूरत में कन्हैया कुमार और पप्पू यादव कांग्रेस में शामिल हों। कन्हैया कुमार के मामले में तो उनकी नहीं चली, लेकिन पप्पू यादव के केस में तेजस्वी यादव का विरोध भारी पड़ा। राहुल गांधी जानते हैं कि ये दोनों चेहरे लालू यादव-तेजस्वी यादव के लिए पीड़ादायक हैं। राहुल गांधी ने साल के शुरू में ही ताबड़तोड़ बिहार दौराकर लालू यादव और तेजस्वी यादव को कांग्रेस का इरादा जता दिया है, उनकी बिहार टीम भी लगता है जैसे कहर ढा रही है। नये प्रभारी कृष्णा अल्लावरु भी पटना में जमे हुए हैं। लगातार कांग्रेस नेताओं के साथ मीटिंग कर रहे हैं और समझा रहे हैं कि आने वाले विधानसभा चुनाव में क्या और कैसे करना है। इसके अलावा अब चर्चा है कि भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर राहुल गांधी की बिहार यात्रा के बारे में भी सोचा जा रहा है। सोचने में क्या है, अमल में भी आये तब तो। यात्रा तो दिल्ली में भी हुई थी, लेकिन तब राहुल गांधी झांकने तक नहीं गये थे। क्या पता, बिहार का प्लान कुछ और हो। बिहार में तो नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और यहां तक कि नये प्लेयर प्रशांत किशोर भी यात्रा कर रहे हैं।

सेल अधिग्रहित भूमि पर बसे गांवों में सुविधाएं बहाल करने की सरकार करेगी पहल : हेमंत सोरेन

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने विस्थापितों की बदहाली का मामला उठाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने विधानसभा में सेल द्वारा अधिग्रहित भूमि पर बसे पुराने गांवों में बुनियादी सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विस्थापित ग्रामीणों को अब तक मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पायी हैं, जिससे वे खानाबदोश जैसी जिंदगी जीने को मजबूर हैं। इन गांवों को पंचायत सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिससे 50-60 हजार की आबादी

सरकारी योजनाओं से वंचित है।

इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जवाब देते हुए कहा कि इन गांवों को पंचायती राज व्यवस्था में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार से बातचीत करनी होगी। हालांकि, सरकार अधिग्रहित गांवों में बुनियादी सुविधाएं बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए जल्द ही सेल प्रबंधन से चर्चा की जायेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सेल के अधिकारी उनसे मुलाकात करने आ रहे हैं और अधिग्रहित इलाकों के रखरखाव व सुविधाओं की बहाली को लेकर उनसे बातचीत की जायेगी। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने सदन में धनबाद नगर निगम में शामिल 27 गांवों को अलग करने की मांग उठायी। उन्होंने कहा कि इन गांवों को निगम क्षेत्र में शामिल किये हुए 15 साल हो गये हैं। लेकिन अब तक यहां बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करायी गयी हैं। इस पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि गांवों को निगम क्षेत्र से बाहर करना समाधान नहीं है, बल्कि सरकार की प्राथमिकता वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में जल्द कदम उठायेगी।

बाबूलाल ने पथ निर्माण विभाग की पारदर्शिता पर उठाये सवाल, सूची नहीं मिलने पर जतायी नाराजगी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विधायक और पूर्व भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने विधानसभा में पथ निर्माण विभाग से जुड़े सवाल उठाते हुए 2020-21 से 2024-25 तक के सभी स्थानांतरित पदों की सूची उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने उन सड़कों की सूची भी मांगी, जिन्हें पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित किया गया है।

हालांकि विभाग की ओर से

दिये गये लिखित जवाब में सूची संलग्न करने की बात कही गयी थी, लेकिन सूची उपलब्ध नहीं करायी गयी। इस पर नाराजगी जताते हुए बाबूलाल ने कहा कि सभी विधायकों को इस जानकारी का अधिकार है, लेकिन विभाग गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने इसे गलत परिपाटी करार देते हुए सदन से संज्ञान लेने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि यह एक लिपिकीय त्रुटि हो सकती है और जल्द ही सभी सदस्यों को पूरी सूची उपलब्ध करा दी जायेगी।

विधानसभा में गूंजा 1.36 लाख करोड़ का मामला, कल्पना बोलीं-लेकर रहेंगे बकाया

नीरा यादव बोलीं-किस पर है बकाया, जनता को ना करें गुमराह

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में तीखी बहस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मूल बजट पर दूसरे दिन वाद-विवाद के दौरान 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया के मामले पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने दो टूक कहा कि 1.36 लाख करोड़ लेकर रहेंगे। जनता लड़ाई के लिए तैयार है। इस पर भाजपा विधायक नीरा यादव ने कहा कि जनता को गुमराह ना करें। यह बतायें कि पैसे की मांग आखिर किससे हो रही है। अगर केंद्र के पास बकाया है तो विपक्ष हर तरह से सहयोग के लिए तैयार है, लेकिन यहां तो पब्लिक सेक्टर वाली कंपनियों का मामला है।

बकाया राशि के मसले पर क्या बोलीं कल्पना सोरेन : झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि बता दीजिए कि 1.36 लाख करोड़ कब हमको देंगे। आप जो भी इंवेस्टमेंट कर रहे हैं, चाहे वो रोड या ट्रेन हो। आपका इंटेंशन है यहां का खजाना ले जाना। कौन-कौन रास्ता से खजाना ले जाना चाहते हैं। अगर कोई नया रास्ता अख्तियार किया है तो बतायें। हवाई जहाज के माध्यम से खजाना ले जायेंगे तो पहले बकाया 1.36 लाख करोड़ दीजिए। नहीं तो झारखंड अपनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हो गया है। झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि 1.36 लाख करोड़ लेकर रहेंगे। यह झारखंड का पैसा है। भाजपा ने यहां 16 से 18 साल राज किया है। इसके लिए कोर्ट से रोड तक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं।

दरअसल, गिरिडीह में 4 मार्च को स्थापना दिवस के दिन सीएम हेमंत सोरेन कह चुके हैं कि झारखंड की अपनी जमीन, अपनी इज्जत, घर का जल अगर यहां से बाहर जायेगा तो सिर्फ यहां के विधायक नहीं, बल्कि यहां की जनता लड़ने के लिए तैयार है।

किससे वसूलना है बकाया : डॉ नीरा यादव

वहीं भाजपा विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि माननीय सदस्या को विश्वास दिला दें कि अगर झारखंड का एक रुपया भी बकाया है तो हम सभी विपक्ष के लोग साथ आयेंगे, लेकिन आप स्पष्ट बतायें कि क्या झारखंड का पैसा केंद्र सरकार के पास बकाया है या कंपनियों के पास। पूरे आंकड़े के साथ बतायें। झारखंड की जनता को गुमराह करने का काम ना करें। अगर बकाया है तो वो सरकारी उपक्रमों से जुड़ा हुआ है।

बकाया पर राजनीति हो रही है : नवीन जयसवाल

इसपर भाजपा विधायक नवीन जयसवाल ने पूछा कि अगर बकाया है तो क्या वो राशि केंद्र सरकार देगी या पब्लिक सेक्टर वाली कंपनियां जैसे सीसीएल, बीसीसीएल, सेल देगी। अगर पैसे की लड़ाई पब्लिक सेक्टर से है तो उसके लिए केंद्र को कैसे जिम्मेवार ठहरा सकते हैं। इसके लिए ट्रिब्यूनल, हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट है। लड़ाई पीएसयू से है और राजनीति केंद्र सरकार को लेकर हो रही है। नवीन जयसवाल ने कहा कि इसपर राजनीति क्यों हो रही है। क्या इसी वजह से 450 रुपये में सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है। क्या इस राशि के नाम पर मंईयां सम्मान योजना बंद हो जायेगी।

www.epaper.azadsipahi.in

06 मार्च, 2025
फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, सप्तमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 10, अंक 137

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

लखनऊ के कोर्ट ने राहुल गांधी पर पेशी से गायब रहने के कारण 200 रुपये का जुर्माना लगाया

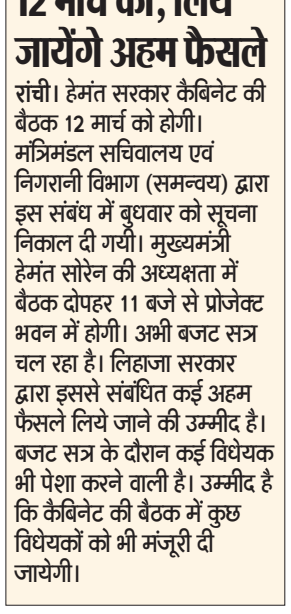

न्यूज रील्स

कैबिनेट की बैठक 12 मार्च को, लिये जायेंगे अहम फैसले

रांची। हेमंत सरकार कैबिनेट की बैठक 12 मार्च को होगी। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा इस संबंध में बुधवार को सूचना निकाल दी गयी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बैठक दोपहर 11 बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। अभी बजट सत्र चल रहा है। लिहाजा सरकार द्वारा इससे संबंधित कई अहम फैसले लिये जाने की उम्मीद है। बजट सत्र के दौरान कई विधेयक भी पेशा करने वाली है। उम्मीद है कि कैबिनेट की बैठक में कुछ विधेयकों को भी मंजूरी दी जायेगी।

नवचयनित 49 प्रशिक्षण अधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र

दक्षता है, तो रोजगार खुद आपके दरवाजे पर आयेगा : हेमंत सोरेन

- मुख्यमंत्री ने आइटीआइ संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का पाठ्यक्रम शामिल करने पर दिया बल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों 49 नव चयनित प्रशिक्षण पदाधिकारियों को जब नियुक्ति पत्र मिला, तो उनके चेहरे की मुस्कान देखते ही बन रही थी। खुशियों से भरा यह अवसर था, झारखंड मंत्रालय में श्रम, प्रशिक्षण, नियोजन एवं कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि नियुक्तियों का यह कारवां बढ़ता रहेगा। युवाओं को रोजगार से जोड़कर राज्य को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हुनर का कोई मोल नहीं होता है। यह अनमोल है। अगर आपके पास हुनर हो, तो आपको रोजगार के लिए दौड़ने की जरूरत नहीं है। रोजगार खुद आपके दरवाजे पर आयेगा, क्योंकि हुनरमंद को हर कोई अपने साथ जोड़कर रखना चाहता है। यही वजह है कि हमारी सरकार राज्य के नौजवानों के कौशल विकास के लिए कई कदम उठा रही है। अब नौजवानों के प्रशिक्षण के लिए टेक्नोलॉजी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, क्योंकि तकनीक के जरिये ही आज के युवा आगे बढ़ सकेंगे।

एक नये सफर की हो रही शुरुआत: मुख्यमंत्री ने नव चयनित प्रशिक्षण अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज से सरकार की एक अभिन्न अंग के रूप में जिम्मेदारियों से भरे नये सफर की आप शुरुआत कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि आप प्रशिक्षण देकर युवाओं के हुनर को इस तरह से निखारेंगे कि उन्हें रोजगार के लिए मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें रोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। वे अपने हुनर तथा क्षमता की बदौलत देश -विदेश में मान-सम्मान और गर्व के साथ कार्य कर अपने परिवार और राज्य का नाम आगे बढ़ायेंगे।

एआइ से खुद को अलग नहीं रख सकते: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) हमारे जीवन का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। एआइ के जरिये तकनीक काफी आगे बढ़ चुका है। आज कृषि हो या उद्योग अथवा कोई और क्षेत्र, हर जगह एआइ का इस्तेमाल तेज होता जा रहा है। एआइ से अब आप अपने को अलग नहीं रख सकते हैं। ऐसे में हमारे नौजवान एआइ के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए आइटीआइ संस्थानों के पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने की जरूरत है।

प्रखंड स्तर पर कौशल विकास की है व्यवस्था: मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अब प्रखंड स्तर पर ही कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। मेरा नौजवानों से आग्रह है कि वे कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र में आयें और अपने को दक्ष बनायें। आपकी दक्षता आपके करियर को नयी दिशा देगी।

एक-एक कड़ी को जोड़ने का हो रहा प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान कई बार पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थियों ने मुलाकात कर पठन-पाठन एवं प्रशिक्षण को लेकर हो रही समस्याओं से अवगत कराया था। इसी बात को संज्ञान में लेकर आइटीआइ संस्थानों को मजबूत और संसाधनयुक्त बनाने का कार्य चल रहा है। इसी कड़ी में आइटीआइ संस्थानों में पढ़ाई और प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रशिक्षण पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई है।

प्रशिक्षण में नयी-नयी तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर

हेमंत सोरेन ने कहा कि आज तेजी से तकनीकें बदल रही हैं। औद्योगिक जगत में अत्याधुनिक मशीनों का इस्तेमाल हो रहा है। मजदूरों के कार्य भी मशीनों के जरिये हो रहे हैं। ऐसे में अगर समय के अनुरूप आप अपने हुनर को नहीं निखारेंगे, तो जमाने से काफी पीछे रह जायेंगे। रोजगार प्राप्त करना आपके लिए बड़ी चुनौती बन जायेगी। हमारा प्रयास है कि नयी-नयी तकनीकों के माध्यम से आपको प्रशिक्षण मिले, ताकि रोजगार के रास्ते आपके लिए हमेशा खुले रहें।

स्टार्टअप शुरू करने के लिए तैयार करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हम एक ऐसी व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जहां युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर ना सिर्फ उन्हें रोजगार से जोड़ा जाये, बल्कि उनके हुनर को इस तरह से निखारने का प्रयास हो रहा है कि वे एक उद्यमी के रूप में आगे आकर अपना स्टार्टअप स्थापित कर सकें। इससे ना सिर्फ वे रोजगार प्राप्त करेंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं का कौशल विकास के साथ उनके रोजगार के लिए भी कार्य कर रही है। कैंपस प्लेसमेंट और रोजगार मेला तथा कई अन्य माध्यमों से पिछले वर्ष 50 हजार से अधिक युवाओं को देश-विदेश के संस्थानों में सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा बजट सत्र : सत्ता पक्ष के विधायकों ने ही सरकार को घेरा

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 100 करोड़ रुपये के घोटाले पर हंगामा

- मंत्री ने मांगा सात दिन का समय कार्रवाई का दिया आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 100 करोड़ रुपये के घोटाले का मुद्दा उठाया। खास बात यह रही उनका साथ सत्ता पक्ष के अन्य सदस्यों ने भी दिया। इसके बाद विभागीय मंत्री और सदन के सदस्यों के बीच जमकर खींचतान हुई। अंत में विभाग के प्रभारी मंत्री प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि चलते सत्र में इसकी जांच करा कर सदन को अवगत कराया जायेगा। उन्होंने सात दिन का वक्त मांगा।

वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में आया मामला: विधायक प्रदीप यादव ने सवाल किया कि स्वर्णरेखा परियोजना के अधीन शीर्ष कार्य प्रमंडल में फर्जी खाता खोलकर करोड़ों रुपये की फर्जी निकासी का मामला वित्त विभाग की जांच रिपोर्ट में आया है। रांची और लोहरदगा में कार्यपालक अभियंता ने एलएंडटी कंपनी की जगह रोकड़पाल के खाते में बिल भुगतान कर राशि की बंदरबांट की है। इस मामले में मुख्य अभियंता प्रभात कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर समेत अन्य अभियंताओं के खिलाफ एफआइआर दर्ज होनी चाहिए।

स्टीफन, हेमलाल और रामेश्वर ने भी सरकार को घेरा: इस पर सत्ता पक्ष की ओर से झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने कहा कि कार्यपालक अभियंता को बचाने की साजिश चल रही है। वहीं, कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि कार्रवाई को तीन तरीके से पेश किया जाता है। पहला 'फंसा दो', दूसरा 'धंसा दो' और तीसरा 'दूध का दूध और पानी का पानी' कर दो। उन्होंने कहा कि इस मामले में 'धंसा दो' वाला काम हो रहा है। इसका मतलब है कि अधिकारी को बचाया जा रहा है। पूरे मामले को सिर्फ संतोष कुमार रोकड़पाल पर एफआइआर कर मामले को समाप्त नहीं किया जा सकता। इस पर झामुमो विधायक मथुरा प्रसाद महतो और झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने प्रदीप यादव का पक्ष लेते हुए कहा कि विभागीय जांच का मतलब लीपापोती है। इसलिए प्राथमिकी होनी चाहिए, क्योंकि इस मामले में सिर्फ रोकड़पाल संतोष कुमार पर कार्रवाई की गयी है। जब वित्त विभाग ने सभी को दोषी पाया है, तो कार्रवाई एक पर क्यों।

भाजपा ने ली चुटकी: इस बीच पूरे मामले में चुटकी लेते हुए भाजपा विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि यदि सत्ता पक्ष के विधायकों को दोषियों पर कार्रवाई करने में इतनी मशक्कत करनी पड़ रही है, तो विपक्ष द्वारा उठाये गये मुद्दों पर कार्रवाई करने में क्या स्थिति होगी।

स्पीकर ने सात दिन के लिए प्रश्न स्थगित किया

प्रभारी मंत्री द्वारा एफआइआर नहीं कराने पर प्रदीप यादव ने कहा कि ऐसे में वह सदन में धरना पर बैठ जायेंगे। वहीं, हेमलाल मुर्मू ने कहा कि बिना कार्यपालक अभियंता के रोकड़पाल गबन नहीं कर सकता है। प्रभारी मंत्री के रुख से लग रहा है कि वह कार्यपालक अभियंता को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी नीयत पर सवाल उठता है। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि चलते सत्र में जांच कर सदन को अवगत कराया जायेगा। देर तक चली बहस में प्रभारी मंत्री ने कहा कि सात दिन के भीतर कार्रवाई कर अवगत कराया जायेगा। इस पर प्रदीप यादव ने आसन से आग्रह किया कि इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया जाये। इसके बाद स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने इस प्रश्न को सात दिन के लिए स्थगित कर दिया। अब इस प्रश्न पर सात दिन के बाद चर्चा होगी।

भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

- केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ के लक्ष्मण पर्यवेक्षक बने

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए भाजपा संसदीय बोर्ड ने दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों की घोषणा कर दी है। केंद्रीय वन, पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ के लक्ष्मण पर्यवेक्षक बनाये गये हैं। राष्ट्रीय मुख्यालय प्रभारी एवं सांसद अरुण सिंह ने बुधवार को इससे संबंधित पत्र जारी किये। गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा का बजट सत्र जारी है और प्रदेश भाजपा की ओर से अब तक नेता प्रतिपक्ष फाइनल नहीं हो सका है।

चाइबासा में आइइडी ब्लास्ट में तीन जवान घायल

- सीआरपीएफ के सर्च ऑपरेशन के दौरान हादसा
- रांची के राज अस्पताल में चल रहा इलाज, डीजीपी देखने पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के जंगल में नक्सलियों की ओर से लगाया गया आइइडी ब्लास्ट कर गया है। इस आइडी ब्लास्ट में बटालियन 197 के सहायक कमांडेंट जीजे साईं, हवलदार सह रेडियो ऑपरेटर वीटी राव के अलावा कांस्टेबल धर्मेंद्र घायल हो गये हैं। जानकारी के मुताबिक आइइडी ब्लास्ट की यह घटना झारखंड-ओडिशा बॉर्डर के बालिबा और बाबुडेरा जंगल में हुई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार से एक विशेष संयुक्त अभियान पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा एवं जराइकेला थाना के सीमावर्ती जंगली और पहाड़ी इलाकों में शुरू किया गया है। इसी के तहत बुधवार सुबह 8:40 बजे छोटानागरा थाना अंतर्गत बालिबा के आसपास आइइडी विस्फोट हुआ। वहीं रास्ते में गड्ढा करके स्पाइक होल (गड्ढे में लगा लोहे का तीर) बनाया गया था। इन दोनों की चपेट में तीन जवान आ गये। सभी सीआरपीएफ के 197 बटालियन के हैं। घायल जवानों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची एयरलिफ्ट किया गया। उन्हें घटनास्थल से हेलिकॉप्टर के जरिये रांची एयरपोर्ट लाया गया। उसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बना कर सभी जवानों को रांची के राज अस्पताल लाया गया, जहां सभी का इलाज किया जा रहा है। सभी जवानों की स्थिति स्थिर है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता पहुंचे अस्पताल

अस्पताल में इलाजरत जवानों को हाल पूछने डीजीपी अनुराग गुप्ता भी पहुंचे। उन्होंने जवानों का हौसला बढ़ाया। साथ ही कहा कि राज्य में नक्सली अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं। जो आइइडी ब्लास्ट हुआ है वह काफी पुराना है। साथ ही कहा कि अभी यहां जवानों का इलाज चल रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो दूसरे जगह भी उन्हें ले जाया जायेगा।

कन्नड़ एक्ट्रेस एयरपोर्ट पर 15 किलो सोने के साथ गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च की देर शाम डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआइ) ने 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी बुधवार को सामने आयी है। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के डीजीपी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी है। उन्होंने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पाटकी में काम किया है। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। डीआरआइ अधिकारियों के मुताबिक रान्या राव दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट से भारत लौटी थीं। सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही उनकी एक्टिविटी पर नजर रख रही थीं, क्योंकि वह पिछले 15 दिनों में चार बार दुबई जा चुकी थीं। रान्या के अपने कपड़ों में सोना छिपाए हुई थीं। जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये है। इसके अलावा पुलिस ने उसके घर पर भी रेड की। वहां से 2 करोड़ कीमत का सोना और 2 करोड़ रुपये कैश बरामद हुआ।

केंद्र ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोप-वे को मंजूरी दी

- केदारनाथ में रोप-वे से 36 मिनट में होगी 9 घंटे की यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अभी जो यात्रा 8-9 घंटे में पूरी होती है, वह घटकर 36 मिनट की हो जायेगी। इसमें 36 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक (12.9 किमी) और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक (12.4 किमी) का रोपवे बनेगा। नेशनल हाइवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इसे बनायेगा। केदारनाथ में बनने वाला रोपवे सबसे एडवांस्ड ट्राई केबल डिटेचेबल गोंडोला तकनीक वाला होगा। इससे हर घंटे 1800 और हर दिन 18 हजार तीर्थ यात्रियों को पहुंचाया जायेगा। बताते चलें कि केदारनाथ जाने में एक तरफ से कम से कम 9 घंटे का समय लगता है। रोपवे बन जाने के बाद यह यात्रा 36 मिनट में होगी। केदारनाथ मंदिर तक की यात्रा गौरीकुंड से 16 किमी की कठिन चढ़ाई है। अभी इसे पैदल, पालकी, टट्टू और हेलिकॉप्टर से पूरा किया जाता है।

उधर, गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे बनेगा। इसमें 2,730.13 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रोपवे से हर घंटे 1100 और हर दिन 11 हजार यात्रियों को ले जाया जायेगा। हेमकुंड साहिब उत्तराखंड के चमोली जिले में है। इसकी समुद्र तल से ऊंचाई 15 हजार फीट है। यहां स्थापित गुरुद्वारा मई से सितंबर के बीच साल में लगभग 5 महीने के लिए खुलता है। हर साल लगभग 2 लाख तीर्थयात्री यहां आते हैं।

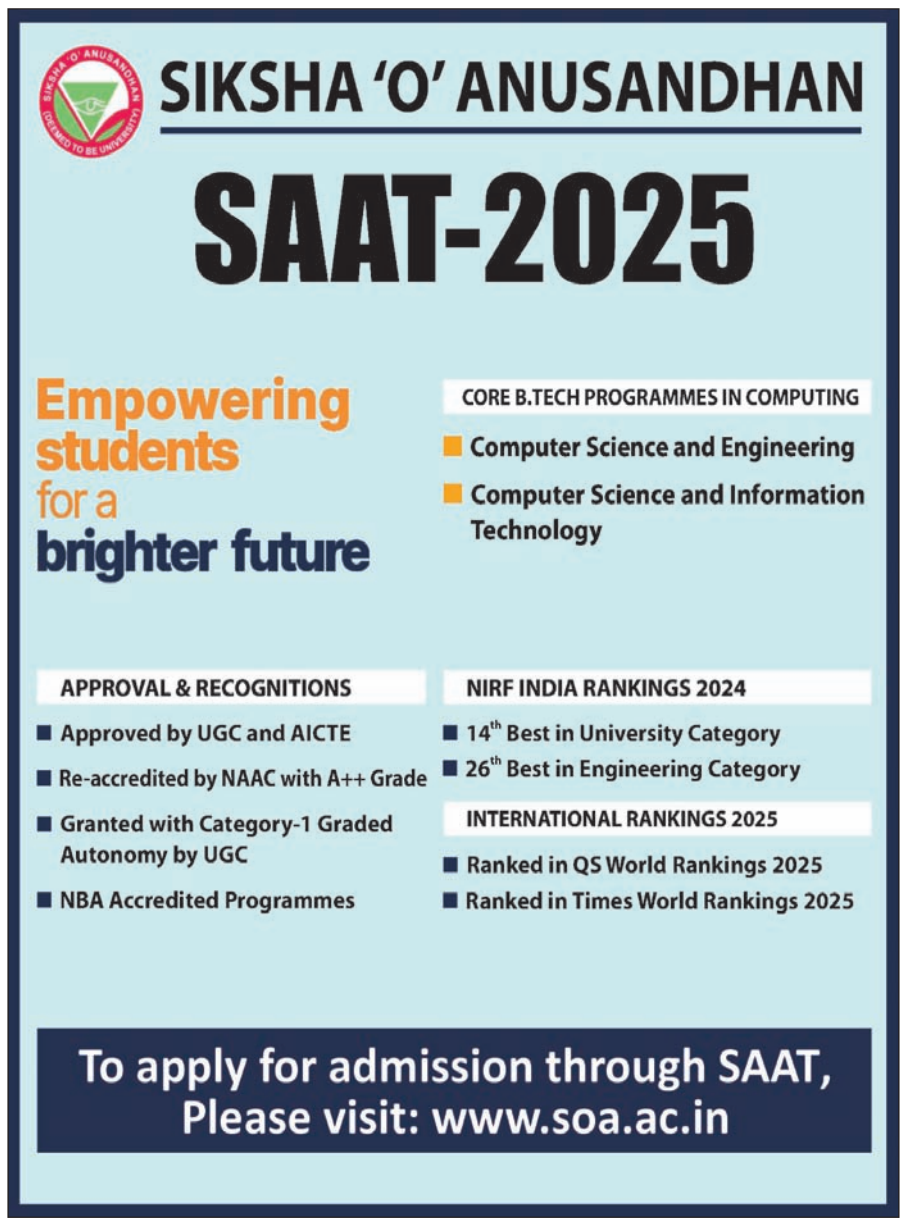

प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी हुए सम्मानित

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में चलाये जा रहे 90 दिवसीय जागरूकता और आउटरिच प्रोग्राम के तहत जिला स्तर पर पेंटिंग प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के निर्देश के आलोक में शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के बच्चो ने भाग लिया और निबंध प्रतियोगिता में प्रोजेक्ट प्लस 2 उच्च विदयालय देवीपुर मरकच्चो की 12 वी कक्षा की छात्रा तरंनुम परवीन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में इसी विदयालय की माया कुमारी ने जिला स्तर पर टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया। ये सभी प्रतियोगिताये बाल श्रम, बाल विवाह जैसे विषयो पर आधारित रहे। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची द्वारा पेंटिंग प्रतियोगिता की जिला टॉपर माया कुमारी एवं निबंध प्रतियोगिता की जिला टॉपर तरंनुम परवीन का प्रशस्ति पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा को उपलब्ध कराया गया। आज कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बाल कृष्ण तिवारी ने अपने प्रकोष्ठ में इन दोनों बच्चो को झालसा द्वारा भेजे गये प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश बाल कृष्ण तिवारी ने बच्चो को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही वह अमूल्य धरोहर है जिसके सहयोग से व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सह प्रभारी जज इंचार्ज ज्योत्सना पांडेय, प्रोजेक्ट प्लस 2 उच्च विदयालय देवीपुर मरकच्चो के प्रधानाचार्य न्यूटन कुमार, न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह, संतोष कुमार विदयालय की छात्रा माया कुमारी एवं तरन्नुम परवीन आदि मौजूद थे। प्रधान जिला जज के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर बच्चे काफी उत्साहित थे और उनके चेहरे खिल रहे थे।

चोरी के मामले में तीन युवक गिरफ्तार

डोमचांच (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत डोमचांच बाजार में अज्ञात चोरो के द्वारा बंद घर से रात्रि में चोरी कर गहना एवं जेवरात चोरी कर ले गये थे। इस संबंध में डोमचांच थाना कांड संख्या 21/25 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। कांड उद्भेदन और अज्ञात चोरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार थाना प्रभारी डोमचांच के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा छापामारी कर गुप्त सूचना के आधार पर चोरी गये सामान गहना एवं जेवरात के साथ तीन अभियुक्तको गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में डोमचांच थाना के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बीजीआर ने सिलाई मशीन का वितरण और सामुदायिक बोरवेल का किया उद्घाटन

केरेडारी (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी की केरेडारी कोयला खनन परियोजना में कोयले के खनन का कार्य कर रही कंपनी बीजीआर इंफ्रालिमिटेड और रोटरी ज्युब्लि हिल के द्वारा संयुक्त रूप से परियोजना से विस्थापित और प्रभावित क्षेत्र पांडू के मोमिनाबाद एवं तेलिया बेंगवरी के बागी टोला में 50 महिलाओं के बिच सील सिलाई मशीन का वितरण और छह सामुदायिक बोरवेल का उद्घाटन किया गया। कंपनी के द्वारा सिलाई मशीन वितरण कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारम्भ भी किया गया। इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से महिलाओं को तिन महीने का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ा जायेगा। इस अवसर पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए बीजीआर कंपनी के जीएम निवास रॉव ने कहा की कंपनी के द्वारा समय समय पर सीएसआर मद से स्कूली बच्चों के बिच स्कूल बैग, नोट बुक और ग्रामीणों के बिच मच्छरदानी का वितरण किया गया है। इस दौरान समय समय पर सीएसआर मद से सामुदायिक विकास के कार्य किये जाते रहेंगे। वही रोटरी जुबली हिल के हेड डा रामप्रसाद ने कहा की क्लब के द्वारा अनेकों कार्य किये जा रहे है, जिसका सीधा लाभ लोगों को मिल रहा है। सिलाई मशीन मिलने से महिलाओं में हर्ष है मौके पर डारेक्ट गवर्नर रोटरी क्लब हैदराबाद डा रामप्रसाद, प्रेसिडेंट बालाकोट्टि रेड्डी, बीजीआर के जीएम श्रीनिवास रॉव, भानु, एचआर रामशास्त्री, डीजीएम हेड विजय तिवारी, पवन अग्रवाल, पियूष, अशीम दास, चिरंजीवी, संदीप मिश्रा, मो फैयाज और मलिका अर्जुन सहित दर्जनों महिला पुरुष मौजूद थे।

मसकेडीह रेलवे पुल के पास मिला व्यक्ति का शव

चलकुशा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मसकेडीह रेलवे पुल के निकट अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। स्थानीय लोगों के द्वारा चलकुशा थाना को जानकारी दी गयी। जिसके बाद एएसआइ अजय सिंह ने अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। थाना प्रभारी चितरंजन कुमार ने कहा कि अगर किंही को शव कि पहचान होती है तो चलकुशा थाना में संपर्क करें।

बादम पंचायत में मनरेगा कार्यो के ऑडिट के बाद हुई जन सुनवाई

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत बादम पंचायत में मनरेगा अंतर्गत सोसल ऑडिट का कार्य पांच दिनों से चल रहा था। जिसका पंचायत स्तरीय जन सुनवाई बादम पंचायत सचिवालय में बड़कागांव प्रखंड पर्यवेक्षक अशीश कुमार पासवान के अध्यक्षता में पुर्ण हुआ। पंचायत का मामला पंचायत में ही निपटने का काम हुआ। मौके पर मुखिया सुनिता देवी, पंचायत समिति सदस्य राजा खान, पंचायत सेवक खुशनरायण महतो, रोजगार सेवक फजलुर रहमान, गौतम कुमार वर्मा, तिरलोकी साव, संतोष महतो, बिरेंद्र महतो, लालो साव, जावेद हुसैन, अफरोज, नौशाद, गोविंद महतो, कार्तिक महतो, सिता राम साव, बिनोद राम, शांती देवी, रेखा कुमारी, गिता देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बरकट्ठा पुलिस ने दो लोगों को भेजा जेल

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। थाना कांड संख्या 24/25 के सड़क दुघर्टना के आरोपी मुमताज अंसारी पिता मकबूल मियां ग्राम बरकनगंगो को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। जानकारी हो कि सोमवार को मैट्रिक परीक्षार्थी रोहीत कुमार की बालू लदे ट्रैक्टर के चपेट में आने से हो गयी थी। जिसके बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया और चालक को जेल भेजा। वहीं कांड संख्या 18/19 के वारंटी शंकर कुमार पिता महेश प्रसाद कलहाबाद को जेल भेजा गया।

होली और रमजान को लेकर एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों संग की बैठक

सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। होली और रमजान को लेकर एसपी अरविंद कुमार सिंह ने जिले के पुलिस पदाधिकारियों संग बैठक की। इस दौरान पूरे जिले में होली और रमजान (ईद) कैसे शांति से गुजरे इस पर विशेष रूप से चर्चा हुई। साथ ही जिले में विधि व्यवस्था कायम रहे इसको लेकर सभी थाना प्रभारीयों और पुलिस पदाधिकारियों को दिशानिर्देश दिया गया। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने आगामी होली एवं ईद का रमजान की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही दिशानिर्देश जारी किये। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने से संबंधित सभी पुराने कांडों में आरोपी रहें व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनन कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया।

सभी थाना प्रभारी को थाना क्षेत्र में अवैध देशी एवं विदेशी शराब पर पूर्णत रोक लगाने एवं शराब की तस्करी में शामिल अभियुक्त को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। होली और ईद का रमजान माह को देखते हुए सभी थाना प्रभारी जो अपने अपने थाना क्षेत्र में निरंतर गस्ती जारी रखने का निर्देश दिया गया। पुराने सांप्रदायिक कांडों में शामिल अभियुक्तों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर गिरफ्तारी करने को कहा गया। थाना क्षेत्र में जितने भी संवेदनशील स्थान है, सभी स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी में बल प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया। नशाखोरी के पदार्थ खरीद बिक्री करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। वैसे गिरोहों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सीसीए के तहत कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। जिले के सभी संवेदनशील मंदिर और मस्जिद पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। विभिन्न सोशल मिडिया की मोनिटरिंग करने हेतु सभी पुलिस पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनन कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। बैठक में एडिशनल एसपी अमित कुमार, सदर एसडीपीओ अमित आनंद, सीसीआर डीएसपी मनोज सिंह के अलावा जिले के सभी डीएसपी, इंस्पेक्टर और थाना प्रभारी उपस्थित थे।

राज्य सरकार युवाओं को सिर्फ ठग रही है: डॉ नीरा यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। झारखंड विधानसभा में बुधवार को कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने राज्य के बजट की चर्चा पर भाग लिया। साथ ही जनमुद्दों पर सवाल भी रखे। उन्होंने कोडरमा, डोमचांच और झुमरीतिलैया में पेयजल आपूर्ति में हो रही कठिनाई और पानी टंकी के अधूरे रहने के कारण बड़ी आबादी को पानी की आपूर्ति नहीं होने का सवाल उठाया। विधायक डॉ नीरा यादव ने सभी जगहों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसकी मांग की। साथ ही कहा कि कोडरमा में जेजे कॉलेज से मेघातरी तक फोर लेन सड़क निर्माण के लिए वन विभाग का अनापत्ति पत्र नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ रहा है। जिले में लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं और यदि वह विभाग का अनापत्ति पत्र मिलता है तो फोर लेन सड़क बनने के बाद सड़क हादसों पर नियंत्रण हो सकेगा।

राज्य के बजट पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बजट में युवाओं के नियोजन पर कोई उपाय या चर्चा नहीं की गयी है। राज्य सरकार युवाओं को सिर्फ ठगने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार अपनी नाकामियों का सारा ठीकरा केंद्र सरकार पर डालकर लोगों को भरमाने का काम कर रही है। पर झारखंड के लोग हकीकत जान रहे हैं। झारखंड की हेमंत सरकार ने कमल क्लब को बंद करवा दिया। इन्हें कमल फूल से नफरत है, जबकि इसपर मां लक्ष्मी विराजमान होती हैं। कमल क्लब की जगह सिध्दो कान्हो खेल क्लब की स्थापना की घोषणा की, पर हश्र क्या हुआ। इसी तरह छात्र छात्राओं के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना की घोषणा की गयी, पर कितनों को इसका लाभ मिल सका। उन्होंने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार जनहित के मामलों पर चुप है, जनसवालों से भागती है और राज्य के वासियों को केंद्र से बकाए की झूठी बात कहकर भ्रम में डाल रही है। इस साल का बजट भी आगे की बजाय राज्य को पीछे ही ले जायेगा।

कस्तूरबा की समस्याओं को लेकर उप प्रमुख ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

इचाक (आजाद सिपाही)। इचाक उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के समस्याओं को लेकर दर्जा प्राप्त मंत्री सह समन्वय समिति सदस्य फागु बेसरा द्वारा अनुशंसा पत्र उपायुक्त को देकर विद्यालय के निम्न समस्याओं पर मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में विद्यालय के चारों तरफ हाई मास्ट लाइट, बच्चियों की पानी के समस्या से निजात के लिए एक डीप बोरिंग, विद्यालय में दो कक्षा में बच्चों की बैठने के लिए फर्नीचर, बेंच, डेस्क और एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की मांग शामिल है।

पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर चिपकाया इश्तेहार

चलकुशा (आजाद सिपाही) थाना कांड संख्या 20/24 पोक्सो एक्ट के अभियुक्त द्रबिंद कुमार मंडल पिता कुलदीप मंडल चलकुशा निवासी के घर एएसआइ मालिक मुर्मू ने डुगडुगी बजाकर इश्तिहार चिपकाया है।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में चार युवक घायल

सतगावां (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सुदरवर्ती उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र कोठियार के ग्राम पचाने में मोटरसाइकिल दुर्घटना में चार लोग घायल हो गये। घायलों में राहुल कुमार 22 वर्ष पिता चंद्रिका रविदास, मिथुन कुमार 20 वर्ष पिता शंकर रविदास, पिंटू भुईयां 20 वर्ष, गोलू भुईयां 18 वर्ष पिता सोमवार भुईयां सभी ग्राम महथाडीह निवासी बताया गया है। दुर्घटना के बाद परिजनों की मदद से राहुल कुमार एवं मिथुन कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं पिंटू भुईयां एवं गोलू भुईयां को निजी स्वास्थ्य केंद्र में इलाज किया जा रहा है।

फूड सेफ्टी ऑफिसर ने कई खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों में नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी के द्वारा शहरी क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने शारदा स्वीट्व एंड फैमिली रेस्टोरेंट, बाला जी होटल, चिकन राइस बॉक्स आदि खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी होटल और रेस्टोरेंट के संचालको द्वारा उनके यहां कार्यरत कर्मियों का नियमानुकुल वार्षिक स्वास्थ्य जांच कराना और मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र रखने को कहा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा संचालकों को निर्देश दिया कि अपने रसोईघर को अच्छी तरह से हाईजीन कंडीशन में रखें। फूड विक्रेता आदि मिठाईयों को सुरक्षित और अत्याधिक आकर्षक बनाने एवं रखने के लिए अवांछित केमिकल एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालने वाले अखाद्य औद्योगिक रंगों का उपयोग नहीं करने का निर्देश दिया। इस दौरान कई खाद्य प्रतिष्ठानों से गुड का सैंपल भी एकत्रित किया गया।

फाल्गुन महीने का अहसास करा रहा लाल रंग के फूलों से लदा सेमल का पेड़

फूलों से लेकर जड़ तक यह पेड़ औषधि गुणों से भरा हुआ है

दीपक सिंह

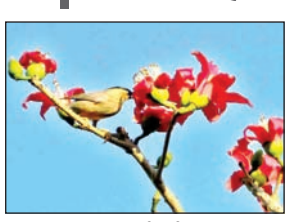

हजारीबाग। लाल रंग के फूलों से लदा सेमल का पेड़ फाल्गुन के महीने मादकता का अहसास करा रहा है। पतझड़ के आगमन के साथ इन पेड़ों के पत्ते गिर चुके हैं। लेकिन लाल रंग में खिले फूल सबको इसके ओर आकर्षित कर रहे हैं। हजारीबाग जिले में सेमल के कई पेड़ मौजूद हैं। शहरी क्षेत्र में इसके पेड़ कम है जिस कारण लोग हजारीबाग झील परिसर खिले सेमल के फूल को देखने ले लिए पहुंच रहे है। सेमल का फूल गर्मी के मौसम का सूचक भी माना जाता है। आयुर्वेद भी इसके पेड़ छाल और फूल का लोहा मानता है। सेमल के लाल फूल प्रकृति के सौंदर्य को दिखाने के साथ-साथ पंछियों के लिए भी बेहद खास है। इस विषय पर हजारीबाग के पर्यावरण विद् मुरारी सिंह भी कहते हैं कि सेमल का फूल जितना खूबसूरत है, उतना ही पर्यावरण के लिए बेहद जरूरी है। सेमल के लाल फूल न केवल प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाते हैं, बल्कि पक्षियों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सेमल का पेड़ 81 प्रजातियों के छोटे-बड़े पक्षियों का आश्रय बनता है। करीब 40 प्रजाति के पक्षी इस पर बैठने और घोंसला बनाने के लिए आते हैं। बसंत के मौसम से खिलने वाला सेमल के फूल 41 प्रजाति के पक्षियों के लिए भोजन का स्रोत हैं। इनमें से 28 प्रजाति के पक्षी फूलों का पराग चूसते हैं, जबकि 13 प्रजाति के पक्षी उन कीट-पतंगों को खाते हैं, जो फूलों से आकर्षित होकर पेड़ के नजदीक आते हैं। इससे पक्षियों को भोजन मिलता है। गिलहरी और बंदर भी इसके फूल और पंखुड़ियों को खाना खूब पसंद करते हैं। मधुमक्खी भी बेहद शौक के साथ इस पेड़ के ऊपर अपना छत्ता बनाते हैं। सेमल का पेड़ पक्षी और पर्यावरण के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करता है। आयुर्वेद में भी इस पेड़ का खास महत्व है। फूलों से लेकर जड़ तक यह पेड़ औषधि गुण से भरा हुआ है, लेकिन जानकारी के अभाव में लोग इसका उपयोग नहीं कर पाते हैं। प्रकृति ने कई ऐसे उपहार दिए हैं जिसे लोग जानते तक नहीं है। सेमल भी उसी में एक है। सेमल के फूल और उस पर आकर्षित होकर आने वाले कीड़ों को भोजन बनाने वाली पक्षियों का सेमल का पेड़ आश्रय है। इनमें तोता, हारिल, पंडुक, नीलकंठ, कोयल, महोक, कुक्कू, मलकोहा, रॉबिन, बुलबुल, भुजंगा, पीलक, शकरखोरा, बसंता, प्रिनिया, बबूना, हॉर्नबिल और हनी बजार्ड आदि पक्षी शामिल है।

एसबीआइ झरपो में दो खाताधारकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा के तहत मिला दो-दो लाख का लाभ

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के झरपो भारतीय स्टेट बैंक में जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ दो लोगों को मिला। पुनाई पंचायत के बलिया निवासी चेतलाल प्रसाद की पत्नी कौशल्या देवी और खैरा पंचायत के नारायणपुर निवासी मुकेश यादव की पत्नी खुशबू कुमारी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा की क्लेम राशि दो दो लाख। बता दे कि चेतलालस प्रसाद की मृत्यु 08 दिसंबर 2024 को और मनोज यादव की मृत्यु अगस्त 2024 में हुई थी। उन दोनों एसबीआइ झरपों में खाता धारक थे, और 436 रुपया का जीवन ज्योति बीमा किया हुआ था। एसबीआइ ने दोनों को मृत्यु की क्लेम 04 फरवरी 2025 को किया, 15 दिनों के अंदर दोनों का क्लेम राशि दो-दो लाख रुपया खाता में मिला। झरपो एसबीआइ शाखा प्रबंधक विवेक कुमार ने बताया कि यह प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा हर बैंक के धारक को हर वर्ष मात्र 436 रुपया का बीमा करवाना चाहिए। इसका लाभ भविष्य में काम आएगा उन्होंने कहा कि 500 से लेकर 1500 रुपया या उससे अधिक रकम तक का आरडी किया जा रहा है, इसका लाभ जरूर ले।

विष्णुगढ़ थाना में शांति समिति की बैठक

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। थाना परिसर में होली और रमजान को लेकर बुधवार को शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने की तथा संचालन थाना प्रभारी सपन कुमार महथा ने किया। बैठक में उपस्थित पंचायत प्रतिनिधियों एवं शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से अपनी बात रखते हुए कहा कि होली में आज तक छोटी मोटी घटनाओं को छोड़कर किसी तरह का कोई विवाद नही हुआ है। हम सब आपस में मिलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने मनाते आये आगे भी जारी रहेगा। थाना प्रभारी सपन कुमार महथा ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, यहां सभी वर्गों को अपने धर्म अपने रीतिरिवाजों से मनाने का पूर्ण और स्वतंत्र अधिकार है। होली सद्भावना एवं शांति का प्रतीक है, ठीक वैसे हीं रमजान का पाक महीना भी शांति एवं सद्भावना का प्रतीक है। ऐसे मौके में अपने-अपने त्योहार को उसी आधार पर मनाये जबरन अपने त्योहार को किसी पर ना थोपे। विष्णुगढ़ प्रखंड वासियों के सभी वर्गों एवं धर्म सम्प्रदाय से एक अपील है, छोटी-मोटी बातों को इग्नोर कर दीजिए यह बड़ी घटना या बड़ा विवाद बनने से पहले हीं खत्म हो जायेगी और सद्भावना बनी रहेगी। उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह से अपील करते हुए कहा कि ये अपनी सेवा बेहतर देते है ,और देते आ रहे है, फिर भी होली के दिन उपचार को लेकर थोड़ी जवाबदेही और लें। मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार सिंह, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सुरेंद मिश्र, झामुमो पूर्व जिलाध्यक्ष शम्भूलाल यादव ,जिप सदस्य शेख तैयब,मुखिया संघ अध्यक्ष उत्तम कुमार महतो, सचिव निर्मल कुमार, उमा देवी, गुरु प्रसाद साव विशेश्वर प्रसाद स्वर्णकार, रामजन्म राय,राजेश साव, सुनील कुमार अकेला, भीखन रविदास,रामचन्द्र यादव,रीता देवी, शिबू सोरेन,महेंद्र कुमार महतो, सतीश कुमार पटेल ,खलील अंसारी, अब्बास अंसारी, रफीक आलम मुस्तकीम अंसारी समेत विष्णुगढ़ थाना के पुलिस पदाधिकारी के अलावा गणमान्य लोग मौजूद थे।

वन विभाग की कार्रवाई में दो आरा मिल को किया ध्वस्त

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम चुगलामो और बंडासिंघा में वन प्रमंडल पदाधिकारी एके परमार के नेतृत्व में हजारीबाग पुलिस के सहयोग से दो अवैध आरामील को ध्वस्त किया। ग्राम चुगलामो में चल रहे अवैध आरामील को ध्वस्त कर आराम मशीन के सभी कलपुर्जे, 93आरापती, सौ फीट चिरान पटरा अस्सी फिट विभिन्न प्रकार के लकड़ी बोटा को जब्त किया। वही आरा मील संचालक प्रकाश चौधरी को गिरफ्तार जेल भेजा। वही बंडासिंघा स्थिति आरामील में के संरचना को ध्वस्त किया, वहीं अस्सी फिट विभिन्न प्रकार के लकड़ी बोटा बरामद किया। मौके पर संचालक मेघो साव फरार हो गये। वन विभाग के पदाधिकारियों ने कहा कि अवैध लकड़ी कटाई और तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

बीआर इंटरनेशनल स्कूल में किड्स विंग की वार्षिक खेल प्रतियोगिता का समापन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। बीआर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह में किड्स विंग के वार्षिक खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह का आयोजन किया गया। किड्स विंग में क्लास नर्सरी केजी एक केजी दो और क्लास एक के विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग लिए। नर्सरी से कक्षा एक तक के छात्रों के विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन समारोह का आयोजन विद्यालय की प्राचार्या राखी राय, निदेशक ओपी राय और उपप्राचार्य नवल किशोर तथा एडमिनिस्ट्रेटर सुनील कुमार ने दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मौके पर किड्स के नंहे बच्चों के द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया जो उपस्थित अभिभावकों के मन मोह लिया। एनुअल स्पोर्ट्स का समापन स्पोर्ट्स इंचार्ज आलम उद्दीन के नेतृत्व में हुआ वहीं टीचर्स अंशु राज एवं किड्स के शिक्षकों के सहयोग से संपन्न कराया गया। विद्यालय की शिक्षिकाएं नीतू बर्नवाल, जया लक्ष्मी, अनीता बर्नवाल, संध्या कुमारी, कामना सिन्हा, सरोजिनी डुंगडुंग, रुखसार शगुफ्ता, फूल कुमारी, आरती कुमारी, संध्या सिन्हा, शिक्षक अजय कुमार यादव, रौशन कुमार, अमित कुमार, आलम उद्दीन एवं पीटी शिक्षक अंशु राज का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सलूजा ने किया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न स्पधाओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बेहतरीन प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ राखी राय ने कहा कि खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं, जो हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करते हैं। समापन समारोह में विद्यालय के सैकड़ों अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केरेडारी-टंडवा के कुछ इलाकों में आज छह घंटे बिजली रहेगी बंद

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रखंड केरेडारी प्रखंड एवं टंडवा प्रखंड के कुछ एरिया में आज सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम 4:00 बजे तक बिजली बंद रहेगी। उक्त आशय की जानकारी बिजली विभाग के नए कनीय अभियंता प्रदीप प्रजापति ने बताया कि बिजली को दुरुस्त करने को लेकर डेमोटांड़ से लेकर बड़का गांव बिजली सब स्टेशन तक मेंटेनेंस का कार्य किया जायेगा, जिसे देखते हुए सुबह 10:00 बजे से लेकर शाम 4:00 बजे तक बिजली बंद रहेगी।

महिलाओं को सशक्त और समृद्ध बनायेंगे : सांसद चंद्रप्रकाश

कल्याणी महिला संघ का महाधिवेशन संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

गोला। गोला के तिरला मोड़ के समीप बुधवार को कल्याणी महिला संघ का 16वां महाधिवेशन मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी और विशिष्ट अतिथि जिप सदस्य जलेश्वर महतो मौजूद थे। कार्यक्रम का उद्घाटन उन्होंने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि देश में नरेंद्र मोदी की सरकार महिलाओं को सशक्त और समृद्ध बनाने का लगातार प्रयास कर रही है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे आकर विकसित भारत बनाने में मदद कर रही है। आज देश स्तर पर कई कल्याणकारी योजना संचालित हो रही है, लेकिन जागरूकता के कारण महिला दीदी का लाभ नहीं ले पाते हैं। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को हर तरह से मदद करने का भरोसा दिलाया। इससे पूर्व संघ के दीदियों ने डीभीसी चौक से रैली निकालकर कार्यक्रम स्थल पहुंची। मौके पर मुखिया बजरंग कुमार महथा, जितलाल टूडू,अलका महतो के अलावे सुनीता देवी, सरिता देवी, रुमा देवी, पिंकी देवी, सुनीता, मंजू, ललिता, रेखा, विश्वनाथ, मंटू, ज्योत्स्ना, हिमांशु, बिगलाल ठाकुर, सावित्री देवी, सुमित्रा देवी, ममता सोनी, सम्मा आरा आदि थे।

विधायक ममता ने उठायी रामगढ़ में विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। विधायक ममता देवी ने झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में रामगढ़ महाविद्यालय को विश्वविद्यालय में अपग्रेड करने की मांग को जोरदार तरीके से उठाया। विधायक ममता देवी ने सदन में कहा कि रामगढ़ जिला शैक्षणिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद अब तक विश्वविद्यालय की सुविधा से वंचित है। वर्तमान में रामगढ़ महाविद्यालय, जो विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के अधीन संचालित होता है, जिले के हजारों छात्रों की उच्च शिक्षा का केंद्र है। ऐसे में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा देने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को अत्यधिक लाभ मिलेगा और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह की : उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या नयी शिक्षा नीति के तहत रामगढ़ महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जा सकता है और यदि हां, तो इसे कब तक लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि रामगढ़ जिला औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से विकसित हो रहा है, ऐसे में एक विश्वविद्यालय की स्थापना आवश्यक हो गयी है। विधायक ममता देवी ने सरकार से इस मांग को गंभीरता से लेने और जल्द से जल्द इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।18

मांडू विधायक ने विधानसभा में अंचल से शिविर लगाकर स्टेटमेंट 6 बनाने की मांग की

मांडू (आजाद सिपाही)। मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो ने विधानसभा के पटल पर शून्यकालीन सत्र के दौरान सीसीएल अधिगृहित क्षेत्रों में रैयतों की भूमि का शिविर लगाकर स्टेटमेंट 6 बनाने की मांग की। उन्होंने इस दौरान विधानसभा में अपने विधायकी क्षेत्र के जन भावनाओं का ख्याल रखते हुए कहा कि सीसीएल के अधिग्रहण क्षेत्र बसंतपुर, पुंडी, लइयो, केदला, करमा, तोपा, पिंडरा, आरा-सारूबेड़ा, अरगड्डा ,परेज, रैलीगढा,गिद्दीए, गिद्दी सी, तापिन ,परेज में कोयला उत्पादन एवं संप्रेषण हेतु रैयतों से स्टेटमेंट 6 की मांग की जाती रही है। जिसे राज्य सरकार स्टेटमेंट 6 बनाने का काम करती है। परंतु जिला और अंचल की ढुलमुल रवैया के कारण रैयतों को संबंधित विभाग द्वारा परेशान किया जाता है। जिससे रैयतों व भू-स्वामीयों को उनका हक अधिकार (नौकरी व मुआवजा) नहीं मिल पाता है। इस कारण सीसीएल और रैयत के बीच टकराव की स्थिति बनी रहती है।इस ज्वलंत मुद्दे को विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष अंचल और जिला कार्यालय द्वारा सीसीएल अधिग्रहित क्षेत्रों में ग्रामीणों के साथ शिविर लगाकर सभी अमीर, गरीब रैयतों का स्टेटमेंट 6 बनाने की मांग किया। विधायक द्वारा इस प्रश्न विधानसभा में रखने से कोयलांचल क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्रामीणों और रैयतों के बीच खुशी का माहौल है। साथ ही विधायक को बधाई दी है।

विधायक रोशन लाल ने पीटीपीएस के आवासों को लीज पर देने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

पतरातू। पतरातू प्रखंड अंतर्गत पीटीपीएस परिसर में लगभग 20,000 लोग निवास करते हैं, जिनमें पीटीपीएस के पूर्व कर्मचारी के परिवार सदस्य, दुकानदार, संवेदक, पीवीयूएनएल (एनटीपीसी) पतरातू में कार्यरत कर्मचारी, मजदूर और आसपास के कारखानों में काम करने वाले लोग शामिल हैं। मालूम कि पीटीपीएस पतरातू को पीवीयूएनएल (एनटीपीसी) पतरातू को हस्तांतरित करने के बाद भी पीटीपीएस के स्वामित्व में लगभग तिन हजार आवास बचे हुए हैं। अगर इन आवासों को एचईसी हटिया और बीएसएल बोकारो की तर्ज पर 99 वर्षों की रेंट लीज पर पीटीपीएस के पूर्व कर्मचारियों के परिवारों दुकानदारों, संवेदकों और मजदूरों को दिया जाये, तो इससे सरकार को कई करोड़ों रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। इसके लिए सदन के माध्यम से बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने विधानसभा में मांग उठायी है।

गोला में प्रेस क्लब रामगढ़ का परिचय पत्र वितरण

गोला (आजाद सिपाही)। द्वारिका पैलेस में बुधवार को प्रेस क्लब रामगढ़ (पीसीआर) का परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बीरू और कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम मौजूद थे। अध्यक्ष ने क्षेत्र के पत्रकारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि पत्रकार क्षेत्र की समस्याओं को उठाने की काम करते हैं। वह अपनी जवाब देही को ईमानदारी पूर्वक निभाएं। इससे समाज में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इस दौरान क्षेत्र के पीसीआर सदस्यों के बीच परिचय पत्र का वितरण भी किया गया। इससे पूर्व दो वर्ष की सदस्यता शुल्क जमा लिया गया। मौके मनोज मिश्र, ललकिशोर महतो, जीतेंद्र कुमार, मोबिन अख्तर, अंजनी कुमार, राजकुमार, मनोहर लहरी, श्रीकांत महतो, ओमप्रकाश गुप्ता, सुजीत सिंहा, सुरेश राम, अशफाक अहमद, पंकज कुमार पाठक सहित अन्य मौजूद थे।

सीओ ने झारखंड आंदोलनकारियों को दिया परिचय पत्र

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू अंचल कार्यालय में बुधवार को झारखंड राज्य अलग गठन हेतु आंदोलन में अतुलनीय योगदान देने वाले आंदोलनकारीयों को परिचय पहचान पत्र अंचल अधिकारी मनोज कुमार चौरसिया के हाथों उपस्थित आंदोलन कर्मियों को दिया गया। इस मौके पर परिचय पहचान पत्र प्राप्त करने वालों में संजय मिश्रा, राजेश कुमार सिंह, अकबर खान, हजरत अली उर्फ हैदर अंसारी, कुलदीप मेहता, संजय कुमार, मुन्ना श्रीवास्तव, राजगिरी चौधरी, मोहम्मद आजाद अंसारी, जमीर खान उर्फ जमीर मियां, शामिल थे।

आइसा के सचिव और पवन यादव ने एबीवीपी की सोच पर उठाया सवाल

एबीवीपी कॉलेज में आरक्षण विरोधी और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देना बंद करे : आइसा

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के राज्य सचिव त्रिलोकी नाथ और इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव पवन यादव ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा रामगढ़ कॉलेज प्रशासन को एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें उनकी संकीर्ण और घृणित मानसिकता स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होती है। एबीवीपी शुरू से ही दलित, आदिवासी और मुस्लिम विरोधी रही है। यह संगठन हमेशा से समाज के वंचित और अल्पसंख्यक तबकों के अधिकारों को कुचलने का प्रयास करता रहा है और आरक्षण विरोधी एजेंडे का सहयोगी रहा है।

एबीवीपी दलितों, आदिवासियों और मुस्लिम समुदाय को टारगेट कर रही है : शिक्षण संस्थानों में विशेष वर्ग को छूट देने के विरोध का सीधा अर्थ यह है कि एबीवीपी दलितों, आदिवासियों और मुस्लिम समुदाय को टारगेट कर रही है। उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता यही रही है कि इन समुदायों को बेहतर शिक्षा से वंचित रखा जाए, उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर किया जाए और उन्हें राजनीतिक व सामाजिक रूप से हाशिये पर धकेला जाये। यह अत्यंत चिंताजनक है कि एबीवीपी शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण विरोधी और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है। यह केवल शिक्षा के लोकतंत्रीकरण के खिलाफ नहीं, बल्कि देश की सामाजिक समरसता और संवैधानिक मूल्यों पर भी सीधा आघात है।

भारत माला परियोजना के लिए अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा मार्च तक भुगतान करने का डीसी ने दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में भारत माला परियोजना से संबंधित समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में सर्वप्रथम रैयतों का मुआवजा भुगतान विवादित भूमि, जिसमें हंटरगंज, चतरा, पत्थलगड्डा और सिमरिया क्षेत्र के अंचल अधिकारी से क्रमवार कई महत्वपूर्ण जानकारी ली गयी और कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उपायुक्त ने जिला भू अर्जन पदाधिकारी के कार्यालय में विवादित भूमि का प्रतिवेदन भेजे जिससे सुनवाई की प्रक्रिया जल्द हो सके। जिला भू अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह ने बताया कि भारत माला परियोजना के लिए अधिग्रहीत की गयी भूमि का 157.57 करोड़ का भुगतान किया जाना है। जिसमें भव 125.66 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। संरचना के मामले में जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने जानकारी दिया कि 53 करोड़ में से 27 करोड़ का भुगतान कर दिया गया है। उपायुक्त ने शेष भुगतान भी मार्च के अंत तक तीव्र गति से करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उपायुक्त ने भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र (एलपीसी) की समीक्षा करते हुए सभी अंचलाधिकारी को निर्देश दिया कि जो भी एलपीसी के मामले अभी तक अंचल में लंबित है। एक सप्ताह के अंदर उसका निष्पादन कर उसकी सूची जिला भू अर्जन कार्यालय को भेज दें। बैठक में अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी वैभव कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, सभी संबंधित अंचल अधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी कर्मी उपस्थित थे।

रोटरी रामगढ़ सिटी के अध्यक्ष आदर्श चौधरी और रोहित पंसारी सचिव बनाये गये

रामगढ (आजाद सिपाही)। रोटरी रामगढ़ सिटी की बैठक मंगलवार की देर शाम होटल अरिहंत की सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष अनिल गोयल ने किया। इस दौरान बैठक में सत्र 2025-26 के पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमे सर्वसम्मति से आदर्श चौधरी को अध्यक्ष और रोहित पंसारी को सचिव चुना गया। वहीं, अन्य पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष सूरज अग्रवाल, सह सचिव दीपक खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष प्रकाश अग्रवाल, सह कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल, प्रेसिडेंट इलेक्ट राजू अग्रवाल, क्लब ट्रेनर विकास अग्रवाल, वुमन एंपावरमेंट के लिए सुमन चौधरी और स्वाति पंसारी को चुना गया। जबकि, हेल्थ एडवाइजर के लिए डॉ राहुल बरेलिया और सारजेंट एट आर्म पंकज जैन को बनाया गया। इसके अलावा छह डायरेक्टर चुने गए। जिसमें रुपेश गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, हरिश चौधरी, राजेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल और उमेश राजगड़िया शामिल हैं।

अंडर वाटर ड्रोन पर बीआइटी मेसरा के डॉ प्रियांक सक्सेना का व्याख्यान

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। राधा गोविंद विश्वविद्यालय प्रांगण में एक सप्ताह के बूट कैम्प में दूसरे और तीसरे दिन भी ड्रोन संबंधित तकनीक पर प्रतिभागियों के बीच जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। दूसरे दिन बीआईटी. मेसरा के डॉ प्रियांक सक्सेना ने अंडर वाटर ड्रोन पर त्याख्यान दिया और इससे संबंधित विस्तृत जानकारी साझा किया। सचिव ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। तीसरे दिन की दूसरे सत्र में ड्रोन असेम्बली का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। फैक्लटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ अवनीश कुमार ने सभी एक्पर्ट का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया एवं सभी का धन्यवाद देते हुए प्रतिभागियों को ड्रोन से संबंधित अहम शोध साझा करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज पतरातू में कारपेंटर कोर्स का हुआ शुभारंभ

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड के उच्चरिंगा पतरातू इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित ओपी जिंदल कम्युनिटी कॉलेज में जिंदल फाउंडेशन के सहयोग से बुधवार को फिनिशिंग कारपेंटर कोर्स का शुभारंभ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जेएसपी पतरातू के प्लांट प्रमुख सत्येंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि गुरमीत कौर और जेएसपी पतरातु के सीएसआर प्रमुख रवि निवास उपस्थित थे। मौके पर प्लांट प्रमुख सत्येंद्र सिंह ने कहा कि आज हमें गर्व करना चाहिए जो सपना हमारे पूज्यनीय बाऊजी ओमप्रकाश जिंदल ने देखा था। प्राचार्य सांबी कुमार साहू ने छात्रों को कारपेंटर ट्रेड में संचालित कोर्स के बारे में विस्तार से बताया। यह कोर्स पायलट फेज में चलाया जा रहा है। प्रथम बैच में 20 बच्चों का एक बैच बनाया गया है। कोर्स 3 महीने का होगा। प्रशिक्षण उपरांत कुशल छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जायेगा और इनको रोजगार तथा स्वरोजगार में कॉलेज सहायता प्रदान करेगी।

सांसद ने सिमरिया विधानसभा क्षेत्र का किया दौरा

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का आज दौरा कर जनता की समस्याओं से रूबरू हुए। क्षेत्र में पहुंचने पर स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने सर्वप्रथम माता बलबल मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद मेराल गांव पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय विद्यालय का निरीक्षण किया और बच्चों की शिक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। फिर उन्होंने उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चोपे का दौरा कर विद्यालय की स्थिति को परखा और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। जनसमस्याओं को लेकर माननीय सांसद श्री सिंह नावाटांड़, बिरहु व शिला गांव भी पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया।

उज्ज्वला फाउंडेशन ने सदस्यों को होली पर बांटी खाद्य साम्रगी

संयम के साथ उज्ज्वला फाउंडेशन से जुड़े रहें सदस्य : रंजीत सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। उज्जवला फाउंडेशन की बैठक बुधवार को मोतीराम कॉम्प्लेक्स बोंगावार फोरलेन में हुई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति व संचालन अनिता देवी ने की। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार सिन्हा शामिल रहे। बैठक के दौरान फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने फाउंडेशन के विकास कार्यों को धरातल पर जल्द उतारने की बात कही। वही, गत वर्ष का जमा बचत राशि को सदस्यों के बीच वितरित की गयी। इधर, होली पर्व के मौके पर एक सौ सदस्यों को खाद्य समाग्री भी भेंट किया। इस अवसर पर रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि फाउंडेशन की शुरूआत में काफी सकंट झेलना पड़ता है। जरूरत है हमें संयम बरतने की, तभी भविष्य में फाउंडेशन में बेहतर गति आयेगी। सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने व सशक्तिकरण बढ़ावा में सहायक सिद्ध होगा। इसलिए आप सभी धैर्य के साथ उज्ज्वला फाउंडेशन के साथ जुड़कर रहे। वही, अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि गत 11 वर्षों से फाउंडेशन से जुड़े सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल किया गया। जो जल्द ही सिलाई व कंप्यूटर प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। जिसका जल्द ही विधिवत शुभारंभ रांची विधायक सीपी सिंह करेंगे। बैठक में सुखदेव सोनी, प्रकाश केशरी, शांति देवी, आशा कुमारी, मनसरी देवी, कौशल्या देवी, वीणा कुमारी, प्रीति कुमार, गुड़िया बानो, रिंकु देवी, कुसुम, तमन्ना, छोटन प्रजापति शामिल रहे।

जिले के सभी खेल संघों की बैठक, भगत सिंह के शहादत दिवस पर दौड़ेगा रामगढ़

कार्यक्रम की सफलता को लेकर कमेटी का किया गया गठन

अध्यक्ष राजीव जायसवाल और सचिव सी डी सिंह बने

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिला एथेलेटिक्स एसोसिएशन एवं के रामगढ़ जिला के सभी खेल संघो के संयुक्त तत्वाधान में शहीद भगत सिंह के शहादत दिवस पर दौड़ेगा रामगढ़ तो बढ़ेगा मिनी मैराथन (10 किमी) का आयोजन आगामी 23 मार्च को किया जायेगा। इसे लेकर बुधवार को शहर के थाना चौक स्थित एक होटल के सभागार में रामगढ़ जिला एथेलेटिक्स एसोसिएशन और सभी खेल संघों की बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता रामगढ़ जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक जैन और संचालन कराटे एसोसिएशन के सचिव शशि पांडे ने किया।

बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन समिति का किया गया गठन : बैठक में सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। जिसमें, मुख्य संरक्षक डीसी चंदन कुमार, एसपी अजय कुमार होंगे। जबकि, संरक्षक अशोक जैन, बलजीत सिंह बेदी, सरदार अनमोल सिंह, रविंद्र साहू, अमित साहू, मनमोहन लंबा, विजय मेवाड़, अध्यक्ष राजीव जायसवाल, कार्यकारी अध्यक्ष शशि पांडे, वरीय उपाध्यक्ष परमदीप सिंह कालरा, सचिव सी डी सिंह, सह सचिव गोपाल राम, उप सचिव मनीष पॉल और मुस्तफा आजाद, कोषाध्यक्ष कीर्ति गौरव होंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही दौड़ेगा रामगढ़ तो बढ़ेगा रामगढ़ मिनी मैराथन (10 किमी) का रजिस्ट्रेशन चालू किया जायेगा। जिसके माध्यम से भाग लेने वाले प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जल्द ही वृहत बैठक करके कार्यक्रम की सफलता के लिए रूप रेखा तैयार किया जायेगा।

जंगली हाथी ने 60 वर्षीय वृद्ध को पटककर मार डाला

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के कोईहारा गांव में जंगली हाथियों का आतंक अभी भी जारी है, बुधवार को कोईहारा गांव में गजराज की बड़ी झुण्ड ने एक 60 साल के एक आदिवासी बुजुर्ग वृद्ध को मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पहचान मेघनाथ मुंडा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर रामगढ़ जिप अध्यक्ष सुधा देवी एवं पूर्व जिप सदस्य चितरपुर उत्तरी गोपाल चौधरी घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। उन्होंने वन विभाग को तुरंत इसकी सूचना दी। जिसके बाद वन विभाग के लोग घटना स्थल पहुंचकर मृतक के परिजनों को तत्काल रूप से 25 हजार रुपये का मुआवजा दिया। इधर ग्रामीणों ने इस घटना के पीछे वन विभाग को जिम्मेदार बताया है। गांव के लोगों को कहना है कि वन विभाग की लापरवाही के कारण ही ये सब हुआ। हाथियों का झुंड बहुत दिनों से जंगल में रह रहे हैं, परंतु वन विभाग द्वारा कभी भी भगाने का प्रयास नहीं किया, यह पूरी लापरवाही का कारण है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)/पूर्व मध्य रेल/धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सं. C-710-TKS-2-GCT-25, कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि : टोकीसूद–2–(TKS) स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) का पूरी तरह से रेलवे भूमि पर पैंतीस वर्ष (35 वर्ष) अर्थात 420 महीने की अवधि के लिए विकास। **टोकीसूद स्टेशन पर गति शक्ति मल्टी–मॉडल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के विकास का लगभग लागत :** रू. 44,41,56,224/–, **ब्याने की राशि :** रू. 4,44,15,700/–, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख तथा समय :** ई–निविदा बंद होने की तारीख 26.03.2025 को 15.00 बजे, ई–निविदा खुलने की तारिख 26.03.2025 को 15:30 बजे के बाद। **वेबसाईट, का विवरण: http://www.ireps.gov.in** ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

रेल प्रशासन के पास किसी/समस्त प्रपत्र को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य)
पूर्व मध्य रेल/धनबाद

पीआर/2239/डीएचएन/सीओएमएल./टी/24–25/36

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/चक्रधरपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा उनके नाम पर निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1; निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-साउथ-24-25-52; कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (दक्षिण) /चक्रधरपुर के अधीन सहायक मंडल अभियंता/चाईबासा के अधिकार क्षेत्र में राजखरसावां जंक्शन-डांगोवापोसी के बीच आरबीके-3, 13, 15, 29 और 36 तथा डांगोवापोसी-पाड़ा पहाड़ जंक्शन के बीच आरबीके-47 के मौजूदा लो हाइट सबवे (एलएचएस) के सुधार कार्य, जिसमें विंग वॉल, साइड ड्रेन, सेस मरम्मत, बोल्डर पिचिंग, जल निकासी सुधार कार्य आदि शामिल हैं; **निविदा मूल्य:** ₹ 1,79,09,731.59; **बयाना राशि:** ₹ 2,39,600.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 24.03.2025। **क्रम सं. 2; निविदा सूचना संख्या: सीकेपी-वेस्ट-24-25-50; कार्य का नाम:** (1) एसएसई (पी.वे.)/झारसुगुड़ा के अधिकार क्षेत्र में धारुडिही-धूतरा के बीच डाउन लाइन में 1.417 टीकेएम के लिए ट्रैक नवीनीकरण (टीआरआर-पी); (2) एसएसई (पी.वे.)/झारसुगुड़ा के अधिकार क्षेत्र में धारुडिही-बागडिही के बीच डाउन लाइन में 1.5 टीकेएम के लिए ट्रैक नवीनीकरण (टीआरआर-पी); (3) एसएसई (पी.वे.)/झारसुगुड़ा के अधिकार क्षेत्र में धारुडिही-बागडिही के बीच डाउन लाइन में 1.502 टीकेएम के लिए ट्रैक नवीनीकरण (टीआरआर-पी); (4) एसएसई (पी.वे.)/राजगंगपुर के अधिकार क्षेत्र में एसईजे का नवीनीकरण; (5) सहायक मंडल अभियंता/झारसुगुड़ा के अधिकार क्षेत्र में टर्न आउट हिस्से का बैलास्ट नवीनीकरण; (6) एसएसई (पी. वे.)/झारसुगुड़ा के अंतर्गत विविध पी.वे. फिटिंग का नवीनीकरण; **निविदा मूल्य:** ₹ 1,11,35,782.97; **बयाना राशि:** ₹ 2,05,700.00; **निविदा खुलने की तिथि:** 28.03.2025। **निविदा प्रपत्र की लागत:** 0.00 (दोनों निविदाओं के लिए)। निविदाओं को वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदाकार/बोलीदाताओं के पास कक्षा-III डिजिटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है एवं उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही ई-निविदा प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेने के समय सभी प्रासंगिक दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है। किसी भी स्थिति में इस कार्य के लिए मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी और उसे नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **नोट:** ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदाकारों को निःशुल्क प्रदान किए जाएंगे। (रेलवे बोर्ड का पत्र संख्या: 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी, दिनांक: 16.07.2020)।

(PR-1203)

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 197 date 05.03.2025, I Rumana Tabassum C/o W/o Sayed Reyaz irfan, Resident of Nisant Compound, Bariyatu, Road, Near Government Girls High School. Bariyatu, PO+PS-Bariyatu, District- Ranchi, State - Jharkhand - 834009, do hereby solemnly affirm and declare the statement made here in below are true to the best of my knowledge, information and belief.-

1. That i am citizen of India.
2- That i am living at my above mentioned address.
3. That my Genuine and Correct Name is RUMANA TABASSUM and my genuine and correct date of birth 04/02/1962 which is mentioned in my Aadhar Vide Aadhar No. 4815 3387 4201.
4. That in my HDFC LIFE, POLICY, Policy No.- 17620219 my name is written as TABASSUM IRFAN and my date of birth is written as 1st day of January 1972 which is absolutely. wrong.
5. That RUMANA TABASSUM and TABASSUM IFRAN, is the Same and, and One Person Which is my name.
6. That my statements furnished above are true.

अनिवार्य है यह आजादी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दो अलग-अलग मामलों में जो कहा, वह अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट है।

कविता पर एफआइआर : इनमें से एक मामला कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी से जुड़ा था। उनकी एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआइआर दर्ज की थी। गुजरात हाइकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआइआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है।

अश्लीलता के बरक्स अभिव्यक्ति : रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें।

जहां सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृत्ति बढ़ी है, वहीं शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक मिलती है। इससे नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है।

सेंसरशिप नहीं, मानदंड : सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया। उसका कहना था कि सरकार को इस संबंध में गाइडलाइंस लाने चाहिए, लेकिन ऐसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना जरूरी है कि वे अभिव्यक्ति की आजादी पर गैरजरूरी पाबंदियों का रूप न ले लें।

सबके लिए संदेश : सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है, जब देश में दोनों तरह का विचलन काफी बढ़ा हुआ दिख रहा है। जहां सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृत्ति बढ़ी है, वहीं शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक मिलती है। इससे नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाये।

अभिमत
आजाद सिपाही

समूचा विश्व आश्चर्य से देख रहा है कि किस प्रकार एक सीमित स्थान पर करोड़ों लोग अपनी सनातन संस्कृति के भिन्न-भिन्न रूपों के साथ समागम करते हैं। इतने विशाल समागम को लगातार लगभग 45 दिन संचालित करना प्रशासनिक दृष्टि से भी कोई सरल कार्य नहीं था, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वयं संस्कारित जड़ों से जुड़ाव के कारण ही यह विशाल प्रशासनिक कार्य संभव हो पाया।

जड़ों से जुड़ाव कलियुग की सभी समस्याओं का समाधान

अविनाश राय खन्ना

मेरा देशवासियों से निवेदन है कि संपूर्ण मानव जाति की जड़ें वैदिक यज्ञ संस्कृति से जुड़ी हुई हैं, परंतु जहां-जहां समाज इस वैदिक संस्कृति से कटा हुआ दिखायी देता है, वहां शांति की कल्पना करना व्यर्थ है। सुख, शांति, प्रेम, सद्भाव और समृद्धि के लिए आवश्यक है कि मनुष्य अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को यज्ञ संस्कृति में ढूंढने की कोशिश करे और उनके साथ जुड़े।

13 जनवरी, 2025 से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इस बार के महाकुंभ ने नक्षत्रों की दशा के अनुसार 144 वर्ष बाद भारत की धार्मिक जनता को संगम में स्नान करने के बहाने समूचे भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक परम्पराओं और साधुओं-संतों की तपस्याओं की साक्षात अनुभूति प्राप्त करने का अवसर दिया।

समूचा विश्व आश्चर्य से देख रहा है कि किस प्रकार एक सीमित स्थान पर करोड़ों लोग अपनी सनातन संस्कृति के भिन्न-भिन्न रूपों के साथ समागम करते हैं। इतने विशाल समागम को लगातार लगभग 45 दिन संचालित करना प्रशासनिक दृष्टि से भी कोई सरल कार्य नहीं था, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वयं संस्कारित जड़ों से जुड़ाव के कारण ही यह विशाल प्रशासनिक कार्य संभव हो पाया। हाल ही में मुझे पंडित मदन मोहन मालवीय के जयंती समारोह में उन्हीं के एक शिष्य तपोनिष्ठ श्रीगणेश के द्वारा हरिद्वार में स्थापित सप्त ऋषि आश्रम में जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस आश्रम में मैंने एक प्राचीन वृक्ष के दर्शन किये, जो धरती से लगभग एक फुट ऊपर से गिर चुका है, परन्तु उसके दूसरे छोर पर हरे-हरे पत्तों की कई शाखाएं थीं। इस दृश्य को देख कर मेरे मन में यह निश्चित सिद्धांत स्मरण में आया कि टूटने के बावजूद भी यदि कोई वृक्ष अपनी जड़ से जुड़ा रहता है, तो वह टेढ़ी-मेढ़ी अवस्था में हरा-भरा और फलदार बना रह सकता है।

जड़ों से जुड़ाव ही कलियुग की सारी समस्याओं का समाधान दे सकता है।

परमात्मा के द्वारा मनुष्य की उत्पत्ति से पहले ही सारी सृष्टि का निर्माण कर दिया गया था। इस सृष्टि में एक तरफ जीव-जंतु तथा पक्षी आदि थे, तो दूसरी तरफ अनेकों प्रकार के वृक्ष, वनस्पतियां आदि थीं। इन सभी जीवों और वृक्ष-वनस्पतियों को अलग-अलग प्रकृति के अनुसार निर्धारित नियमों के अंतर्गत उत्पन्न करके पालन-पोषण तक की व्यवस्था की गयी। प्रकृति कहते ही इसी को हैं, जो अपने निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित होती है। सृष्टि की रचना के बाद मानव की उत्पत्ति करके उसे एक स्वतन्त्र बुद्धि दी गयी। मनुष्य का यह कर्तव्य था कि वह स्वयं परमात्मा के साथ जुड़ा रह कर इस प्रकृति का अपने पालन-पोषण के लिए लाभ प्राप्त करता। इस वैदिक दर्शन को ही वैदिक विवेक कहा जाता है कि हम सृष्टि से उतना ही प्राप्त करें, जितने हमारे पालन-पोषण के लिए आवश्यक हो। इससे अधिक संग्रहण का हमारे जीवन में लेश मात्र भी महत्व नहीं है, क्योंकि मृत्यु के समय हमारे द्वारा संग्रहीत किया गया एक कण भी हमारे साथ नहीं जा सकता।

सभी मनुष्यों को यह सिद्धांत आवश्यक रूप से स्मरण रहना चाहिए कि यदि हम अपनी जड़ों के साथ जुड़े रहेंगे तो हमारे जीवन में कष्टों, विवादों और विनाश की संभावना बहुत कम हो जायेगी। सांकेतिक रूप से अग्नि में समिधा और सामग्री के साथ घी की आहुतियां देना यज्ञ कहलाता है। इस प्रक्रिया में भी अक्सर मंत्रों के साथ 'इदम् न मम्' का उच्चारण किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि हवन में चढ़ाये गये पदार्थ मेरे नहीं हैं। यह सभी पदार्थ अग्नि अर्थात भगवान के ऊर्जा रूप से प्राप्त हुए हैं। यहां तक कि हमारा आहार और समूचा जीवन भी भगवान से प्रतिक्षण मिलने वाली ऊर्जा से चलता है। इस जीवन में हमारा अपना तो कुछ भी नहीं है।

वास्तव में हमारा व्यक्तिगत अस्तित्व भी मूलतः भगवान की ही देन है। सामाजिक रूप से यज्ञ का यही अर्थ निकलेगा कि हमें केवल अपने लिए ही नहीं, अपितु दूसरों के लिए भी जीना है। यज्ञ का अर्थ है त्याग, परोपकार, बांट कर खाना, दान की प्रवृत्ति, सबकी सहायता के लिए तत्पर रहना, सबके लाभ और कल्याण के लिए कार्य करना, सब पर दया करना और सबसे प्रेम करना। इस वैदिक संस्कृति को ही संपूर्ण गीता का सिद्धांत माना जाता है, जो हमें प्रेरणा देती है कि हम बिना किसी प्रतिफल और कामना के सबके प्रति समर्पित भाव से सेवा में जीवन बितायें। प्रत्येक कर्म का प्रतिफल तो प्राकृतिक रूप से परमात्मा का ऊर्जा रूप स्वयं ही निर्धारित करता है और प्रत्येक व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार सुख अथवा दुख के रूप में प्राप्त होता है। हमारे गुरुओं का संदेश था- 'नाम जपो, किरत करो, वंड के छको'। अगर आज भी सारा समाज इस संदेश को अपना ले तो हम सब और पूरा देश समृद्धि की तरफ बढ़ने लगेंगे।

सरकारों के संचालन के लिए राजनेताओं की होड़ सारे भ्रष्टाचार की जननी बनती जा रही है। यह भ्रष्टाचार कार्यपालिका और न्यायपालिका को भी अपने दायरे में समेट लेता है। किंतु समाज की इस व्यापक दुर्दशा के बावजूद कुछ गिने-चुने लोग जीवन को यज्ञ की संस्कृति से जोड़ कर यह सिद्ध करने में सफल हो जाते हैं कि वे आज भी वैदिक जड़ों से जुड़े हुए हैं और हमें अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। राजनीतिक दलों, सामाजिक और धार्मिक संस्थानों की जड़ें उनके संस्थापकों के विचारों और सिद्धान्तों में जुड़ी होती हैं, जैसे भाजपा की जड़ें आरएसएस के मिशन में स्थापित हैं, जिनसे आज तक भाजपा लगातार जुड़ कर ही चल रही है। कांग्रेस की जड़ें स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी थीं, परंतु कांग्रेस आज अपनी उन जड़ों को भूल चुकी है।

मेरा देशवासियों से निवेदन है कि संपूर्ण मानव जाति की जड़ें वैदिक यज्ञ संस्कृति से जुड़ी हुई हैं, परंतु जहां-जहां समाज इस वैदिक संस्कृति से कटा हुआ दिखायी देता है, वहां शांति की कल्पना करना व्यर्थ है। सुख, शांति, प्रेम, सद्भाव और समृद्धि के लिए आवश्यक है कि मनुष्य अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों को यज्ञ संस्कृति में ढूंढने की कोशिश करे और उनके साथ जुड़े। जड़ों से जुड़ाव ही कलियुग की सारी समस्याओं का समाधान दे सकता है।

(लेखक : पूर्व सांसद हैं।)

कोल्हान की खबरें

बहरागोड़ा कॉलेज में अंग्रेजी विषय पर पीजी की पढ़ाई शुरू हो : समीर मोहंती

बहरागोड़ा (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा बजट सत्र में विधायक समीर मोहंती ने बहरागोड़ा कॉलेज में अंग्रेजी विषय पर पीजी की पढ़ाई शुरू करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया 50 किमी के दायरे में यह एकमात्र कॉलेज है। जहां स्नातक स्तर पर अंग्रेजी विषय की पढ़ाई होती है। लेकिन पीजी की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा हर साल करीब 100 विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। विधायक ने सरकार से बहरागोड़ा कॉलेज में अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जल्द शुरू करने की मांग की। ताकि स्थानीय विद्यार्थियों को आगे की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो सके।

रंग लायी आरटीआइ कार्यकर्ता सदन ठाकुर की पहल

शहर में अवैध पार्किंग शुल्क वसूली पर प्रशासन की सख्ती

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। शहर के आरटीआई कार्यकर्ता सदन ठाकुर ने बीते दिनों शहर में अवैध पार्किंग शुल्क वसूली और आम नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार करने के मामले में डीसी से शिकायत की थी। जानकारी मिलने पर बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर प्रशासन ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया। पार्किंग वसूली कर्मचारियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अब सभी अधिकृत पार्किंग कर्मियों के लिए ड्रेस और पहचान पत्र (आइ-कार्ड) अनिवार्य कर दिये गये।

हाल ही में अपराधी तत्वों द्वारा अवैध पार्किंग शुल्क वसूली और नागरिकों के साथ मारपीट की घटनाओं की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन घटनाओं में अवैध स्थानों पर पार्किंग बनाकर, बिना नंबर और अधिकारी के हस्ताक्षर वाली रसीदें देकर, नागरिकों से जबरन शुल्क वसूला जा रहा था। शिकायतकताओं ने दूरभाष पर जमशेदपुर अक्षेस और मानगो अक्षेस को सूचित किया। लेकिन उचित कार्रवाई न होने के कारण ये समस्याएं बनी रहीं। जिले में डीसी के डोकेट संख्या-2452 पर 13 फरवरी को दिये गये सूचना के अनुसार इन शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये। विशेष पदाधिकारी, अधिसूचित क्षेत्र समिति, जमशेदपुर और जुगसलाई और उप नगर आयुक्त मानगो जमशेदपुर को आदेशित किया गया। वे सुनिश्चित करें ताकि सभी पार्किंग वसूली कर्मचारी निर्धारित ड्रेस और वैध पहचान पत्र धारण करें। यह कदम सरकार के राजस्व की हानि को रोकने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया। प्रशासन नागरिकों से अपील करता है यदि वे किसी भी अवैध पार्किंग शुल्क वसूली या दुर्व्यवहार की घटना का सामना करते हैं, तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। सभी अधिकृत पार्किंग स्थलों पर कर्मचारियों की पहचान स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होगी। जिससे नागरिक आसानी से वैध और अवैध वसूली के अंतर समझ सके। प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में आवश्यक सभी कदम उठाये जा रहे हैं।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

ब्रह्मानंद नारायणा अस्पताल ने टीइवीएआर प्रक्रिया से वृद्ध महिला की बचायी जान

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। ब्रह्मानंद नारायणा अस्पताल, जमशेदपुर ने एक 56 वर्षीय महिला मरीज पर सफलतापूर्वक दुर्लभ और जीवनरक्षक थोरैसिक एंडोवास्कुलर एओर्टिक रिपेयर (टीइवीएआर) प्रक्रिया को अंजाम दिया। मरीज एक बड़े एओर्टिक एन्यूरिज्म से पीड़ित थी, जो एक संभावित घातक स्थिति है।

मरीज को लंबे समय से खांसी, सांस लेने में कठिनाई और सीने में दर्द की शिकायत थी। जांच के बाद, उन्हें गंभीर हाइपरटेंशन (उच्च रक्तचाप), एनीमिया, हाइपोथायरायडिज्म और अत्यधिक बढ़ी हुई महाधमनी (एओर्टा) की समस्या पायी गयी। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए, उन्हें तुरंत कैथ लैब में स्थानांतरित किया गया, जहां आपातकालीन टीइवीएआर प्रक्रिया की गयी।

टीइवीएआर एक मिनिमली इनवेसिव (कम आक्रामक) प्रक्रिया है, जो ओपन-हार्ट सर्जरी का एक बेहतर विकल्प है। इस प्रक्रिया में एक छोटे ग्रोइन चीरा (ग्रोइन कट) के माध्यम से स्टेंट ग्राफ्ट (फैब्रिक से ढका हुआ धातु का ट्यूब) को महाधमनी में डाला गया। इमेजिंग गाइडेंस की मदद से इसे सही स्थान पर स्थापित किया गया, जिससे कमजोर धमनियों को मजबूती मिली और फटने से रोका गया। प्रक्रिया के दौरान मरीज को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया और उनकी रक्तचाप एवं अन्य जरूरी स्वास्थ्य संकेतक स्थिर हो गए। प्रक्रिया के बाद किए गए इकोकार्डियोग्राफी परीक्षण ने सफल उपचार की पुष्टि की, और उन्हें स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

जमशेदपुर में स्वच्छ जल और स्वच्छता की बदहाली पर भाजपा नेता का प्रहार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड गठन के 25 वर्षों बाद भी जमशेदपुर और उसके शहरी इलाकों विशेष रूप से मानगो, जुगसलाई, बागबेड़ा और परसुडीह में स्वच्छ जल और स्वच्छता की घोर कमी है। बुधवार को गंभीर स्थिति को देखते हुए लेकर भाजपा के प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद ने जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों पर जोरदार हमला बोला।नंदजी प्रसाद ने आरोप लगाया स्वच्छ जल और स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए का घोटाला हो रहा है। पूरे वर्ष लोगों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है। गंदगी के कारण नागरिक विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा सफाई कर्मियों की नियुक्ति

केवल कागजों पर होती है।जितने सफाई कर्मियों की संख्या रोस्टर में दर्ज है। उसका 25% भी जमीन पर काम नहीं करता। इसके बावजूद हर महीने लाखों रुपए का गबन किया जाता है। जिससे पूरे शहर में गंदगी का अंबार लगा रहता है। इसी तरह जल संकट के नाम पर भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। पुराने टैंकरों की मरम्मत कर या नए टैंकरों को भाड़े पर लेकर जल आपूर्ति का दिखावा किया जा रहा है। आने वाले समय में जल संकट बढ़ने पर भ्रष्टाचार का यह खेल और बड़े स्तर पर चलेगा।

केंद्र सरकार की योजनाओं को दिखाया जा रहा ठेंगा

भाजपा नेता ने आरोप लगाया केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता मिशन और ₹हर घर स्वच्छ जल₹ योजना को स्थानीय प्रशासन ठेंगा दिखा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को जमशेदपुर प्रशासन चकनाचूर कर रहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जन आंदोलन की चेतावनी

नंदजी प्रसाद ने स्पष्ट किया भाजपा भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा कार्यकर्ता जनता के साथ मिलकर प्रशासन की पोल खोलेंगे और स्थायी समाधान के लिए जन आंदोलन छेड़ेंगे। उन्होंने जनता से आह्वान किया वे इस लड़ाई में भाजपा का साथ दें। स्वच्छ जल व स्वच्छता के अधिकार की मांग करें।

तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर विकसित होगा दलमा शिव मंदिर : मंगल कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड विधानसभा बजट सत्र में जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने दलमा पहाड़ स्थित प्राचीन 'दलमा बाबा' शिवमंदिर को तिरुपति बालाजी मंदिर के तर्ज पर विकसित करने की मांग सरकार के समक्ष रखी। विधायक ने बताया प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन और पूजन के लिए आते हैं। विशेषकर महाशिवरात्रि और श्रावण के महीनों में यहां अत्यधिक भीड़ होती है। मंदिर तक पहुंचने के लिए केवल एक ही सड़क है। जिसकी स्थिति काफी खराब है।साथ ही श्रद्धालुओं और पर्यटकों के ठहरने की समुचित व्यवस्था नहीं होने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। श्री कालिंदी ने सुझाव देते हुए कहा यदि दलमा पहाड़ को तिरुपति बालाजी मंदिर के तर्ज पर विकसित किया जाये, तो इससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही पर्यटन के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगा। विधायक मंगल कालिंदी ने सरकार से आग्रह किया दलमा शिवमंदिर को तिरुपति बालाजी मंदिर की तरह विकसित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। ताकि क्षेत्र का समग्र विकास हो सके और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

डीएमओ की बालू माफियाओं पर कार्रवाई

सरायकेला (आजाद सिपाही)। जिले में अवैध बालू खनन, परिवहन और भंडारण थमने का नाम नहीं ले रहा। ईचागढ़ थाना क्षेत्र में बालू माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो गए की अब वे दिनदहाड़े नदियों से अवैध खनन कर रहे हैं। इस बीच जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति ने अवैध खनन पर नकेल कसने के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दी। बुधवार को जिला खनन पदाधिकारी ने ईचागढ़ थाना क्षेत्र के छोटचुनचुनरिया में औचक छापेमारी की। इस दौरान अवैध बालू का परिवहन कर रहे चार ट्रैक्टर जब्त किये गये। उन्हें ईचागढ़ थाना को सौंपकर अग्रेतर कार्रवाई के निर्देश दिये। जिला खनन विभाग द्वारा अब तक हजारों सीएफटी अवैध बालू जब्त किया जा चुका है। हाल ही में 17,500 सीएफटी बालू के अवैध भंडारण को जब्त किया गया था।

क्रॉस ने वीबीडीए को गाड़ी दी

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। इंडस्ट्रियल एरिया स्थित क्रॉस लिमिटेड कंपनी ने सीएसआर के तहत वॉलंट्रीज ब्लड डोनर्स एसोसिएशन को 11.25 लाख मूल्य की बोलेरो गाड़ी प्रदान की। कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गाड़ी की पूजा-अर्चना के बाद चाबी और संबंधित दस्तावेज वीबीडीए के प्रतिनिधियों को सौंप दिये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक क्रॉस लिमिटेड अनीता राय, निदेशक कुणाल राय, वीबीडीए प्रतिनिधि में संस्थापक सुनील मुखर्जी, सचिव कमल घोष,सदस्य प्रदीप घोषाल शामिल रहे। निदेशक कुणाल राय ने कहा हमारी कंपनी सामाजिक कल्याण के प्रति समर्पित और जागरूक है। हमें विश्वास है इस गाड़ी के माध्यम से वीबीडीए अपने महत्वपूर्ण कार्यों को और अधिक गति प्रदान कर सकेगा। इस अवसर पर सुरेशबाबू, रमाकांत गिरी, बिनोद आर्या, धीरेन्द्र जेना, पवन मैहर, देबोलिना कर्मकार, आकांक्षा, स्वीटी, पदमा, राजेश प्रधान,पियूष कुमार, सत्या किशोर शामिल रहे।

विधायक सत्येंद्र तिवारी ने जल जीवन मिशन में हुए भ्रष्टाचार का मामला उठाया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के विधायक और झारखंड विधानसभा के सामान्य प्रयोजन समिति के सभापति सत्येंद्र नाथ तिवारी ने बुधवार को झारखंड विधानसभा में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' में कथित तौर पर हुए भारी भ्रष्टाचार का मामला उठाते हुए झारखंड सरकार पर कड़ा प्रहार किया।

गढ़वा विधायक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने झारखंड के सभी घरों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये झारखंड को दिया लेकिन झारखंड की महागठबंधन की सरकार ने उस पैसे का जमकर लूट खसोट किया, जिसकी वजह से आज झारखंड के करोड़ों लोग शुद्ध पेयजल से वंचित रह गये।

श्री तिवारी ने कहा कि पेयजल विभाग ने जल जीवन मिशन के तहत केंद्र से मिले पैसे का बंदरबांट करने के लिए गलत कागजात पर संवेदको को कार्य दिया। संवेदक को लाभ पहुंचाने हेतु कार्य आवंटित करने के बाद बीच में पुराने नियम को बदलकर नया नियम बना दिया गया, जिसकी वजह से योजना धरातल पर नहीं उतर पायी। कई जगहों पर तो संवेदक के द्वारा घरों में नल तो लगा दिया लेकिन उसमें पानी देने के लिए बोरिंग की व्यवस्था नहीं की गयी। कुछ जगहों पर सिर्फ बोरिंग करके छोड़ दिया गया लेकिन नल नहीं लगाया गया। कहीं-कहीं स्टील स्ट्रक्चर खड़ा करके बाकी का कार्य अधूरा छोड़ दिया गया, जिसकी वजह से झारखंड में योजना अभी तक अधूरी है। सत्येंद्र तिवारी ने कहा कि झारखंड की महागठबंधन की सरकार केंद्र सरकार के द्वारा मिले हजारों करोड़ रुपये का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी ससमय केंद्र सरकार को नहीं दे पा रही है। जिससे साफ प्रतीत होता है कि जल जीवन मिशन योजना में झारखंड सरकार ने बहुत बड़ा घोटाला किया है। इस घोटाले में सरकार में शामिल लोग और वरिष्ठ प्रशासनिक पदाधिकारी भी शामिल है। इन संवेदनहीन लोगों की वजह से आज झारखंड के लाखों घरों तक शुद्ध पेयजल नहीं पहुंच पा रहा है।

मेराल के गोदाम से एक करोड़ का खाद्यान्न गायब, सहायक प्रभारी के खिलाफ एफआइआर

डीसी के निर्देश पर सीओ सह प्रभारी एमओ ने 2765.84.862 क्विंटल खाद्यान्न (चावल, गेहूं) गोदाम में कम होने पर दर्ज करायी प्राथमिकी

प्राथमिकी दर्ज होने पर थाना पुलिस हुई रेस, पीओ और गवाह का नाम दर्ज कर शुरू की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। गढ़वा डीसी शेखर जमुआर के निर्देश पर सीओ सह प्रभारी एमओ यशवंत नायक ने मेराल के सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक दीपक चंचल पर 2765.84.862 क्विंटल खाद्यान्न (चावल, गेहूं) का गबन करने के आरोप में मेराल थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। उक्त खाद्यान्न का सरकारी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये से अधिक बतायी जा रही है। सीओ द्वारा प्राथमिकी के लिए थाना में दिये गये आवेदन पत्र में कहा गया है कि 4 मार्च को उपायुक्त द्वारा सूचित किया गया कि जिला आपूर्ति पदाधिकारी गढ़वा के द्वारा 21 मार्च को मेराल गोदाम की जांच की गयी। जांच के क्रम में लगभग 2765.84.862 क्वीं० कम खाद्यान्न (चावल गेहूं) गोदाम में पाया गया। उक्त के आलोक में प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक से स्पष्टीकरण की गई। प्राप्त स्पष्टीकरण स्वीकार्य नहीं है। प्रथमदृष्ट्या प्रतीत होता है कि उपरोक्त खाद्यान्न गबन (कालाबाजारी) की गयी है। इसके जिम्मेवार दिपक चंचल, जनसेवक सह प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधक मेराल के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए कृत कार्रवाई की प्रति उपलब्ध करायी जाये। सीओ के आवेदन पर मेराल थाना में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के बाद थाना पुलिस गबन के इस बड़े केश में रेस हो गयी है। थाना प्रभारी विष्णु कांत एवं केश के अनुसंधान कर्ता पुलिस अवर निरीक्षक चेतन कुमार सिंह गोदाम पर पहुंचकर पीओ तथा गवाह का नाम दर्ज करने के बाद जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

गढ़वा विधायक के सवाल पर हुई कार्रवाई

जानकारी के अनुसार गोदाम में खाद्यान्न कम होने का मामला चार माह पूर्व तब उजागर हुई थी जब गोदाम का प्रभार दूसरे जन सेवक को दी गयी। प्रभार का अदला बदली होने पर खाद्यान्न का मिलान किया गया तो करीब 23000 क्विंटल खाद्यान्न कम होने की लिखित जानकारी सीओ सह प्रभारी एमओ को दी गयी। जानकारी मिलते ही उन्होंने उक्त प्रतिवेदन को डीसी गढ़वा को अग्रसारित कर दी गयी। तब दीपक चंचल द्वारा हिसाब में गड़बड़ी होने का हवाला दिया गया। इसी तरह दो माह बीत जाने के बाद पुन: सहायक गोदाम प्रबंधक का प्रभार दीपक चंचल को दे दिया गया ताकि हिसाब किताब का ठीक से मिलन हो सके। दोबारा प्रभार मिलने के तीन माह बीत जाने के बाद डीएसओ द्वारा की गयी भंडारण पंजी तथा गोदाम में पड़े खाद्यान्न का मिलान करने पर 2765.84.862 क्वीं० कम खाद्यान्न (चावल गेहूं) पाया गया। इसकी जानकारी मिलने पर विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी द्वारा विधानसभा में किए गए सवाल पर कार्रवाई करते हुए गढ़वा डीसी द्वारा सीओ को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

भवनाथपुर जिप सदस्य ने मंत्री से मिल कर क्षेत्र में जन कल्याणकारी योजनाओं को पूरा कराने की मांग की

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा नें राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपिका पांडे सिंह को 16 सूत्री मांग पत्र सौपी है। उन्होंने मंत्री से सभी मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए करने की मांग की है। सौंपे गये के मांग पत्र में भवनाथपुर मार्केट में मार्केट कंप्लेक्स निर्माण कराकर रोजगार उपलब्ध कराया जाय, रोहिनियां में प्राथमिक स्वास्थ्य भवन का निर्माण कराया जाय, रोहिनियां में डॉ भिम राव अंबेदकर खेल मैदान में विवाह मंडप एवं सामुदायिक भवन निर्माण कराया जाय, बरवारी में विवाह मंडप और सामुदायिक भवन निर्माण, चपरी में विवाह मंडप निर्माण, अधौरा में माड़र महारानी के परिसर में विवाह मंडप आदि निर्माण कराये जाने की मांग शामिल है।

समाजसेवी मजिद राय का निधन

मजिद राय (फाइल फोटो)

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल प्रखंड मुख्यालय के थाना मोड़ निवासी समाजसेवी मजिद राय का निधन बुधवार को रांची के वेदांता अस्पताल में ईलाज के दौरान हो गयी। मजिद राय पिछले कई सालों से बीमार चल रहे थे। जौहरी के नमाज के बाद उन्हें रंका कर्बला में मिट्टी दिया जायेगा। उनके निधन पर रंका सदर शोएब खलीफा, समिनुद्दीन खलीफा, हाजी हुसैन अंसारी, श्याम सुंदर प्रसाद, विजय कुमार चंद्रवंशी, धर्मेंद्र पाठक, महेंद्र साव शौंडिक सहित झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

सात दिवसीय कार्यक्रम कलश यात्रा के साथ प्रारंभ

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। पलामू प्रमंडल में एकलौता विशुनपुरा प्रखंड के पोखरा चौक स्थित प्रसिद्ध शेषशैया भगवान श्री विष्णु मंदिर के 19वां वार्षिकोत्सव का सात दिवसीय कार्यक्रम बुधवार को कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हो गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राज राजेंद्र प्रताप देव (बड़े राजा) ने पूजा अर्चना और फीता काटकर सोभायात्रा के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस मौके पर विष्णु मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष नारायण शर्मा, सचिव गौरीशंकर गुप्ता, कोषाध्यक्ष ज्वाला प्रसाद गुप्ता, उपकोषाध्यक्ष ललन प्रसाद गुप्ता, उपसचिव प्रभु राम सहित कमिटी के सभी सदस्य एवं बड़ी संख्या में हजारो श्रद्धालु साामिल थे।

सगमा प्रखंड में झामुमो की पंचायत स्तरीय कमिटी का गठन

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड में झामुमो का पंचायत स्तरीय कमिटी का गठन संपन्न। उक्त कमिटी का गठन सगमा प्रखंड चुनाव प्रवेक्षक सुदेश्वर राम के देख रही में सर्वसमित के माध्यम से प्रखंड के सभी पांचों पंचायत के लिए अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष के साथ अन्य पदों पर चयन किया गया। जिसमें कटहर कला पंचायत में अध्यक्ष के रूप में मांडू बैठा सचिव राकेश पांडेय कोषाध्यक्ष कामेश्वर राम को बनाया गया, जबकि सगमा पंचायत के लिए अध्यक्ष राजेश कुमार यादव सचिव के रूप में रमन भुइयां तथा कोषाध्यक्ष के लिए उमाशंकर पासवान का नाम शामिल है। इसी प्रकार सोनडिहा पंचायत में अध्यक्ष विजय यादव सचिव अजय राम कोषाध्यक्ष के लिए श्रीकांत यादव का नाम शामिल है।

गढ़वा जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न, भृगु नाथ बने अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न हो गया, जिसमें भृगु नाथ चौबे अध्यक्ष और मृत्युंजय कुमार तिवारी महासचिव निर्वाचित हुए। अध्यक्ष पद पर भृगु नाथ चौबे ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी गौतम कृष्ण सिंह को 8 मतों से पराजित किया। उन्हें 144 मत मिले, जबकि गौतम कृष्ण सिंह को 136 मत प्राप्त हुए।

उपाध्यक्ष पद के लिए 6 प्रत्याशी मैदान में थे, जिसमें सच्चिदानंद शुक्ला ने 81 मत पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी जितेंद्र तिवारी (77 मत) को 4 मतों से हराया। अन्य प्रत्याशियों में अशोक कुमार को 39, दीपक कुमार को 8, देवेंद्र प्रजापति को 42 और धीरेंद्र कुमार चौबे को 27 मत मिले।

महासचिव पद पर मृत्युंजय तिवारी ने 123 मत प्राप्त कर बड़ी जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी परेश कुमार तिवारी (100 मत) को 23 मतों से हराया। महासचिव पद के अन्य प्रत्याशी जितेंद्र कुमार को 57 और शशि मनी पांडे को 1 मत मिला।

कोषाध्यक्ष पद पर गरीबुल्लाह अंसारी ने 141 मत पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने अवध किशोर चौबे (137 मत) को 4 मतों से हराया। सहायक पद पर रवि शंकर प्रसाद ने 1 मत से जीत दर्ज की।

संयुक्त सचिव-1 पद पर ओम प्रकाश चौबे विजयी रहे, जिन्होंने 142 मत प्राप्त कर देवदत्त चौबे (109 मत) को 33 मतों से हराया। संयुक्त सचिव-2 पद पर प्रवीण कुमार पांडे ने 108 मत प्राप्त कर सोमनाथ विश्वकर्मा (104 मत) को 4 मतों से हराया।

कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए अमरेंद्र कुमार (167 मत), राजीव कुमार पांडे (192 मत), कृष्ण कुमार मेहता (156 मत), सत्यनारायण कुमार सिन्हा (183 मत) और परमानंद कच्छप (132 मत) निर्वाचित हुए। मतगणना के बाद सफल प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। चुनाव पदाधिकारी सतीश मिश्रा ने सभी विजयी प्रत्याशियों को बधाई देते हुए संघ को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने बड़गढ़ प्रखंड का किया दौरा

नक्सल मुक्त बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के टेहरी समेत अन्य पंचायतों के विकास कार्यों का लिया जायजा

उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं भी सुनी और समाधान का दिया भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिले के अति सुदूरवर्ती नक्सल मुक्त बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र में चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यों के संचालन से अवगत होने एवं क्षेत्र के आम जनमानस की समस्याओं का समुचित समाधान के उद्देश्य से आज उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर और पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे ने संयुक्त रूप से बरगढ़ प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र बूढ़ा पहाड़ के टेहरी पंचायत का दौरा किया। इस दौरान बूढा पहाड़ विकास परियोजना को लेकर बरगढ़ प्रखंड अंतर्गत बूढ़ा पहाड़ क्षेत्र के टेहरी पंचायत समेत अन्य के विकास कार्यों की उपायुक्त शेखर जमुआर ने समीक्षा किया। क्षेत्र के लोगों की समस्या सुनी एवं सरकार द्वारा संचालित सभी विकास योजनाओं से ग्रामीणों को आच्छादित करने की बात कही। उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा उक्त क्षेत्रों के योग्य लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं यथा- मनरेगा, आवास, सर्वजन पेंशन, केसीसी, वन अधिकार पट्टा, बाल विकास, शिक्षा, स्किम कम्पलीसन, स्वास्थ्य, पोषण व आधार सीडिंग, पेयजल, विद्युत समेत अन्य योजनाओं से शत प्रतिशत आच्छादित करने की बात कही गयी। पुलिस अधीक्षक श्री पांडे ने कहा कि बूढ़ा पहाड़ पूर्व में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आता था, जिसे जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा सीआरपीएफ बलों द्वारा अब पूर्णतः नक्सलमुक्त कराकर भयमुक्त वातावरण की मिसाल दी गयी है। उन्होंने आमजनों समेत वहां पर रह रहे सुरक्षा बलों (सीआरपीएफ बटालियन) की समस्याओं से भी अवगत होने का कार्य किया।

आदिवासी महासभा ने सरकार से वन अधिकार कानून में सुधार लाने की मांग की

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आदिवासी महासभा एवं सामुदायिक वन प्रबंधन संघ द्वारा विगत आठ दिनों से जारी पदयात्रा बुधवार को गढ़वा पहुंचा। पदयात्रा में शामिल लोगों ने डीएफओ एवं एसडीओ को मांगपत्र सौंपा। इसके पश्चात पैदल चलते हुए समाहरणालय पहुंचे तथा अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकारों के वन अधिकार कानून के प्रति नकारात्मक रवैया का विरोध किया तथा इसमें सुधार लाने की मांग की। मालूम हो कि आदिवासी महासभा एवं सामुदायिक वन प्रबंधन संघ से जुड़े लोगों ने इस मुद्दे को लेकर बड़गड़ से पदयात्रा शुरू की थी। इसमें बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग शामिल हुए। इस पदयात्रा का नेतृत्व सामुदायिक वन प्रबंधन संघ संयोजक मानिक चंद कोरवा ने किया। जबकि अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के केंद्रीय सचिव फिलिप कुजूर भी इसमें शामिल हुए। पदयात्रा में मुख्य रूप से सुनील मिंज, जेम्स रेजंज, चैतू सिंह खरवार, कविता सिंह खरवार, मनरखन सिंह समेत बड़ी संख्या में महिला पुरूष और युवा शामिल हुए।

सर्वेश्वरी समूह का शिवलिंग और चरण पादुका स्थापना दिवस संपन्न

श्री बंशीधर नगर। श्री सर्वेश्वरी समूह नगर ऊंटारी में शिवलिंग एवं चरण पादुका स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ बुधवार सुबह 9 बजे समूह के सदस्यों के द्वारा सामूहिक सफल योनि का पाठ के साथ सम्पन्न हुआ। इसके पूर्व मंगलवार को पूज्य गुरुपद बाबा संभव राम जी ने समाधि स्थल पर विधिवत पूजा अर्चना कर 24 घंटे का अखंड कीर्तन का शुभारंभ किया। स्थापना दिवस के अवसर पर समूह सदस्यों के द्वारा दोपहर में सामूहिक भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद प्राप्त किया। श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा नगर ऊंटारी ने शिवलिंग एवं चरण पादुका स्थापना दिवस के अवसर पर शाखा नगर ऊंटारी में 500 वृद्ध, असहाय ,विकलांग, महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया। साड़ी वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा के उपाध्यक्ष हेमंत प्रताप देव ने बाबा अघोरेश्वर महाप्रभु के चित्र पर विधिवत पूजा अर्चना कर किया। मौके पर प्रधान कार्यालय से आये हुए कौशल, टप्पू, शशि, आलोक, उपेंद्र नाथ शहदेव, शाखा के मंत्री आनंद जायसवाल, शारदा महेश प्रताप देव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पोषक क्षेत्र से बाहर आंगनबाड़ी निर्माण का विरोध, ग्रामीणों ने निर्माण स्थल बदलने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड के रारो गांव के उत्तर टोला के आंगनबाड़ी केंद्र पोषक क्षेत्र से बाहर व अनुपयोगी जगह पर बनाने का मामला प्रकाश में आया है। जिसको लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए ग्रामीणों की मांग अनुरूप सर्वाधिक उपयुक्त स्थल पर आंगनबाड़ी केंद्र बनाने की मांग की है। ग्रामीण नसीम अंसारी, शमीम अहमद, रमेश राम, कमलेश राम, रमेश प्रजापति, विजय राम, असजद राजा सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि रारो उत्तर टोला के आंगनबाड़ी केंद्र पोषक क्षेत्र से हटकर लगभग 2 से 2.5 किलोमीटर दूर कपरफूटा टोला डंडई के सीवान पर आंगनबाड़ी केंद्र का भवन निर्माण कराया जा रहा है। जो पोषक क्षेत्र से बहुत दूर है। जिससे पोषक क्षेत्र के लाभार्थी बच्चे, गर्भवती व धात्री महिलाए को आंगनबाड़ी केंद्र दूर होने के कारण वंचित होना पड़ेगा। बच्चों को आने जाने में काफी फजीहत झेलनी पड़ेगी। उसके आस पास खेत, तालाब व झाड़ियों का अंबार है। बरसात और गर्मी के मौसम में छोटे बच्चों को वहां आना जाना दुखदायी और खतरा भरा होगा। साथ ही ग्रामीणों ने बताया कि 2-3 वर्ष पहले भी अपने पोषक क्षेत्र के बीच में आंगनबाड़ी केंद्र का भवन निर्माण कराया गया था। और लेबल तक करके अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों की मांग है की अभी बन रहे भवन के काम को रोकते हुए अधूरा पड़ा भवन के पास सी भवन का निर्माण कराया जाये या पोषक क्षेत्र में ही नये भवन का निर्माण कराया जाये। जिससे पोषक क्षेत्र के लाभार्थी लाभांवित होंगे। मुखिया प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार ठाकुर ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर निरीक्षण करने किया था। गांव से लगभग 2 से 2.5 किलोमीटर पोषक क्षेत्र से दूर भवन का निर्माण कराया जा रहा है जो बिलकुल गलत है। ऐसे में लाभार्थी बच्चे, गर्भवती व धात्री महिलाए को वहां तक पहुंचने में काफी परेशानी होगी। इसको लेकर विभाग से शिकायत भी की गयी है। इधर मामले में पूछे जाने पर पर्यवेक्षिका मीना देवी ने बताया की ग्रामीणों की शिकायत मिली है जांच कर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

टेंपो पलटने से छह बच्चे समेत कुल सात घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मकरी बड़का अहरा के समीप एक टेंपू पलटने से छः स्कूली छात्र और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल छात्रों में दीपांजल कुमारी, काजल कुमारी, आंचल कुमारी, पियूष विश्वकर्मा, अंशु गुप्ता व लक्ष्मी कुमारी शामिल हैं, जो सभी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर भवनाथपुर के छात्र हैं। इसके अलावा एक अन्य युवक अवधेश बैठा भी घायल हुआ है। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। घटना की जानकारी देते हुए छात्रों ने बताया कि टेंपू चालक के मोबाइल फोन पर बात करते समय चालक ने अपनी गाड़ी पर ध्यान नहीं दिया। इसके कारण टेंपू सड़क से नीचे उतरते हुए पलट गया। हादसे के बाद चालक घटना स्थल से फरार हो गया। घायलों को तत्काल मकरी मुखिया पति सह समाजसेवी धनंजय साह ने भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सा नीतेश भारती और एस के सिंह द्वारा घायलों का इलाज किया गया। घायलों की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद आराम की सलाह दी। घटनास्थल की सुचना मिलने पर थाना के एस आई नारायण प्रसाद एवं दिनेश सिंह अस्पताल पहुंच कर जानकारी ली, वही पुलिस नें टेंपो को जब्त कर थाना ले आयी।

'कॉफी विद एसडीएम' परिचर्चा में क्षेत्र के 71 दिव्यांगजनों ने लिया भाग

दिव्यांगों ने खुलकर रखी समस्याएं, एसडीएम ने हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

'कॉफी विद एसडीएम' में कॉफी के साथ-साथ हमें अपनापन और प्यार भी मिला : दिव्यांगजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत अपने साप्ताहिक कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में गढ़वा अनुमंडल अंतर्गत विभिन्न प्रखंडों के दिव्यांगजनों को आज अपने यहां कॉफी पर आमंत्रित किया था। उनके इस आमंत्रण पर गढ़वा अनुमंडल क्षेत्र के अलावा कई आसपास के क्षेत्रों के तमाम दिव्यांग भाई बहन शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख आमंत्रित अतिथि के रूप में अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी भी मौजूद थे। अधिकारियों ने आमंत्रित सदस्यों से संवाद कर उनसे जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं संबंधी विस्तृत जानकारी दी।

संजय कुमार ने आमंत्रित सदस्यों की पारिवारिक पृष्ठभूमि के अलावा रोजमर्रा की जरूरतों और समस्याओं के बारे में भी पूछा, साथ ही उनसे पूछा गया कि वे दिव्यांग कल्याण की दिशा में प्रशासन से क्या अपेक्षाएं रखते हैं। बहुत ही मैत्रीपूर्ण माहौल में सभी की समस्यायें एक एक कर सुनने के उपरांत एसडीएम ने उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

आमंत्रित सदस्यों की कई निजी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए एसडीएम संजय कुमार ने जिले और प्रखंड के संबंधित पदाधिकारियों से बात कर कुछ समस्यायों का तो मौके पर ही निदान करवा दिया, जबकि शेष समस्याओं को अपने यहां दर्ज करते हुए दिव्यांग सदस्यों को आश्वस्त किया कि वे स्वयं पहल करते हुए उनकी समस्याओं के यथाशीघ्र निस्तारण का प्रयास करेंगे। इस दौरान दिव्यांग जनों ने कई रचनात्मक सुझाव भी दिये। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर संतोष मिश्रा व दिनेश उरांव मौजूद थे जिन्होंने दिव्यांगों के लिए रेलवे में रियायती टिकट, दिव्यांगता प्रमाणन बोर्ड, सर्टिफिकेट प्रक्रिया, आई कार्ड आदि को लेकर विस्तार से बताया तथा मौजूद सदस्यों की शंकाओं का समाधान किया। समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिमा कुमारी मौजूद रहीं जिन्होंने दिव्यांगजनों को मिलने वाले विशेष सहायता यंत्रों जैसे व्हीलचेयर, हियरिंग एड आदि के बारे में जानकारी दी। सामाजिक सुरक्षा कार्यालय के शुग लाल ने पेंशन संबंधी प्रश्नों का उत्तर दिया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

राँची समाहरणालय, राँची
(जिला भू-अर्जन शाखा)

आम सूचना

अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ तक भाया पुन्दाग पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना अन्तर्गत मौजा-अरगोड़ा, पुन्दाग एवं गुटूवा में अधिग्रहित भूमि के विरूद्ध मुआवजा भुगतान हेतु विहित प्रपत्र में जिन हितबद्ध रैयतों द्वारा आवेदन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अबतक समर्पित नहीं किया गया है, वैसे हितबद्ध रैयतों को अंतिम अवसर के रूप में सूचित किया जाता है कि दिनांक-11.03.2025 तक मुआवजा हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन राजस्व कागजातों के साथ समर्पित करें, अन्यथा मुआवजा राशि व्यवहार न्यायालय, राँची में जमा कर दी जाएगी, जिसकी सारी जवाबदेही संबंधित हितबद्ध रैयतों की होगी।

जिला भू-अर्जन पदाधिकारी,
राँची

PR 347816 Land Reforms(24-25).D

लोहरदगा में शिवप्रसाद साहू मेमोरियल इंटर स्टेट टी 20 टूर्नामेंट का उद्घाटन

खिलाड़ियों की नर्सरी है लोहरदगा स्टेडियम : शत्रुघ्न सिन्हा

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। जिले के बीएस कॉलेज स्टेडियम में बुधवार को स्व शिवप्रसाद साहू मेमोरियल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट पूरी तरह आइपीएल की तर्ज पर आयोजित किया गया। जहां खिलाड़ियों के चौकों-छक्कों पर चेयरलीडर्स ने ठुमके लगाकर माहौल में जोश व उत्साह भर दिया। आयोजन में खिलाड़ियों, दर्शकों और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा स्टेडियम उत्साह से भर गया।

बुधवार शाम करीब 4 बजे टूर्नामेंट के प्रतिभागी टीम के खिलाड़ियों से सिने स्टार सह सांसद शत्रुघ्न सिन्हा और झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश मिलकर परिचय लिया और गर्मजोशी से उनका उत्साह बढ़ाया। उद्घाटन मैच दिल्ली बनाम हरियाणा के टीम के बीच खेली गयी। जिसमें दिल्ली के टीम विजय रही। दूसरे प्रतियोगिता में झारखंड बनाम बिहार की टीम ने खेला जिसमें झारखंड के टीम विजय रही। इस पर्व मैदान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने दोनों टीम के कप्तान के बीच सिक्का उछलकर टॉस किया। उनके साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बालमुचू, पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सिने स्टार शत्रुघ्न सिन्हा को देखने के लिए लोगों की जबरदस्त भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने हाथ जोड़कर दर्शकों का अभिवादन किया। युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने वाला भाषण दिया।

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि लोहरदगा की धरती सिर्फ खेल का मैदान नहीं, बल्कि भविष्य के खिलाड़ियों की नर्सरी है। यहां के युवा खिलाड़ियों में जबरदस्त प्रतिभा और ऊर्जा है, जिसे सही मार्गदर्शन और संसाधन मिले तो

यह स्टेडियम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार कर सकता है। उन्होंने आयोजन समिति और स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू परिवार को इस शानदार टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देते हुए युवाओं से मेहनत और अनुशासन के साथ अपने सपनों को पूरा करने की अपील की। अंत में उन्होंने अपने मशहूर अंदाज में कहा कि अगर कोई तुम्हारे सपनों के बीच आये, तो उससे बस एक ही बात कहना खामोश। उनकी इस बात पर पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। टूर्नामेंट के पहले दिन दिल्ली और हरियाणा के बीच पहला मुकाबला खेला गया। जबकि दूसरा मैच झारखंड और बिहार के बीच हुआ। दोनों ही मैच रोमांचक रहे और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हुआ। पूरे टूर्नामेंट का आयोजन भव्य तरीके से किया जा रहा है, जिसमें आठ मार्च तक कई और रोमांचक मुकाबले खेले जायेंगे। झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि, इस तरह के भव्य आयोजनों से युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

इस टूर्नामेंट से न केवल क्रिकेट के प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी, बल्कि झारखंड और अन्य राज्यों के युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। आने वाले दिनों में इस टूर्नामेंट में और भी बड़े मुकाबले देखने को मिलेंगे, जिससे खेल प्रेमियों की दिलचस्पी और बढ़ेगी। यह ऐतिहासिक आयोजन क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार टूर्नामेंट बनकर उभरेगा। इस मौके पर एसपी हारिस बिन जमा, डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आयोजन समिति के हर्षित साहू, दुर्गेश साहू, आलोक राय, भास्कर दास गुप्ता, हाजी जबरुल अंसारी, कांग्रेस के डॉअजय नाथ शाहदेव, निशिथ जायसवाल, हाजी अफसर कुरैशी, उदय गुप्ता संदीप गुप्ता, संजय बर्मन समेत बड़ी संख्या में खेल खिलाड़ी और खेल प्रेमी दर्शक मौजूद थे।

समापन में हरभजन सिंह और सुरेश रैना की टीम के बीच होगा मुकाबला

स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू मेमोरियल टी20 टूर्नामेंट के पहले दिन 5 मार्च को हरियाणा बनाम न्यू दिल्ली की टीम एवं जेएससीए बनाम बिहार की टीम के बीच टूर्नामेंट हुआ जबकि 6 मार्च को मुंबई बनाम उड़ीसा एवं लोहरदगा बनाम कोलकाता की टीम के बीच मुकाबला होगा 8 मार्च को समापन के दौरान भारतीय टीम के खिलाड़ी रहे सुरेश रैना बनाम हरभजन सिंह के टीम के बीच टी20 का रोचक मुकाबला होगा।

लोकहित अधिकार पार्टी की बैठक

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार लोकहित अधिकार पार्टी (एलएपी) लातेहार जिला के प्रमुख कार्यकर्ताओं की एक बैठक जिला संयोजक बलराम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष राजु रंजन प्रसाद, प्रधान महासचिव कुंज बिहारी साव और प्रदेश महासचिव अशोक प्रसाद के मार्ग दर्शन में संगठन विस्तार को लेकर चर्चा की गयी। प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू ने कहा कि प्रदेश उपाध्यक्ष राजू रंजन प्रसाद के सहमति से जिला संयोजक बलराम प्रसाद साहू एक सप्ताह के भीतर जिला संयोजक मंडली का विस्तार करते हुए घोषणा करेंगे। जिला संयोजक मंडली के सदस्यगण अलग-अलग प्रखंड के प्रभारी भी होंगे, तभी प्रखंड स्तरीय संगठन का भी विस्तार संभव हो सकेगा। बैठक में धर्मेंद्र साह, शम्भु प्रसाद, कमलेश कुमार, महेश प्रसाद, राजेन्द्र प्रसाद, जनार्दन कुमार, निर्मला देवी, संतोष गुप्ता, नरेश प्रसाद, मथुरा प्रसाद, प्रमोद साव, संजय प्रसाद, मोतीलाल प्रसाद, शत्रुध्न प्रसाद, राजेश प्रसाद, विजय शंकर, प्रकाश मोहन अग्रवाल, सतीश साहू, रंजीत कुमार, कन्हाई प्रसाद, गोपाल प्रसाद व अरविंद साहू आदि मौजूद थे।

बरवाडीह में चला वाहन जांच अभियान

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड के मुख्य सड़क थाना चौक के समीप व बाजार में बुधवार को जिला से आये हुए मोटर यान निरीक्षक (एमवीआइ) सुनील राम एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार के नेतृत्व में वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें एक दर्जन से अधिक मोटरसाइकिल वाहन चालकों से बिना हेलमेट के मोटर साइकिल चलने पर एक 1000 का जुर्माना वसूला गया जिसमें 15 हजार रुपये शामिल है। मोटर यान निरीक्षक सुनील राम ने बताया कि वाहन चेकिंग अभियान के दौरान सभी वाहन चालकों से आवश्यक रूप से हेलमेट लगाकर मोटरसाइकिल चलाने को कहा गया। वही सड़क दुर्घटना रोकने के लिए अन्य चार पहिया वाहनों भी सीट बेल्ट लगा कर ही अपनी वाहन चलाये। इस दौरान सड़क पर कई वाहनों को रोड में गाड़ी नहीं खड़ा करने की हिदायत दिया गया। सुनील नाम ने बताया कि सड़क दुर्घटना रोकने को लेकर जिला द्वारा प्रतिनियुक्त पदाधिकारी के नेतृत्व में सप्ताह में एक दिन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा। जिसमें स्थानीय लोगों की समस्या को देखते हुई स्थल पर ही छोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि लातेहार जिला में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा यह अभियान नियमित से चलाया जायेगा। जांच अभियान में अन्य कई दूसरे वाहन को भी जब्त कर थाना परिसर में रखा गया है। इसके अलावे छिपादोहर थाना परिसर में भी वाहन को जब्त किया गया है।

मीडिया कर्मियों ने आयोजित किया होली मिलन समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड के बेतला मड हाउस में बुधवार को प्रखंड स्तरीय होली मिलन समारोह सह पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के बरवाडीह, बेतला, छिपादोहर के एक दर्जन से अधिक पत्रकार शामिल हुए। होली मिलन समारोह कार्यक्रम से पूर्व एक बैठक हुई। जिसमें आपसी एकजुटता बनाये रखने पर जोर दिया गया। वही किसी तरह की समस्याओं लेकर आपसी तालमेल से निदान करने का निर्णय लिया गया.बैठक में कहा गया कि पत्रकारों को पेंशन प्रदान करने के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम चलाये जाते हैं। जिसका लाभ सभी

को मिलना चाहिए। जिसमें उन्हें एक निश्चित राशि की पेंशन के रूप में दी जानी चाहिए। निर्णय लिया गया कि पत्रकारों को पेंशन लागू होने तक हम सभी एकजुट होकर दूसरे संगठन के साथ मिल कर आंदोलन करेंगे। सभी पत्रकारों को अटल पेंशन योजना का लाभ मिले। यह योजना असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें पत्रकार को भी शामिल किया जाये। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना जो असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है जिसमें पत्रकार भी शामिल हो। इसके उपरांत होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पत्रकार संजय कुमार, अर्जुन विश्वकर्मा, नंदकिशोर प्रजापति, रवि कुमार गुप्ता, दीपक राज अख्तर अंसारी, शशि शेखर, मयंक विश्वकर्मा, सोनू राम, राम निवास पाठक, सुमित कुमार, प्रमोद कुमार ठाकुर समेत अन्य लोग शामिल थे।

लापता वृद्ध का शव कुएं से बरामद

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। विक्षिप्त लापता वृद्ध का शव कुएं से बरामद हुआ। घटना स्थल पहुंच पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज अग्रतर कारवाई में जुटी। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के बदला टंगरा टोली का है। वही मृतक की पहचान बदला डूमर टोली निवासी स्वर्गीय बरतु उरांव का 60 वर्षीय पुत्र टेलिया उरांव के रूप में किया गया। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि टेलिया उरांव बिना बताये बीते रविवार को रात्रि में खाना खा कर घर से निकला था। जिसे परिजनों द्वारा काफी खोज बीन किया गया, परंतु टेलिया उरांव का कहीं पता नही चला वहीं परिजन पंचायत क्षेत्र में ही खोजबीन कर रह थे। टंगरा टोली स्थित ज्ञानचंद अग्रवल के कुएं से झागर डाल कर शव को निकाला गया।

सांसद से मिले जेएनवी के प्राचार्य स्कूल की स्थिति से कराया अवगत

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के जोगना में स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना लोहरदगा के प्रचार्य द्वारा स्थानीय सांसद से मुलाकात कर विद्यालय की स्थिति से अवगत कराया गया। वही प्राचार्य अवनीश चंद्र झा ने सांसद सुखदेव भगत से मुलाकात कर अप्रैल माह में विद्यालय में होने वाले बाल संसद सत्र में भाग लेने के लिये आमंत्रित किया है और प्रचार्य श्री झा ने संसद को अप्रैल 15 से 30 अप्रैल तक विद्यालय में आने का अनुरोध करते हुए बच्चो को सांसद सत्र की जानकारी साझा कराने के लिये अपील किया है। इस के अलावा सांसद द्वारा प्राचार्य से विद्यालय की शिक्षा और पठन

पाठन की जानकारी ली गयी। साथ ही प्रचार्य से पठन पाठन के अलावे विद्यालय के किसी अन्य चीजों की समस्याओं के बारे में बताने के लिये कहा गया। जिसे सुन संसद श्री भगत ने कहा कि समस्या संज्ञान में आ गया है। उपायुक्त से बात कर समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कई कार्यक्रमों का होगा आयोजन

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह रेलवे क्लब में 8 मार्च को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर कई कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल बनाने को लेकर रेलवे क्लब महिला समिति की बैठक बुधवार की शाम आयोजित की गयी। बैठक में महिला दिवस के उपलक्ष में महिलाओं के हक अधिकार को लेकर गोष्ठी सह मिलन समारोह का आयोजन होगा। वही महिलाओं के बीच जागरूक को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित करते हुए प्रतियोगिता और पुरस्कार वितरण समारोह भी आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक रामचंद्र सिंह, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर समेत रेलवे के कई अधिकारी शामिल होंगे। वही महिला समिति के द्वारा होली मिलन समारोह भी आयोजित होगा। बैठक में समिति की रेखा पाठक, सुधा दुबे, रत्ना सिंह अमृता रश्मि, वंदना कुमारी नैना कुमारी, संध्या वर्मा, नेहारीका, अंजू, सुधा,समेत अन्य लोग मौजूद थे।

पीडीजे ने जेल का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार लोहरदगा राजकमल मिश्रा ने मंडल कारा लोहरदगा का निरीक्षण किया । उनके साथ मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कृष्णकांत मिश्रा, डालसा सचिव राजेश कुमार एवं सिविल कोर्ट निबंधक अमित कुमार गुप्ता भी मौजूद रहे। पीडीजे का यह दौरा उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एवं झालसा द्वारा दी गयी गाइडलाइन के अनुसार किया गया। जेल में बंद विभिन्न बंदियों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया की जेल में खानपान, स्वास्थ्य सुविधाएं, रखरखाव, सफाई सही है कि नहीं। उन्होंने मौके पर कई कैदियों से बातचीत कर उनके समस्याओं को जाना। मौके पर जेल अधीक्षक सह अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार एवं जेलर सुबोध कुमार भी उपस्थित रहे। विभिन्न बंदियों ने अपनी समस्याओं को रखा। इसके पश्चात एलएडीसीएस के मुख्य अधिवक्ता नसीम अंसारी को पीडीजे ने निर्देश देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि हर बंदी को उसके केस की जानकारी होनी चाहिए, यह सुनिश्चित किया जाये।

युवक ने घर में लगायी फांसी

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। एकागुड़ी सेमरटोली ग्राम में अपने खपरैल घर मे युवक ने नायलॉन रस्सी के सहारे फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया। बताया जाता है की सेन्हा थाना क्षेत्र के एकागुड़ी सेमरटोली ग्राम निवासी मंगरा उरांव का 32 वर्षीय पुत्र सचिन उरांव घर मे अकेले था। जिसे वह अपने खपरैल घर में लगा हुआ बांस का बल्ली में नायलॉन रस्सी के सहारे फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया वही मृतक की पत्नी दीपा उरांव ने बताया कि हम नहाने जा रहे हैं। बोल के घर के सामने पानी टंकी में नहाने गये चले गये। वापन घर आकर देखा तो दरवाजा दोनों तरफ से बंद था। जिसे काफी आवाज देने पर मेरा पति घर का दरवाजा नही खोला तो घर के किनारे दीवाल का छोटा सा छेद से बच्चा लोग को घर के अंदर घुसा के दरवाजा खुलवाये। अंदर देखे तो सचिन उरांव फांसी का फंदा में झूला हुआ था।

शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए सजग है भंडरा प्रखंड प्रशासन : बीडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। भंडरा थाना परिसर में बुधवार को होली त्योहार को लेकर बीडीओ प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें आपसी भाईचारगी के साथ त्योहार मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने कहा कि रंगों का त्योहार में जिस तरह कई रंग आपस मिलकर एक रंग में मिल जाते है। इसी प्रकार हम सभी को आपसी मनमुटाव को भूलते हुए मिलकर एक साथ आपसी सौहार्द के साथ त्योहार का आनंद उठाना है। उन्होंने कहा कि भंडरा प्रखंड प्रशासन क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाएं रखने के लिए पूरी तरह से सजग है। थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने कहा कि भंडरा प्रखंड की पहचान आपसी एकता और

भाईचारा के रुप में होती है। भंडरा थाना में योगदान के एक वर्ष हो गए है। जिसमें सभी धर्म के लोगों में एक दूसरे के धर्म के प्रति आदर का भाव देखने को मिला है। जिसे बरकार रखना है। उन्होंने शांति समिति बैठक में पहुंचे बुद्धिजीवी वर्ग के लोगों से क्षेत्र में त्योहार के दौरान होने वाले कार्यक्रम की जानकारी लेते हुए शांति व्यवस्था कायम रखने की बात कही है। साथ ही होली त्योहार के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश किया जाता है, तो वैसे व्यक्ति पर सख्त रुप से कनूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। मौके पर सीओ दुर्गा कुमार, डा. संजय कुमार, ईश्वरी मोहन शर्मा, रामकिशोर साहू, किस्सा, साहू, परमेश्वर महली, सुमंती तिग्गा, धनेश्वरी उरांव, कईली उरांव, बालकृष्णा सिंह, गुलाम मुस्तफा, परवेज मीरदहा, मजेबुल मीरदहा, लाल राजकिशोर नाथ शाहदेव सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जेएमएम सेन्हा प्रखंड कमिटी का गठन

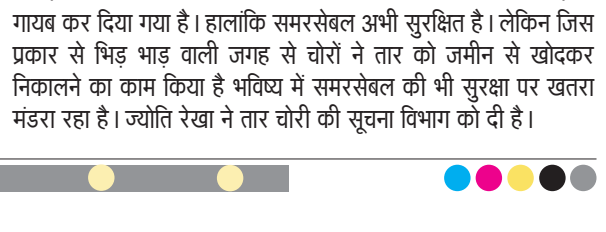

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला संयोजक सह जिप सदस्य द्वारा पेशरार प्रखंड में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का प्रखंड समिति का गठन किया गया। जेएमएम के जिला संयोजक सह जिला परिषद सदस्य सेन्हा राधा तिर्की और बालमुकुंद लोहरा की उपस्थिति में पेशरार बाजार टांड में बैठक आयोजित कर प्रखंड कमिटी का गठन करते हुए। प्रखंड अध्यक्ष अरविन्द उरांव को तथा सचिव कमला देवी, सहसचिव दिलेश्वर ठाकुर, उपाध्यक्ष जयु तुरी और कोषाध्यक्ष राजेश्वर सिंह खेरवार को बनाया गया। वही अशोक उरांव, राजेश ठाकुर,दिनेश मोची, रामलाल भगत, राजकिशोर असूर को सदस्य के तौर पर चयन किया गया। जिस निमित सीरम पंचायत अध्यक्ष रंजीत सिंह खेरवार, हेसाग पंचायत अध्यक्ष मतलु उरांव, तुईमू पंचायत अध्यक्ष जयराम असुर,पेशरार पंचायत अध्यक्ष रामदेव खेरवार, रोरद पंचायत अध्यक्ष यमुना नगेशिया प्रखंड क्षेत्र के सभी पांचों पंचायत अध्यक्ष के अलावे उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित थे।

अभियंताओं की लापरवाही से लोहरदगा और कैरो में मनरेगा हाशिये पर

सत्यकाम

लोहरदगा। अभियंताओं के मनमर्जी कार्यशैली और लापरवाही के कारण जन सरोकार से जुड़े मनरेगा के संचालन में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बावजूद लापरवाह सरकारी बाबुओं पर अंकुश लगाने के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं किया गया है। इससे वर्तमान में कैरो और लोहरदगा प्रखंड में संचालित बड़ी संख्या में मनरेगा योजनाओं में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ग्रामीणों को गांव पर रोजगार देने के उद्देश्य से संचालित मनरेगा योजना में मजदूरी भुगतान,सामग्री भुगतान समेत नयी योजनाओं की तकनीकी स्वीकृति पर सीधा प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार मनरेगा के सहायक अभियंता सुबोध कुमार सत्यम की लापरवाह कार्यशैली पर नियंत्रण नहीं लगने से मनरेगा कार्य प्रभावित है। बताया गया कि मनरेगा के साथ योजनाओं में गठित गड़बड़ी को लेकर सेन्हा बीडीओ संग्राम मुर्मू ने प्रखंड में प्रतिनियुक्ति सहायक अभियंता सत्यम कुमार सुबोध के विरुद्ध सेन्हा थाना कांड संख्या 85/2024 प्राथमिक की दर्ज कराया था। प्राथमिक की पर सरकारी राशि की गड़बड़ी करने और गबन करने का आरोप लगा था। मामले पर सहायक अभियंता सुबोध कुमार सत्यम को तत्काल 145860 सरकारी खजाने में जमा करने का निर्देश दिया गया था। इधर, सहायक अभियंता की प्रतिनियुक्ति सदर प्रखंड कर दिया गया। मामले पर गंभीरता नहीं लेते हुए सहायक अभियंता 18 जनवरी 2025 से अवकाश पर चले गए। मनरेगा कार्य प्रभावित होने के कारण सदर वीडीओ ने अतिरिक्त सहायक अभियंता की प्रतियोगिता की मांग आलाधिकारियों से किया। मामले का गंभीर पहले यह है कि सहायक अभियंता पर सरकारी राशि की वसूली का दबाव बनाने की जगह सहायक अभियंता के पद पर कैरो प्रखंड में अतिरिक्त प्रतिनियुक्ति कर दिया गया। सरकारी राशि की रिकवरी करने की जगह प्रतिनियुक्त प्रखंड से नियमित वेतन भुगतान किया जाता रहा। यह अलग पहलू है कि, चंद दिनों पूर्व अभियंता सुबोध कुमार सत्यम ने सरकारी खजाने में गबन की राशि जमा कर दिया। बताया गया कि, गबन की राशि जमा करते हैं। अभियंता सुबोध सत्यम पर गबन का आरोप प्रमाणित हो जाता है। फिलहाल, अभियंता सुबोध कुमार सत्यम लंबे समय से अवकाश पर है। जिससे मनरेगा योजनाओं के संचालन में गति देने के लिए उक्त प्रखंडों में सहायक अभियंता की प्रतिनियुक्ति की मांग की जा रही है।

मामले की गंभीरता से होगी जांच : डीडीसी

इस संदर्भ में उपविकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि मनरेगा योजनाओं के संचालन में अभियंताओं के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी उक्त अभियंता के प्रतिनियुक्ति प्रखंड क्षेत्र में औचक निरीक्षण कर मामले की जांच की जाएगी। कहा कि, मामले में गंभीरता से जांच की जायेगी।

" सेन्हा प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने कहा कि, सरकारी राशि की गड़बड़ी के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज करने के बाद इस मामले में आरोपित अभियंता सुबोध सत्यम समेत तीन प्रखंड कर्मियों ने एक माह पूर्व राशि जमा कर दिया है। कहा, मामला दो तीन वर्ष पूर्व का है। जांच के बाद अभियंता समेत सात प्रखंड कर्मियों के विरुद्ध सेन्हा थाना में 17 सितंबर 2024 को प्राथमिक दर्ज कराया गया था।"

प्रतिनियुक्ति के एक माह बीतने के बाद भी अभियंता ने कैरो में नहीं किया योगदान

कैरो प्रखंड विकास पदाधिकारी छन्दा भट्टाचार्य ने इस मामले पर कहा कि, मनरेगा सहायक अभियंता की प्रतिनियुक्ति चार चार फरवरी 2025 को किया गया था। बावजूद, उन्होंने अभी तक प्रखंड मुख्यालय में योगदान नहीं दिया है। इससे मनरेगा कार्यो पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अभियंता के योगदान नहीं देने की सूचना उप विकास आयुक्त को दे दिया गया है।

7 मार्च को कैरो में करूंगा योगदान: एड़ सुबोध सत्यम

मनरेगा के सहायक अभियंता सुबोध कुमार सत्यम ने इस संदर्भ में कहा कि, पिता को हार्ट अटैक आने के कारण सदर बीडीओ ललित सिंह से अनुमति लेकर अवकाश पर हूँ। 7 मार्च को प्रतिनियुक्ति स्थल कैरो प्रखंड मुख्यालय में योगदान कर दूंगा। सेन्हा प्रखंड में मनरेगा को लेकर सात कर्मियों पर मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले पर हाई कोर्ट में मामला लंबित है। फिलहाल फाइन की राशि मेरे समेत चार कर्मियों ने प्रखंड मुख्यालय में जमा कर दिया है। इस मामले पर मैं निर्दोष हूं। बावजूद, इसे तूल दिया जा रहा है।

"राजद के पूर्व जिला अध्यक्ष शकील अख्तर ने सहायक अभियंता सत्यम कुमार सुबोध के विरुद्ध दबंगई दिखा कर जान से मरवाने एवं फर्जी मुकदमे फंसे संबंधी धमकी दिए जाने को लेकर पुलिस अधीक्षक से 9 जनवरी को फरियाद लगाया था। इस संदर्भ में शकील अख्तर ने कहा कि, सहायक अभियंता सुबोध सत्यम की लापरवाही और कर्तव्य हीनता के विरुद्ध आवाज उठाये जाने के कारण मुझे धमकी मिली। पुलिस से सुरक्षा का गुहार लगाया हूं।"

आंगनबाड़ी केंद्र से समरसेबल तार की चोरी

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार टांड़ जामडी रोड में अवस्थित आंगनबाड़ी केन्द्र से समरसेबल तार चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। सेविका ज्योति रेखा ने बताया कि रविवार के मध्य रात्रि में समरसेबल मशीन में लगे तार को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। सुबह पहुंचने पर देखा कि समरसेबल से छत पर लगी टंकी तक का तार जमीन खोदकर गायब कर दिया गया है। हालांकि समरसेबल अभी सुरक्षित है। लेकिन जिस प्रकार से भिड़ भाड़ वाली जगह से चोरों ने तार को जमीन से खोदकर निकालने का काम किया है भविष्य में समरसेबल की भी सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। ज्योति रेखा ने तार चोरी की सूचना विभाग को दी है।

जनप्रतिनिधि, प्रखंड समन्वयक और जेइ की मिलीभगत से सरकारी पैसों की बंदरबांट

जल नल का नवनिर्माण कागजों पर दिखाकर मरम्मत कर पैसा निकाला

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर/पलामू। सरकार एक तरप पंचायतों के विकास के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच वर्ष पर कराती हैं। वहीं दूसरी ओर, जनप्रतिनिधि योजनाओं का निर्माण कार्य कागज पर खानापूर्ति कर सरकारी पैसों का बंदरबाट करने में जुटे हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के अवसाने पंचायत के टोला दूबा में देखने को मिला। जहां पंचायत समिति के कोटे से लगभग दो लाख रुपये की लागत से जल नल योजना का नवनिर्माण किया गया हैं। जबकि वहां पर पहले से ही जलमीनार का नव निर्माण किया गया था। उसी जलमीनार का नया रूप कागजों पर दिखाकर जल नल का नवनिर्माण कर दिया गया हैं। वहीं स्थानीय ग्रामीणों विदेशी भुईयां, बुधन भुईयां, जनेश्वर भुईयां, मुनेश्वर भुईयां, अर्जुन भुईयां, गंगा सिंह, विगन भुईयां, दुखराज भुईयां ने आरोप लगाया कि जल नल का निर्माण पूर्व में ही किया गया था। जहां पंचायत समिति के कोटे से एक महीना पहले जल नल नवनिर्माण की जगह पर जल नल का मरम्मती किया गया है। जिसमें लाभुक अभिमन्यु सिंह द्वारा एक लाख रुपए की निकासी भी कर ली गई हैं। इससे यह साबित होता हैं कि जनप्रतिनिधि, प्रखंड समन्वयक और जेई की मिलीभगत-साठगांठ से सरकारी पैसा का दुरुपयोग किया जा रहा हैं। इधर, इस संदर्भ में बीडीओ प्रदीप दास ने कहा कि जानकारी मिली हैं तो जांच कर त्वरित कार्रवाई करेंगे। वहीं इस मामले में प्रखंड समन्वयक ने कहा कि जेई के कहने के अनुसार लाभुक को जल नल योजना में एक लाख रुपये का भुगतान किया गया हैं।

जलमीनार की तस्वीर।

अंतरराज्यीय समन्वय से विधि व्यवस्था संधारण में मिलेगी सफलता: उपायुक्त

स्थानीय सर्किट हाउस में अंतरराज्यीय जिला समन्वय समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। सर्किट हाउस में बुधवार को अंतरराज्यीय समन्वय समिति की बैठक हुई। इसमें पलामू एवं औरंगाबाद के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में आसन्न पर्व-त्योहार, आसन्न नगर निकाय चुनाव, बिहार विधानसभा आम चुनाव, सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थ, शराब, स्प्रीट और आग्नेयास्त्र आदि प्रतिबंधित सामग्री की आवाजाही, नक्सली गतिविधि, ओवरलोड, बिना चालान बालू, पत्थर एवं अन्य खनिजों का परिवहन, नक्सली गतिविधियों आदि की रोकथाम को लेकर कड़े कदम उठाते हुए आपसी समन्वय से छापामारी अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। दोनों जिलों के जिलाधिकारियों द्वारा अंतरराज्यीय समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करने का निर्णय लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को संयुक्त अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया। दोनों जिलों के सभी संबंधित विभागों एवं सीमावर्ती क्षेत्र के अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी को संयुक्त अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों की रोकथाम तथा संलिप्त व्यक्ति एवं असमाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पलामू जिले के डीसी, पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद जिले जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त अभियान चलाई जाएगी। होली के पूर्व तक अवैध शराब, स्प्रीट को लेकर संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंध लगाने के लिए सक्रिय और सकारात्मक प्रयास किये जाएंगे। पर्व-त्योहारों के मद्देनजर निकलने वाली जुलूस के निर्धारित मार्ग का संयुक्त रूप से सत्यापन करने एवं संवेदनशील स्थानों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए अभी से ही सकारात्मक दृष्टिकोण से प्रयास करने को लेकर निर्देश दिया गया। साथ ही बालू एवं अन्य खनिजों की आवाजाही, माल ढुलाई पर जीएसटी का भुगतान किए जाने संबंधी विशेष रणनीति के तहत कार्य करने की सहमति बनी। बैठक में पलामू डीसी शशि रंजन, औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन, औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहू, पलामू के वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, औरंगाबाद के वन पदाधिकारी, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, छतरपुर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष गंगवार, हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो, औरंगाबाद के अनुमंडल पदाधिकारी, पलामू एवं औरंगाबाद के परिवहन पदाधिकारी, छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, मेदिनीनगर सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला खनन पदाधिकारी सहित सीमावर्ती थानों के थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे।

विकास के कई बिंदुओं पर लिया गया प्रस्ताव

जपला जेएनवी में विद्यालय प्रबंधन कमेटी की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। लंगरकोट गांव स्थित जपला जवाहर नवोदय विद्यालय जपला 02 सह पीएम श्री विद्यालय में बुधवार को विद्यालय विकास प्रबंधन की बैठक हुई। जिसमें विद्यालय विकास से संबंधित कई आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बिंदुवार प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ गौरांग महतो और संचालन प्राचार्य अशहर रूमी ने किया। वहीं समिति के प्रमुख सदस्यों में सीनियर शिक्षक राणा तब्बसुम, उप प्रमुख इंदु देवी, चिकित्सा प्रभारी डॉ बिनेश कुमार, अभिभावक प्रतिनिधि में पप्पू पटेल, उतिमा कुमारी एवं सीनियर विद्यालय प्लस 2 बालिका उच्च विद्यालय से रविकांत पाण्डे आदि ने भाग लिया। बैठक में सबसे पहले प्राचार्य ने एसडीओ सहित समिति के गणमान्य सदस्यों का स्वागत किया। इस दौरान सर्वसम्मति से स्कूल गेट से लेकर मुख्य सड़क तक लाईट, विद्यालय में बच्चों के व्यायाम के लिए आउट डोर ओपेन जिम, मुरली पहाड़ी की ओर बाउंडरी लाइन, सोलर स्ट्रीट लाइट, 2000 वॉटर लीटर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, शुद्ध पे जल मीनार चार, सौंदर्यीकरण के लिए पौधा, तीरंदाजी ट्रेनर की स्थापना आदि को लेकर बिंदुवार चर्चा की गयी। एसडीओ ने बच्चों से बात की जिसमें कई छोटी छोटी सुझावों पर ध्यानाकर्षण कराया। इस पर एसडीओ ने प्राचार्य को त्वरित बिन्दुओं पर अमल करने का सुझाव दिया। कहा कि छोटी-छोटी बातों पर तुरंत ध्यान देने से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में संबंध मधुर होता हैं मौके पर बीपीएम बिभूती प्रसाद, आशमुनि कुमार, शिक्षक अभिषेक सिंह, नीतिन पाण्डे, सुनील कुमार आदि उपस्थित थे।

मानव सेवा ही माधव सेवा है: बीडीओ

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत क्षेत्र के अमन चैन मोहल्ला परिसर में भगवान महावीर दिव्यांग सहायता समिति और पलामू दिव्यांग संघ हुसैनाबाद के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगजनों के बीच उपकरणों का वितरण किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुसैनाबाद के बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, समाजसेवी निखिल कुमार उर्फ उर्फ मुन्ना सिंह, अशोक मेहता, सेवा निवृत्त शिक्षक रंजीत सिंह, पलामू जिला संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार कुशवाहा, सचिव रामपुकार सिंह, महावीर दिव्यांग सहायता समिति के डॉक्टर रामकृष्ण साहू और जाहिद अंसारी आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान शिविर में 40 दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल, 40 व्हीलचेयर, 70 वैशाखी और 20 ब्लाइंड स्टीक सहित अन्य दिव्यांगों के बीच जरूरत के अनुसार उपकरणों का वितरण किया गया। इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। इससे बढ़कर कोई काम नहीं। मौके पर दिव्यांग संघ हुसैनाबाद के प्रखंड अध्यक्ष विंध्याचल सिंह, जिला कोषाध्यक्ष उमेश मेहता, समाजसेवी विजय कुशवाहा आदि मौजूद थे।

छतरपुर में आज शिविर लगाकर आमजनों की समस्याएं दूर करेंगे विभागीय अधिकारी

कैंप कार्यालय का लोग उठायें अधिकाधिक लाभ : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। डीसी शशि रंजन की पहल पर पलामू में अनुमंडल स्तर पर कैंप कार्यालय का अधिष्ठापन किया जा रहा है। पहला कैंप कार्यालय हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय परिसर में 27 फरवरी को लगा था। जबकि दूसरा कैंप गुरुवार को छतरपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर में आयोजित होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। डीसी ने कैंप कार्यालय के दौरान जिले के विभिन्न विभागों के सभी पदाधिकारियों को पहुंचने का निर्देश दिया है। कहा कि कैंप कार्यालय में लोगों को विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएगी। पदाधिकारी आमलोगों की समस्याएं सुनेंगे एवं उसका त्वरित समाधान करेंगे। त्वरित समाधान योग्य मामले नहीं रहने की स्थिति में निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निष्पादन करेंगे और इसके लिए संबंधित व्यक्ति को अवगत करायेंगे। उन्होंने कहा कि कैंप कार्यालय के अधिष्ठान से जिला स्तरीय प्रशासनिक पदाधिकारी लोगों के नजदीकी अनुमंडल में ही समस्याएं सुनकर निदान कर रहे हैं। लोग जिला में जाने से बच पा रहे हैं। इससे उनका अर्थ और समय दोनों की बचत हो रही है, जिसका वह अपने उत्थान में उपयोग कर पाएंगे। कहा कि कैंप कार्यालय के दौरान विकास योजनाओं की भी समीक्षा होगी। इससे संबंधित अनुमंडल क्षेत्र के विकास योजनाओं के प्रगति का आकलन होगा। वहीं संबंधित विभागों को पदाधिकारियों के क्षेत्र भ्रमण से संचालित योजनाओं का भौतिक सत्यापन हो सकेगा और कमियों को दूर करने एवं विकास कार्यों को गति देने में मदद मिलेगी।

विदित हो कि प्रत्येक माह के द्वितीय गुरुवार को छतरपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर में कैंप कार्यालय का आयोजन किया जाना है। वहीं प्रत्येक माह के चतुर्थ गुरुवार को हुसैनाबाद अनुमंडल कार्यालय परिसर में कैंप कार्यालय अधिष्ठापित होना है। इसी के तहत छतरपुर अनुमंडल कार्यालय परिसर में गुरुवार की सुबह 11 बजे से कैंप कार्यालय अधिष्ठापन की तैयारी की गई है। डीसी ने ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि संबंधित कैंप कार्यालय में पहुंचकर किसी भी सरकारी योजना का लाभ, शिकायत या समस्या का समाधान अवश्य कराएं। कैंप कार्यालय में कई सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें परियोजनाओं एवं योजनाओं की भूमि चिन्हित, हस्तकत एवं विवाद समाधान किया जाएगा। वहीं वन भूमि के बदले अन्य भूमि/ सरकारी भूमि स्थानांतरण, बिजली बिल संबंधी शिकायतों का समाधान, पेयजल समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इसके अलावा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जाएगा। वहीं इससे संबंधित शिकायतों का त्वरित निष्पादन कर आमजनों को सरकार की योजनाओं से अच्छादित करने का कार्य होगा। उन्होंने कहा कि कैंप कार्यालय के माध्यम से मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, सर्जन पेंशन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना,गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभ प्रदान किया जाएगा।

समेकित बिरसा ग्राम योजना के तहत किसानों को मिला प्रशिक्षण

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के कौआखोह स्थित बीज गुणन प्रक्षेत्र नाथा फार्म हाउस पर एग्रोटेग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से समेकित बिरसा ग्राम योजना के तहत चिन्हित गांव के किसानों को बुधवार को मासिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर एग्रोटेग प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक सुनील कुमार ने बताया कि उनकी संस्था को कृषि विभाग की प्रोजेक्ट, बिरसा कृषि पाठशाला के तहत नाथा में 25 एकड़ भूमि मुहैया करायी गयी है। जिसमें किसानों का प्रशिक्षण केंद्र, गोदाम, बकरी पालन यूनिट, मुर्गी अंडा उत्पादन, मुर्गी पालन, गाय पालन, सुअर पालन सहित कई यूनिट बनाए जा रहे हैं। साथ ही कम भूमि वाले किसानों को हर तरह के उत्पादन कर आय बढ़ाने की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा उच्च किस्म के फल पपीता, ड्राइगन फ्रूट, ताइवान अमरूद और संतरे की खेती लगाई जा रही है, ताकि यहां किसान देख कर अपने खेतों में उत्पादन कर आय में वृद्धि कर सकेंगे। पाठशाला के कृषि विशेषज्ञ द्वारा समय-समय पर क्षेत्रीय किसानों को जागरूक भी करेगा। उन्होंने बताया कि कृषक पाठशाला नाथा क्षेत्र अंतर्गत चिन्हित 7 बिरसा गांव के 700 उत्पादक किसान संगठन के माध्यम से प्रत्येक किसान एक शेयर का मालिक होंगे। संगठन के माध्यम से खाद्य, बीज, कीटनाशक दवा उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं किसानों द्वारा खरीदारी से होने वाले फायदे को शेयर होल्डर में जोड़ सकते हैं या कारोबार में लगा सकते हैं। वहीं संस्था के कार्यक्रम प्रबंधक अनिल मिश्रा ने किसानों को कृषि क्षेत्र में उत्पादन और आय में वृद्धि से संबंधित कई जानकारी दी। पाठशाला में रामजनम मेहता, मिथिलेश मेहता, अखिलेश गुप्ता, डॉक्टर संजय मेहता, अंकुश कुमार, हरेंद्र पासवान, जितेंद्र पासवान,अमरिंदर पासवान, गुप्ता साव आदि मौजूद थे।

संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के पूर्व सचिव की मनायी गयी पुण्यतिथि

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। रेहला-बीमोड़ स्थित संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के पूर्व सचिव स्व नागनाथ चौबे की द्वितीय पुण्यतिथि बुधवार को मनायी गयी। इस मौके पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसके शुरूआत में वर्तमान सचिव डॉ शशिनाथ चौबे और प्राचार्य संतोष मिश्रा ने कॉलेज परिसर में स्थापित स्व चौबे की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। सचिव डॉ शशिनाथ चौबे ने कहा कि स्व नागनाथ चौबे ने शिक्षा के प्रति अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उन्होंने संत तुलसीदास कॉलेज को आदर्श महाविद्यालय बनाने के लिये हर संभव प्रयास किया। वहीं, प्राचार्य संतोष मिश्रा ने कहा कि उनका सपना था कि यह महाविद्यालय राज्य में अपनी एक अलग पहचान रखे, जो अब पूरा होता दिख रहा है।

लोहरदगा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दी गयी विदाई

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। सिंगसिगी पंचायत क्षेत्र के लोहरदगा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोरखनाथ पांडेय को सेवानिवृति के बाद बुधवार को विदाई दी गयी। इसके लिये विद्यालय परिसर में समारोह आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुखिया किरण देवी और संचालन समाजसेवी हरिनाथ प्रसाद ने किया। इस दौरान गोरखनाथ पांडेय को ग्रामीणों एवं सहयोगी शिक्षकों द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जेबी उच्च विद्यालय के प्राचार्य अनिल सिंह ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत नहीं होते हैं। अपने सेवाकाल के दौरान गोरखनाथ पांडेय ने बच्चों को शिक्षित किया। अब समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने की जिम्मेवारी इन्हें निभानी है। वहीं, गोरखनाथ पांडेय ने कहा कि हमने ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी देने का प्रयास किया। इस कार्य में ग्रामीणों-अभिभावकों का भी पूर्ण सहयोग मिला। जिसके लिये उनका हृदय से आभार। इस मौके पर युवा समाजसेवी धर्मेंद्र उर्फ गुड्डू चौधरी, वीरेंद्र शर्मा, वीरेंद्र सिंह, मनोज पाठक, रामनिवास तिवारी, दिलीप कुमार चौधरी, जितेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार, बिनोद दीक्षित, हरसबर्धन चौबे, अरमान अंसारी, रामपुकार पांडेय, गोपीनाथ विश्वकर्मा, राजेश राम, संध्या देवी, बिनय चंद्रवंशी, वशुदेव राम, संजय राम, नंदकिशोर यादव और लालमणि राम आदि मौजूद थे।

बीसीसीएल कर्मी ने की आत्महत्या

धनसार (आजाद सिपाही)। झरिया थाना अंतर्गत लाहबेरा मांझी बस्ती के बीसीसीएल कॉलोनी में बुधवार को सुभंका कुमार (34) नामक युवक ने अपने क्वॉर्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीसीसीएल कर्मी था। इसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची झरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। वह मूलतः पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले का रहने वाला था।

आधुनिक कृषि एवं पंचायती राज सशक्तिकरण पर कार्यशाला आयोजित

महिला सशक्तिकरण से पंचायतों के विकास कार्यों में आयेगी गुणवत्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के पथरा पंचायत सचिवालय में बुधवार को रांची के प्रदान संस्था की टीम की ओर से कृषि की आधुनिक एवं उन्नत तकनीक, पंचायती राज सशक्तिकरण और मनरेगा योजना पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुखिया संघ के अध्यक्ष नरेश पासवान ने विभिन्न जिलों से आयें दीदियों को माला पहनाकर एवं कॉपी-कलम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बीडीओ सुनिल कुमार वर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण से पंचायतों के विकाश कार्यो में गुणवत्ता आएगी। जबकि नरेश पासवान ने कहा कि क्षेत्र में स्वस्थ्य रहने के लिए जैविक खाद का उपयोग करें। भुपेश कुमार भूमापक ने कहा कि संस्था पिछले 40 वर्षों से भारत के विभिन्न राज्यों में कार्य कर रही है। हमारा मुख्य कार्य कृषि से गरीबी एवं भूख मुक्त पंचायत, महिला सशक्तीकरण, महिला शिशु स्वास्थ्य और ग्रामीण व्यवस्था किसान विकास के ऊपर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि कृषि तकनीक और जैविक खेती का पंचायत स्तर पर बेहतर प्रबंधन कर जल संसाधन की गुणवता की जानकारी अति आवश्यकता है। इस मौके पर माधुरी देवी, सरिता कुमारी, चंपा देवी, खुटी रुबी देवी, हिरामणी देवी, शयराबानो, उषा देवी, प्यारी साहू, गायत्री देवी, मुनीता उरांव, रीता कुमारी और आशा तोपनो आदि मौजूद थीं।

जब-जब हम एकजुट हुए, तब-तब इतिहास बना : लोकेशानंद शास्त्री जी

- 67वां नवाहन श्री श्री राम चरित्र मानस पाठ एवं महायज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं किया परिक्रमा

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली/बेरमो। फुसरो नगर परिषद अंतर्गत करगली गेट में बेरमो मानस सत्संग समिति की ओर से 67वां नवाहन श्रीश्री राम चरित्र मानस पाठ एवं महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसेक सातवें दिन बुधवार को हजारों श्रद्धालुओं ने यज्ञ परिसर की परिक्रमा की। इसमें करगली गेट, रिवर्स साइड कॉलोनी, रीजनल कॉलोनी, अम्बेडकर कॉलोनी, पुराना वीडियो ऑफिस, फुसरो, ढ़ोरी स्टाफ क्वार्टर, ढ़ोरी बस्ती, करगली बाजार, सुभाष नगर, जवाहर नगर, अमलो बस्ती, कारो, बेरमो सिम, तिरहुत नगर आदि स्थानों से श्रद्धालु पहुंचे थे। यह 67वां मानस महायज्ञ मिथिलाकुंज अयोध्या से आये मानस मर्मज्ञ वैष्णव संतस्वामी यज्ञाचार्य श्रीश्री 1008 राम बिहारी शरण जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजन हुआ है। बिहार के मुंगेर-जमुई से पधारे श्री सदानंद मिश्रा और उनकी टीम द्वारा रामचरित मानस के पाठ कराने से करगली गेट सहित आस पास का क्षेत्र भक्तिमय हो गया। वहीं, देवघर के बैधनाथ धाम से पधारे पंडित मिथिलेश मोदगल्य ने रामचरितमानस का पाठ करवाया। इससे पहले मंगलवार की रात यज्ञ के छठे दिन उज्जैन से पधारे श्रीश्री लोकेशानन्द शास्त्री जी द्वारा संगीतमय मानस परिवचन किया गया। उन्होंने प्रभु श्री राम और माता जानकी के विवाह और विदाई का सुंदर चित्रण संगीतय किया। कहा कि जब-जब हिंदू एक हुए हैं तब-तब इतिहास रचा गया है। हमारे महापुरुष अंग्रेजों से लड़कर आजादी दिलाये। हमारे महापुरुष भगवान तो नहीं थे पर उनकी वजह से हमारे मंदिरों में आज भगवान विराजमान है और हम भजन कर पा रहे हैं। अंग्रेजों से हमें आजादी तो मिली पर अंग्रेज हमें जातिवाद में बांटकर चले गए। पूर्व में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र जाति हुआ करते थे, पर आजादी के बाद अंग्रेजों के कारण हम अलग-अलग कई तरह के जाती में बट गए। इस कारण सर्वप्रथम हम सभी एक होकर हिंदू बने और एकता बनाएं तभी हनारा देश विश्व गुरु बन सकता है। जब हिंदू एक हुए तो अयोध्या में राम मंदिर बना और रामलला विराजमान हुए। अब फिर से एकजुट होने का समय है। एकजुट होकर हमें मथुरा और काशी में भी मंदिर बनाना है। अभी एक नहीं हुए तो बाद में बहुत पछताना पड़ेगा। हम आपको जगाने आये हैं। उन्होंने लोगों से आपस में बात करते हुए मधुर बोली बोलने की बात कही। कहा कि कठोर बात कभी ना करें। इस शरीर का महत्व नहीं है, बल्कि शरीर के अंदर बसे आत्मा का महत्व है। वहीं, सामूहिक रूप से हजारों भक्तों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। यह यज्ञ शुक्रवार तक चलेगा। जबकि शनिवार को हवन, यज्ञ के साथ समापन होगा और उसी दिन शाम को शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस मौके पर यज्ञ के स्वागतध्यक्ष मनोज सिंह, सुशील सिंह, नितेश सिंह, अर्चना सिंह, निरंजन सिंह उर्फ रंजू, गजेंद्र प्रसाद सिंह, प्रशांत सिंह, वीरेंद्र सिंह, शशिकांत सिंह, जितेंद्र सिंह, महावीर महतो, उत्तम साव, वीरेंद्र महतो, उमाशंकर महतो आदि मौजूद रहे।

युवक ने मां-बेटे को जान से मारने की दी धमकी, पीड़ित पहुंचे थाना

गुमला (आजाद सिपाही)। सिसई प्रखंड क्षेत्र के पुसो थाना अंतर्गत एक गांव निवासी विवाहित महिला ने मंगलवार के अपराह्न 4 बजे गुमला थाना पहुंचकर गांव के ही एक युवक पर छेड़छाड़ 6 वर्षीय बेटे को जान से मारने की धमकी देने के मामले को लेकर गुमला थाना पहुंची। जानकारी देते हुए महिला ने बताया 8 वर्ष पूर्व एक युवक से उसका विवाह हुआ था। गांव के ही रहने वाला और रिश्ते में देवर लगने वाला युवक बहला फुसला कर उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद दोनों गांव छोड़कर भाग गये। वहीं दोनों का एक नाजायज पुत्र भी है। मामले को लेकर 2020 में गांव में पंचायत की गयी थी जिसमें महिलाओं को अपने पति के साथ रहने की बात पर सहमति बनी इसके बाद महिला अपने पति के साथ रहने लगी। इसके बाद आरोपी युवक महिला के पति और बेटे को जान से मारने की धमकी देता है। कहता है पति-पत्नी साथ में रहे लेकिन मुझसे संबंध बना रहेगा अन्यथा तीनों को जान से मार दिया जायेगा। वही मामले को लेकर पति-पत्नी बेटे को लेकर गुमला थाना पहुंचे।

जमीन विवाद को लेकर नवयुवक संघ ने बनारी में की सड़क जाम

निजी जमीन को धार्मिक रूप देकर हड़पने की हो रही है साजिश

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। थाना क्षेत्र के बनारी में बुधवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर एक घंटे तक नवयुवक संघ के द्वारा सड़क जाम किया गया। इसके बाद अंचलाधिकारी शेखर वर्मा एवं थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह के द्वारा लोगों को समझा बुझा कर रोड जाम को हटाया गया।

इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता अशोक उरांव एवं नवयुवक संघ बनारी के विवेक साहू ने अंचल अधिकारी को बताया कि बानारी स्थित दुर्गा मंदिर के पीछे का जमीन को रूपेशवर पाल सिंह के द्वारा अरविंद साहू को बेच दिया गया है जबकि यह जमीन मंदिर के जमीन का हिस्सा है। जिसे उनके पूर्वजों के द्वारा दान पत्र के माध्यम से मंदिर को दिया गया है। जिस कारण उक्त जमीन का दाखिल खारिज का आवेदन को कैंसिल करते हुए मंदिर के नाम पर करने का मांग किया। जहां अंचल अधिकारी शेखर वर्मा ने कहा कि दाखिल खारिज एक न्यायिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसके लिए आंचल से नोटिस दोनों पक्ष को भेजा गया है। दोनों पक्ष अपना पेपर प्रस्तुत करेंगे और दो-तीन तारीख पड़ने के बाद न्यायिक प्रक्रिया के तहत उचित कार्रवाई किया जायेगा। जिसके पक्ष में साक्ष्य होगा उसी के नाम पर दाखिल खरीज किया जायेगा। इसके बाद ग्रामीणों के द्वारा सड़क जाम हटाया गया।

क्या है मामला

बनारी दुर्गा मंदिर के पीछे का जमीन नागेश्वर पाल सिंह के नाम से दर्ज है उनका बेटा रूपेश्वर पाल सिंह का कहना है कि मेरे पूर्वज के द्वारा मंदिर बनाने के लिए मौखिक रूप से 2 डिसमिल जमीन दिया गया था। जहां मंदिर बना हुआ है। जिसके बाद पुनः नवयुवक संघ के आग्रह पर मंदिर का संचालन के लिए चार दुकान सेड बनाने के लिए जमीन दिया गया ताकि उक्त दुकान का भाड़ा से मंदिर का संचालन हो सके। परंतु अब शेष बचे मेरे जमीन को जबरदस्ती नवयुवक संघ के द्वारा मंदिर के नाम पर हड़पने की साजिश रची जा रही है। जिस कारण मैं उक्त जमीन को अरविंद कुमार साहू को बेच दिया है। इस दरमियान नवयुवक संघ के द्वारा फर्जी दान पत्र भी बनाया गया है जिसका हस्ताक्षर मेरे पिताजी का हस्ताक्षर से बिल्कुल मैच नहीं करता है। जिसको लेकर मैं न्यायालय में 420 का मुकदमा दायर करूंगा।

जमीन हड़पने की हो रही है साजिश

इधर जमीन के खरीददार अरविंद कुमार साहू का कहना है कि मैं रुपेश्ववर पाल सिंह से 4 मई 2023 को बनारी दुर्गा मंदिर के पीछे का खाली जमीन को तीन डेसिमल रजिस्ट्री कराया। जिसकी जानकारी नवयुवक संघ को हुई तो उनके द्वारा 3 फरवरी 2024 की रात को बजरंगबली का मूर्ति का स्थापना कर जमीन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब मैं इसकी शिकायत थाना को किया तो नवयुवक संघ के द्वारा 6 फरवरी 2024 को बैठक कर लिखित समझौता किया गया। अरविंद साहू बजरंगबली की स्थापित मूर्ति से 7:30 फीट पीछे अपना घेराव करेंगे इसके बाद अरविंद के द्वारा इस समझौता के आधार पर घेरा कार्य प्रारंभ किया तो पुनः संघ के लोगों ने 17 मार्च 2024 को भीड़ में आकर घेरा को तोड़ते हुए अरविंद के ऊपर झूठा एसटीएसी का मुकदमा दायर किया गया जो बाद में फर्जी साबित हो गया।

अचल संपत्ति को हड़पना चाहता है नवयुवक संघ

इधर 85 वर्षीय रूपेश्वर पाल सिंह ने कहा कि मेरे अचल संपत्ति पर बनारी के नवयुवक संघ का नजर लगा हुआ है जिसे वह किसी भी प्रकार धार्मिक रूप देकर हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसके लिए प्रशासन से मदद की गुहार लगाया है।

बाजार टांड़ गुमला में लगा गंदगी का अंबार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला शहर के बाजार टांड़ का 22 फरवरी को नगर परिषद द्वारा सैरात बंदोबस्ती के लिए खुला डाक आयोजित किया गया था। जिसमें 24 शर्तों के साथ खुली बोली लगायी गयी थी। जिसमें बाजार टांड़ के नियमित साफ सफाई की शर्त भी शामिल था बावजूद संवेदक द्वारा बाजार टांड़ की साफ सफाई की ओर किसी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जाता है जबकि बाजार से लाखों रुपये पैसा की वसूली की जाती है। बाजार टांड़ में मंगलवार और शनिवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाता है। इसके बाद बाजार को यूं ही छोड़ दिया जाता है जिससे वहां गंदगी का अंबार लग जाता है। मांस मछली और सड़े हुए सब्जी के अवशेष से दुर्गंध फैल जाती है। जिससे आसपास के लोगों को भारी परेशानी भी होती है। मामले को लेकर मंगलवार की अपराह्न 4 बजे कांग्रेस नेता मिनहाज खान बाजार टांड़ पहुंचे और वस्तु स्थिति से अवगत हुए। उन्होंने बताया बाजार टांड़ में शराब की बिक्री भी की जाती है। वहीं पूरे बाजार में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ठेकेदार को बाजार की साफ सफाई की और ध्यान देना चाहिए। मामले को लेकर नगर परिषद के प्रशासक सार्जेन मरांडी से उनका पक्ष लेने की कोशिश की गयी है लेकिन उन्होंने इस मामले में टालमटोल करते हुए कुछ भी जवाब नहीं दिया।

पोढ़ापाठ टोले में सोलर पावर ग्रिड की स्थापना, 21 घरों को मिली बिजली

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिले के घाघरा प्रखंड अंतर्गत आदर पंचायत के पोढ़ापाठ टोले (पीवीटीजी टोला) में सोलर पावर ग्रिड की स्थापना कर 21 घरों को बिजली आपूर्ति से जोड़ा गया। यह कार्य झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के तत्वावधान में जरेडा द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

10 किलोवाट पावल क्षमता की इस सौर ऊर्जा परियोजना के माध्यम से प्रत्येक घर को 500 वॉट बिजली उपलब्ध करायी गयी है, जिससे स्थानीय निवासियों को घरेलू उपयोग के लिए निर्बाध बिजली मिल सकेगी। इस पहल से न केवल टोले के लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा, बल्कि बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देशानुसार, जिले के उन दूरस्थ क्षेत्रों में, जहां पारंपरिक बिजली आपूर्ति संभव नहीं है, वहां सोलर लाइट की व्यवस्था कर ग्रामीणों को बिजली से आच्छादित करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में पोढापाठ टोले में सोलर पावर ग्रिड की स्थापना की गयी, जिससे ग्रामीणों को ऊर्जा की सुविधा मिल सके और वे विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

ग्रामवासियों ने सरकार के इस प्रयास के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि इससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आयेगा। इस परियोजना के अंतर्गत इंपैनल्ड कंपनी द्वारा आगामी पांच वर्षों तक सोलर सिस्टम का रखरखाव किया जायेगा, जिससे इसकी प्रभावशीलता और दीर्घकालिक उपयोग सुनिश्चित हो सके।

किसानों के बीच तरबूज के पौधे और जैविक खाद वितरित

बिशनपुर (आजाद सिपाही)। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), नयी दिल्ली द्वारा संचालित 'संकुल आधारित ग्राम विकास कार्यक्रम' के तहत आइएसडीजी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा बुधवार को बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत बिशुनपुर एवं सेरका ग्राम के अनुसूचित जनजातीय कृषकों को उत्पादन वृद्धि कर जीविकोपार्जन के लिए उन्नत किस्म के तरबूज के पौधे एवं जैविक खाद सामग्री वितरण किया गया। प्रत्येक कृषकों को 1150 तरबूज के पौधे का वितरण किया गया। इस वितरण कार्यक्रम में विकास सहयोगी अजीत उरांव, संस्था के कार्यकर्ता सहदेव साहू एवं नीरज गोप सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित थे।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर चार दिवसीय कार्यक्रम शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। बैजनाथ जालान महाविद्यालय सिसई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर चार दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत बुधवार को किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय एन एस एस के द्वारा संपन्न कराया जायेगा। कार्यक्रम के तहत छात्र छात्राओं के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में बुधवार को महिला सशक्तिकरण, महिलाओं की समाज में भुमिका, समानता का अधिकार विषय पर भाषण और निबंध प्रतियोगिता हुई। 6 और 7 मार्च को अलग-अलग प्रतियोगिता आयोजित किया जायेगा। वहीं आठ मार्च को विशेष कार्यक्रम होगा। जिसके लिए अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जायेगा। इस दौरान मुख्य रुप से एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी सोनिया कुमारी, प्रवीण बसंती, जेन सिसिलिया बारला, सुदीप्ती खुशबू लकड़ा, डॉ रेखा कुमारी, डॉ इंद्रजीत राम, डॉ दीपक कुमार, रोज फिलोमिना डुंगडुंग, विनीता गुड़िया आदि के नेतृत्व में प्रतियोगिता कराया गया।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल गुमला परिसर के ब्लड बैंक में बजरंग दल के तीन कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में कमलेश साहू ने ओ पॉजिटिव, सूरज केवट ने ओ पॉजिटिव, और प्रदीप सिंह ने ए पॉजिटिव ब्लड रक्तदान किया है तीनों रक्तदाताओं ने सदर अस्पताल में इलाजरत मरीज की सहायता हेतु रक्तदान किया। विश्व हिंदू परिषद बड़गांव के अध्यक्ष प्रदीप सिंह स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन-चार महीने का अंतराल में रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने से व्यक्ति कई गंभीर बीमारियों से भी हमेशा दूर रहता है। मौके पर विकाश राम, यशराज सिंह, प्रकाश कुमार लैब टेक्नीशियन संगीता कुमारी अंजू कुमारी मीडिया प्रभारी रोहित खंडेलवाल उपस्थित थे।

महिला ने मारपीट और गोली मारने की धमकी को लेकर थाना में सौंपा आवेदन

रायडीह (आजाद सिपाही)। रायडीह प्रखंड के सुरसांग थाना क्षेत्र अंतर्गत तुल मूंगा सरई टोली गांव निवासी अनुराधा देवी ने मंगलवार की अपराह्न 4 बजे सुर सांग थाना को आवेदन सौंप कर तुल मूंगा छापर टोली गांव के रामजी किसान, महेश किसान और फुद नाथ किसान पर घर आकर मारपीट, गाली गलौज और गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। थाना में दिये आवेदन के अनुसार महिला ने बताया मंगलवार की सुबह 8 बजे तीनों पिता पुत्र मेरे घर पहुंचे और घर का सामान निकाल कर घर खाली करने को कहा अन्यथा सारा सामान बाहर फेंक देने की बात कही। वही घर खाली नहीं करने पर जान से मार देने की धमकी दी। अनुराधा ने बताया विगत 9 वर्षों से स्वर्गीय सोहन किसान के घर पूरे परिवार के साथ किराये पर रहती हूं। एक वर्ष पूर्व रामजी किसान गोली मारने की धमकी दिया था। करीब एक माह पूर्व उस घर को खाली करने को कहा था। इस बात की जानकारी मकान मालकिन को दी तो मकान मालकिन बोली कि घर खाली नहीं करना है। जिस समय तीनों घर पर आये उस समय मैं घर पर अकेली थी। मैं एक महिला जनप्रतिनिधि हूं इसलिए कभी भी पति के साथ इधर-उधर जाना पड़ता है। हम लोगों को इनसे जान का खतरा है। महिला ने थाना को आवेदन देते हुए तीनों पर कानूनी कार्रवाई करने और अपने परिवार को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है।

पीएचइडी और नगर परिषद दुरुस्त करे पेयजलापूर्ति : रमेश कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला विधायक भूषण तिर्की ने विस में शहरी पेयजल की समस्या से संबंधित मामला उठाया है। इसका स्थानीय स्तर पर समर्थन किया जा रहा है। चुंकि यह जनहित से जुड़ा है। इसपर कांग्रेस के प्रदेश सचिव रमेश कुमार चीनी ने विधायक का आभार जताया है। कहा है कि निश्चित इस समस्या से शहरवासी विशेषकर गर्मी के दिनों में चिंतित और भुक्तभोगी होते है। इसलिए पीएचइडी और नगर परिषद आपसी सामंजस्य बनाकर नियमित जलापूर्ति की व्यवस्था दुरूस्त करें। साथ ही जिन इलाकों में पाइपलाइन का विस्तारीकरण नहीं हो सका है। उन इलाकों को पाइपलाइन से जोड़ते हुए पेयजलाअपूर्ति की दिशा में कार्य करें। जिससे कि जनता को कोई भी समस्या न हो। बताते चलें कि लगातार पिछले कई सालों से रमेश कुमार पेयजलापूर्ति को लेकर आंदोलन करते रहे हैं। रमेश कुमार के आंदोलन का यह असर है कि वर्तमान में जलापूर्ति हो भी रही है। अन्यथा शहरी क्षेत्र में भी जलापूर्ति का हाल बद से बदतर था।

जिलिंगसिरा के युवक ने लगायी फांसी

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के जिलिंगसिरा निवासी 25 वर्ष सतनाम उरांव अपने घर के अपने कमरे के कंडी में दुपट्टा के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता मंगल उरांव बताया कि दो दिन पूर्व मेरा पुत्र सतनाम एवं उसकी पत्नी में कुछ विवाद हुआ था। जिसके बाद उसकी पत्नी दो दिन पूर्व अपने मां के घर चली गयी और वापस नहीं आयी। वही मंगल उराव ने बताया कि जब खेत से मेरी बड़ी बहू दीपरानी ने मंगलवार को शाम 4 बजे घर वापस आयी तो देखा की सतनाम उराव अपने कमरे में दुपट्टा के सहारे फांसी लगा लिया है। जिसकी सूचना तुरंत अपने ससुर मंगल उरांव को दी।

ऊर्जा संरक्षण पर किसानों को मिला प्रशिक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। झारखंड नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी जेरेडा द्वारा कृषि क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण पर किसानों और अन्य संबंधित हित धारकों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी दिनेश कुमार, बीटीएम नीरज कुमार सिंह, मुखिया चांदनी देवी, पंचायत समिति सदस्य सरवन उरांव सहित अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण में किसानों को पीएम कुसुम सोलर योजना अंतर्गत चल रहे सोलर पंप सेट के विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही बताया गया कि सरकार द्वारा सब्सिडी पर सोलर पंप सेट दिया जा रहा है। जिसका किसान समुचित लाभ उठाएं। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि पीएम कुसुम सोलर योजना अंतर्गत मिल रहे पंपसेट का सभी किसान आवश्यकता अनुसार लाभ उठायें। और कृषक क्षेत्र में आगे बढ़े। मौके पर कृषि पदाधिकारी शंकर खेरवार, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक नीरज कुमार सिंह, एटीएम पूनम बेदिया, शुभम मिंज, रितु किंडो, नीलकंठ कुमार सहित कई पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, कृषक मित्र, प्रगतिशील कृषक उपस्थित थे।

बीडीओ ने पंचायत समिति सदस्यों के साथ की बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा बीडीओ दिनेश कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में पंचायत समिति सदस्यों के साथ बैठक किया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख सविता देवी ने की। बैठक में पंचायत समिति सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्र में पेयजल, सड़क, आंगनबाड़ी रिपेयर वह अन्य कार्य से संबंधित योजना चयन करने की बात बीडीओ दिनेश कुमार द्वारा कही गयी। ताकि मूलभूत योजना ली जा सके और ग्रामीणों को उसका लाभ मिल सके। वही टाइट और अनटाइड मिलाकर योजनाओं का चयन करने की बात बीडीओ द्वारा कही गयी। मौके पर उप प्रमुख शिव देवी, बीपीआरओ शंकर साहू, सीमा देवी, पंचायत समिति सदस्य श्रवण उरांव, रामरीत उरांव, रिंकू लोहरा सहित कई पंचायत समिति सदस्य, कर्मी उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स

अपने वनडे करियर में स्मिथ ने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाये, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किये।

स्टीव स्मिथ ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हुई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी स्टीव स्मिथ ने वनडे फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है।

स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में पैट कमिंस की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाल रहे थे। उन्होंने मंगलवार को खेले गये सेमीफाइनल में 73 रनों की पारी भी खेली, लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया को जीत नहीं दिला पाये और टीम को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। फिलहाल स्मिथ टेस्ट और टी20 क्रिकेट में खेलना जारी रखेंगे।

अपने वनडे करियर को अलविदा कहते हुए स्मिथ ने बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से जारी बयान में कहा कि यह एक शानदार सफर रहा है और मैंने हर पल का आनंद लिया। दो विश्व कप जीतना अविश्वसनीय अनुभव था। अब 2027 विश्व कप की तैयारी शुरू करने का सही समय है, इसलिए मुझे लगता है कि यह वनडे से संन्यास लेने का उपयुक्त अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि टेस्ट क्रिकेट अभी भी मेरी प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, वेस्टइंडीज दौरे और फिर इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज को लेकर उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस प्रारूप में देने के लिए बहुत कुछ है।

स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल एकदिवीय खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑलराउंडर के रूप में अपना वनडे डेब्यू किया था। बाद में वह टीम के प्रमुख बल्लेबाज बन गये। अपने वनडे करियर में उन्होंने 170 मैचों में 43.28 की औसत से 5,800 रन बनाये, जिसमें 12 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 28 विकेट भी हासिल किये। स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 की विश्व कप विजेता टीमों का अहम हिस्सा रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपी को जेल

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 16 वर्षीय लड़की को 4 फरवरी को सरस्वती पूजा विसर्जन देखने जाने के क्रम में दो युवकों ने अगवा कर लिया और जबरन दुष्कर्म घटना को अंजाम दिया था। मामले को लेकर परिजन गुमला थाना में प्राथमिकी दर्ज कराये थे। घटना के बाद दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। मंगलवार को गुप्त सूचना पर गुमला थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने गांव में छापामारी की। जिसमें अंजन गांव निवासी 18 वर्षीय आलोक उरांव और रोहित उरांव को गिरफ्तार कर लिया। घटना के दिन दोनो ने सरस्वती पूजा विसर्जन देखने गयी नाबालिक लड़की को अगवा कर एक नवनिर्मित भवन ले गये। इसी बीच मौका पाकर लड़की भागने लगी तभी दीवार से टकराकर वह गिर गयी। इसके बाद दोनों युवक उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया।

एसपी ने बसिया थाना का निरीक्षण किया

मुख्य चौक-चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। पुलिस अधीक्षक, गुमला ने बुधवार को बसिया थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बसिया, पुलिस निरीक्षक, बसिया अंचल थाना प्रभारी, बसिया एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण से पूर्व थाना में पदस्थापित सभी पदाधिकारियों के साथ बैठक की गयी। सभी को निर्देश दिया गया कि अपने क्षेत्र- बीट से संबंधित सभी जानकारी रखेंगे, रूचि लेकर निगरानी रखेंगे तथा अधिक से अधिक आसूचनाओं का संकलन करेंगे। निरीक्षण के क्रम में थाना सिरिस्ता में संधारित

होने वाले सभी पंजी/ अभिलेखों एवं संचिकाओं का अवलोकन किया गया। सभी पंजी/संचिकाओं का रख-रखाव के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। महिलाओं से संबंधित अपराध की रोक-थाम हेतु स्कूल/ कॉलेज में जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। थाना क्षेत्र के मुख्य चौक चौराहों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने तथा अपराध नियंत्रण के संबंध में थाना प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिया गया, साथ ही थाना भवन, थाना परिसर एवं पुलिस कर्मियों के रहने वाले बैरक का भी निरीक्षण किया गया। बैरक में रहने वाले पुलिस पदाधिकारी/ कर्मियों को अपने आस-पास साफ सुथरा रखने का निर्देश दिया गया। थाना निरीक्षणोपरांत बसिया थाना परिसर स्थित निमार्णाधीन पुलिस निरीक्षक बसिया अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिया गया।

रागिनी सिंह ने विस में उठायी धनबाद जिले के 27 गावों को निगम से अलग करने की मांग

धनबाद (आजाद सिपाही)। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने बुधवार को विधानसभा के सत्र में झरिया सहित धनबाद जिले के 27 गावों को नगर निगम से अलग करने की मांग उठायी है। उनके इस मांग का समर्थन हटिया के विधायक नवीन जायसवाल, धनबाद के विधायक राज सिन्हा के अलावा टुंडी से झामुमो के विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने भी किया है।

सिंदरी विधायक ने उठाया बंद पड़े अस्पताल का मुद्दा

धनबाद (आजाद सिपाही)। विधायक चंद्रदेव महतो ने विधानसभा सत्र में बुधवार को सिंदरी स्थित एफसीआइ के बंद पड़े बड़ा अस्पताल का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख की आबादी के बीच एक भी अस्पताल नहीं है। पहले एफसीआइ का अस्पताल चल रहा था, तो लोगों को सुविधा मिलती थी। लेकिन अब मरीजों को धनबाद लेकर जाना पड़ता है।

ससुराल आकर युवक ने की खुदकुशी

धनबाद (आजाद सिपाही)। सुदामडीह थाना क्षेत्र के स्वारडीह बस्ती में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान विवेक राय (40) के रूप में हुई है। उसका पैतृक गांव पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के भुइयांडीह गांव में है। वह पेशे के एक दिहाड़ी मजदूर है। वह एक विवाह समारोह में शामिल होने सुदामडीह के स्वारडीह बस्ती में आया था। वहीं मंगलवार की रात घर में बाइक पर खड़े होकर घर की छत के सहारे फंदा लगाकर झूल गया। बुधवार की सुबह घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची सुदामडीह पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को फंदे से उतारा। शव का पंचनामा करने के बाद अपने साथ ले गयी। लगे हाथ इसकी सूचना मृतका के परिजनों को दे दिया। उधर, स्वजनों ने बताया कि विवेक की शादी 10 साल पहले सुदामडीह निवासी रीना देवी से हुआ था। उनकी कोई संतान नहीं है। मृतक विवेक के पिता रासु राय और मां का पहले ही निधन हो चुकी है। पता चला है कि विवेक तीन फरवरी को पत्नी रीना के मामा के घर एक विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचा था। वह शराब का अत्यधिक सेवन करता था। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गयी है।

डीटी पीएंडपी ने एएडीओसीएम परियोजना का किया निरीक्षण, दिये जरूरी निर्देश

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। सीसीएल के डीटी पीएंडपी चंद्रशेखर तिवारी ने बुधवार को सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने माइंस स्थित शिशा महल और वी पॉइंट में जाकर माइंस का निरीक्षण किया। साथ ही ऑटसोर्सिंग में लगे बीआरआर कंपनी के मशीनों का निरीक्षण कर खुश हुए। कहा कि सभी मशीन नई और बढ़िया तरीके से कम कर रही है। इ दौरान उन्होंने सीसीएल के अधिकारी को कोयला उत्पादन को लेकर विशेष दिशा निर्देश दिया। कहा कि ओबी हटाने के बाद यहां कोयला का अपार भंडार है। कोयला उत्पादन में सभी वर्कर की सुरक्षा अति आवश्यक है। सभी अधिकारी इसे प्रमुखता से ले। लगे हाथ अधिकारियों को वित्त वर्ष में लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। कहा कि सुरक्षित ढंग से कोयले का उत्पादन करते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करें। बताया कि ढ़ोरी क्षेत्र में कोयले का भंडार है। एएडीओसीएम परियोजना भविष्य में बढ़िया कोयला उत्पादन करेगा। आगामी वर्ष 2025-26 में ढ़ोरी क्षेत्र के लिए कई योजनाएं हैं। वहीं, जीएम रंजय सिन्हा ने कहा कि सुरक्षित ढंग से कोयला उत्पादन करते हुए वित्त वर्ष अपने लक्ष्य को जरूर हासिल करेंगे। इसके पहले सीसीएल डोरी के चक्रीय रेस्ट हाउस में क्षेत्र के सभी अधिकारियों के साथ डीटी पीएंडपी ने बैठक कर कई निर्देश दिए। इस मौके पर पीओ राजीव कुमार सिंह, जीएम ऑपरेशन मनोज कुमार पाठक, खान प्रबंधक मुनिनाथ सिंह, एसओ ईएंडएम गौतम मोहंती, एरिया सेल्स ऑफिसर राजेश कुमार गुप्ता, डिस्पैच ऑफिसर विवेक कुमार सिंह, पर्सनल अभिषेक कुमार सिंहा, संतोष कुमार, अरुण कुमार सिंहा, पीई एक्सभेशष सुभाष चंद्र सिंहा, डिप्टी मनेजर ज्ञानदीप कुमार, बीआरआर कंपनी के कुणाल सिंह आदि मौजूद थे।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। बेरमो थाना क्षेत्र के बालुबैंकर में 19 वर्षीय एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। उसका शव ससुराल के क्वार्टर से बरामद हुआ। यह खबर जंगल में लगी आग की तरह फैल गयी और लोगों की भारी भीड़ जुट गयी। घटना की सूचना पाकर परिजन एवं पड़ोसी भी पहुंच गये। तुरंत इसकी सूचना बेरमो पुलिस को दी गयी। जिसके बाद एसआई ननका उरांव, जोसेफ तिर्की, मो साजिद असांरी, एएसआई लक्ष्मण चौधरी, महिला थाना एएसआई रोजमेरी मस्सी कुर्ती, आरक्षित रहमत असांरी, नेमन तिग्गा और रोबिन हांसदा घटनास्थल पर पहुंच गये। मृतका की पहचान पूनम देवी के रूप में हुई है। वहीं, मृतका के पिता बिनोद गिरि के आरोप पर पुलिस ने उसके पति राहुल कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही उसके परिजनों से भी पूछताछ की। इसके बाद पचंनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बोकारो सदर अस्पताल भेज दिया। दूसरी ओर, मृतका की सास कविता देवी ने बताया कि उसका ससुराल चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के कुरकनालो में है। पर वर्तमान में करीब 10 साल से बालुबैंकर स्थित कर्वाटर में रहकर रोजी रोजगार कर परिवार का भरण- पोषण करती हैं। पति बासुदेव गिरी एवं पुत्र राहुल कुमार मजदूरी करते है। अपने पुत्र राहुल कुमार का विवाह पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के हरलाडीह बस्ती निवासी बिनोद गिरी की बडी बेटी पूनम कुमारी से 12 जूलाई 2024 को करायी थी। मृतका पूनम पांच बहनों में सबसे बड़ी थी। मंगलवार की शाम पूनम अपने कमरे में जाकर दरवाजा अंदर से बंद कर सो गयी। देर रात खाना खाने के लिए उठाने का प्रयास किया तो भीतर से कोई आवाज नहीं आयी। इसपर अपने पुत्र को बुलवाया, जो ईंट बना रहा था। कापी मशक्कत के बाद घर के पीछे से कमरे में गया तो पूनम अचेत अवस्था में मिली। वह खटीया से गमछा फंसाकर बेसुध पड़ी थी। जांच की गयी, तो उसकी मौत हो चुकी थी। उसने ऐसा क्यों किया। इसकी जानकारी नहीं है। उधर, बेरमो पुलिस ने कहा कि प्राप्त आवेदन के आलोक में पुलिस अग्रेत्तर कार्रवाई करेगी। कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

पिटाई से घायल ट्रक चालक की मौत, आक्रोशित लोगों ने शव को सड़क पर रखकर किया हंगामा

- एक मार्च को बुरी तरह पिटाई के बाद गंभीर रूप से हुआ था घायल, चार नामजद सहित 10 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

सड़क पर शव रखकर हंगामा करते लोग।

धनबाद। हिल कॉलोनी रेल एसपी आवास के पास रहने वाले ट्रक चालक सुरेंद्र यादव की पिटाई के बाद मौत होने से लोगों का आक्रोश बुधवार को भड़क उठा। परिजनों-परिचितों के अलावा स्थानीय ग्रामीणों और यादव महासभा के प्रतिनिधियों ने रणधीर वर्मा चौक पर सुरेंद्र का शव सड़क पर रखकरजमकर बवाल काटा। प्रदर्शनकारियों ने मृत सुरेंद्र के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने और मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की। बतातें चलें कि बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कौआबांद राइस मिल के पास कुछ लोगों ने विगत एक मार्च को सुरेंद्र के साथ बुरी तरह मारपीट की थी। गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र को असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां रविवार की दोपहर उसने दम तोड़ दिया। उधर, मामले के प्रत्यक्षदर्शी गवाह एवं कांड के सूचक मृतक के भाइ रवींद्र यादव ने बरवाअड्डा थाना में दुहाटांड़ निवासी जगु पासवास, उसके दो भाई रंजन और मुनचुन पासवाल के अलावा दुहाटांड़ के ही विशाल पासवान के खिलाफ भाई पर जावलेना हमले करने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी। पुलिस को बताया था कि एक मार्च की रात करीब 11 बजे चारों नामजद के अलावा 10 अज्ञात लोगों ने उसे और उसके भाई सुरेंद्र यादव को घेर कर लोहे के रॉड से बुरी तरह पिटाई कर दी थी। इस दौरान जेब से पांच हजार और भाई की जेब से 10 हजार रुपये नकद की छिनताई कर ली थी। उधर, हंगामा की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया। साथ ही आरोपितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद लोग शांत हुए और अवरोध हटा लिया।

दूसरी ओर, मृतक के भाई रवींद्र ने बताया कि छह महीना पहले ही भाई की शादी हुई थी। उसकी हत्या के बाद उसके परिवार का क्या होगा। रवींद्र ने बताया कि भाई ट्रक चालक है। इस कारण कुछ लोगों के साथ छोटे-मोटे विवाद थे। इसी कारण उसकी हत्या कर दी गयी।

झारखण्ड सरकार
राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग
(जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची)
प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11 (1) के अधीन)
"खेलगाँव से नामकुम पथ तक (लं0–6.275 कि0मी0) निर्माण कार्य परियोजना"

चूँकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है मौजा–गाड़ी, खटंगा, लोवाडीह एवं सामलौंग, थाना सं. क्रमशः–194, 179, 213 एवं 212, अंचल–बड़ागांई, कांके एवं अरगोड़ा, जिला–राँची में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना–"खेलगाँव से नामकुम पथ तक (लं0–6.275 कि0मी0) निर्माण कार्य परियोजना" हेतु अपेक्षित है, प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि मौजा–गाड़ी, खटंगा, लोवाडीह एवं सामलौंग, थाना सं. क्रमशः–194, 179, 213 एवं 212, अंचल–बड़ागांई, कांके एवं अरगोड़ा, जिला–राँची में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश रकबा क्रमशः–3.306, 7.351, 7.661 एवं 3.173 एकड़, कुल रकबा–21.491 एकड़ भूमि मानक माप का भू–खण्ड, जिसका विस्तृत विवरणी निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है:–

मौजा–गाड़ी

खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
4	1765	रैयती	टांड़–II	0.190	ठीषुन उरांव वल्द बंचु उरांव वगैरह	1763	1755	1764	1767
66	1763	रैयती	टांड़–II	0.156	नान्हु उरांव वल्द टेटा उरांव वगैरह	1775	1764	176	1775
124	1775	रैयती	दोन–II	0.394	राम क्रिस्तान, पाने क्रिस्तान पेसरान मंगरा क्रिस्तान वगैरह	1794	1763	1973	1770
133	1776	रैयती	दोन–II	0.125	शनिचखा क्रिस्चन वगैरह पे0–गोटा क्रिस्चन वगैरह	1792	1775	1977	1973
	1971			0.078	अज्ञात	1970	1976	1970	1972
12	1972	रैयती	दोन–II	0.093	कोका क्रिस्तान वल्द भाड़े क्रिस्तान वगैरह	1969	1970	1970	1973
111	1968	रैयती	दोन–II	0.121	महादेव उरांव पे0 मनला उरांव वगैरह	1966	1968	1966	1968
111	1967	रैयती	टांड़–II	0.071	महादेव उरांव पे0 मनला उरांव वगैरह	1966	1968	1966	1968
	1966			0.339	अज्ञात	1965	1967	1978	1990
45	1965	रैयती	टांड़–II	0.179	ठिसुन उरांव वल्द बचू उरांव वगैरह	1793	1966	सिवाना	1791
45	1757	रैयती	दोन–II	0.152	ठिसुन उरांव वल्द बचू उरांव वगैरह	1756	1574	1758	1756
	1970			0.097	अज्ञात	1969	1976	1977	1971
107	1969	रैयती	दोन–II	0.136	मतला उरांव वगैरह पे0–फगुवा उरांव वगैरह	1966	1970	1978	1968
100	1756	रैयती	दोन–II	0.172	बेचुवा उरांव, शनिचरवा उरांव पे0–बलूआ उरांव वगैरह	1767	नाला	1767	1755
104	1759	रैयती	दोन–II	0.037	भोला उरांव वल्द बुधू उरांव वगैरह	निज	निज	नदी	1764
45	1767	रैयती	दोन–II	0.271	ठिसुन उरांव वल्द बचू उरांव वगैरह	1770	1766	1765	निज
169	1574		परती नाली	0.055	गैरमजरूआ				
169	1764		परती कदीम	0.631	गैरमजरूआ				
169	1762		परती कदीम	0.004	गैरमजरूआ				
169	1758		परती कदीम	0.005	गैरमजरूआ				
			कुल	3.306					

मौजा–खटंगा

खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
	796			0.242	अज्ञात	786	767	767	सिवाना
65	787	रैयती	टांड़–II	0.425	मुकुन्द महतो, रामनाथ महतो पिता–चौने महतो वगैरह	789	796	788	सिवाना
9	788	रैयती	परती कदीम	0.105	जगना उरांव वल्द पोहा उरांव वगैरह	788	796	765	787
	789			0.629	अज्ञात	785	787	792	787
65	785	रैयती	परती कदीम	0.824	मुकुन्द महतो, रामनाथ महतो पिता–चौने महतो वगैरह	783	789	790	782
	783			0.516	अज्ञात	781	785	784	782
	777			1.653	एन सेक्टर मिस जे.भी. स्टार्स वगैरह	772	782	780	सिवाना
	780			0.227	अज्ञात	778	781	805	777
63	772	रैयती	परती कदीम	1.139	एन0वी0 स्टार मिस जे.भी. स्टार्स वगैरह	744	777	771	सिवाना
	744			0.448	अज्ञात	773	सिवाना	766	सिवाना
11	743	रैयती	टांड़–II	0.203	वासु वोधन वगैरह	742	744	745	सिवाना
52	742	रैयती	टांड़–II	0.110	नगटु कासी मुण्डा वल्द हेनका मुण्डा वगैरह	741	743	740	सिवाना
	781			0.830	अज्ञात	780	783	805	777
			कुल	7.351					

मौजा–लोवाडीह

खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
121	800		नाली	0.057	गैरमजरूआ मालिक	निज	निज	निज	निज
103	1022	रैयती	दोन–I	0.065	शोभा उरांव वहिरा, बुधुआ उरांव पिता चतुआ उरांव वगैरह	1021	सिवाना	1023	903
103	1021	रैयती	दोन–I	0.021	शोभा उरांव वहिरा, बुधुआ उरांव वगैरह	1018	1022	1024	903
19	1009	रैयती	दोन–II	0.090	गुजु साहु वल्द नन्दु साहु वगैरह	1008	1019	1040	1010
19	1008	रैयती	दोन–II 15	0.035	गुजु साहु वल्द नन्दु साहु वगैरह	1007	1009	1043	1011
	1007			0.002	पतरस, जिवासी, जोहन, लंगड़ा अलविस वल्द सुखद उरांव वगैरह	1001	1008	1049	1009
	1054			0.001	अज्ञात	1055	1049	1053	995
47	1057	रैयती	दोन–III	0.004	पतरष उरांव, जोउली उरांव, पे0 सुखर उरांव वगैरह	1058	1051	1104	1052
39	1059	रैयती	दोन–II	0.214	जयप्रकाष निर्मल लकड़ा वल्द जोदन लकड़ा वगैरह	1060	1102	1101	983
45	1060	रैयती	दोन–III	0.240	देयार सिंह वल्द ठाकुर सिंह वगैरह	1061	1059	1098	982
	1061			0.146	अज्ञात	1062	1060	1091	981
61	1062	रैयती	दोन–III	0.147	बाधु उरांव वल्द चमरा उरांव वगैरह	1064	1061	1091	980
72	1064	रैयती	दोन–III	0.069	टुईया बधुआ उरांव हडवा उरांव सिरिल उरांव मोरीष उरांव अलविष उरांव पे0 बिरसा उरांव वगैरह	1065	1062	1091	1063
72	1065	रैयती	दोन–III	0.144	टुईया बधुआ उरांव वो पेषरान बिरसा उरांव वगैरह	1059	1064	1091	1099
21	1089	रैयती	दोन–III	0.061	छोटका घासी उरांव वल्द थालो उरांव वगैरह	1087	1065	1090	1097
21	1087	रैयती	दोन–II	0.180	छोटका घासी उरांव वल्द थालो उरांव वगैरह	1088	1091	1081	1047
21	1088	रैयती	दोन–II	0.048	छोटका घासी उरांव वल्द थालो उरांव वगैरह	1072	1087	1080	1087
21	1072	रैयती	दोन–II	0.056	छोटका घासी उरांव वल्द थालो उरांव वगैरह	1073	1088	1079	1071
57	921	रैयती	दोन–III	0.330	बन्धु उरांव वल्द रघु उरांव वगैरह	896	919	896	923
54	896	रैयती	दोन–III	1.075	पौलीषु बड़ा वल्द बाघराए बड़ा वगैरह	900	921	902	894
4	900	रैयती	टांड़–III	0.308	बकास्त	894	896	1127	897
4	899	रैयती	दोन–III	0.352	बकास्त	1127	900	900	900
103	1023	रैयती	दोन–II	0.063	शोभा उरांव वहिरा बुधुआ उरांव, पिता चतुआ उरांव वगैरह	1024	सिवाना	1025	1022
103	1024	रैयती	दोन–II	0.140	शोभा उरांव वहिरा बुधुआ उरांव, पिता चतुआ उरांव वगैरह	1017	1023	1025	1021
47	1027	रैयती	दोन–I	0.143	पतरष उरंव जोउली उरांव पे0 सुखर उरांव वगैरह	1040	1025	1028	1019
48	1053	रैयती	दोन–III	0.018	पतरष उरंव जोउली उरांव पे0 सुखर उरांव वगैरह	1052	1049	1050	1054
48	1051	रैयती	दोन–I	0.302	पतरष उरंव, जोउली उरांव, पे0–सुखर उरांव वगैरह	1057	1050	1049	1052
47	1104	रैयती	दोन–II	0.073	पतरष उरंव जोउली उरांव पे0 सुखर उरांव वगैरह	1102	1102	1103	1057
48	1102	रैयती	दोन–II 8	0.247	पतरष उरंव, जोउली उरांव, पे0 सुखर उरांव वगैरह	1059	1104	1101	1058
54	904	रैयती	टांड़–III	0.002	पौलुष बड़ा वल्द बाधराए बड़ा वगैरह	902	909	905	896
	873			0.008	अज्ञात	876	928	896	निज
	923			0.411	अज्ञात	873	924	921	928
	924			0.014	अज्ञात	923	925	922	926
	925			0.008	अज्ञात	924	926	922	928
70	928	रैयती	टांड़–III	0.014	बुधु उरांव वल्द गोविन्द उरांव वगैरह	873	926	923	निज
	926			0.201	अज्ञात	928	917	923	927
	917			0.463	अज्ञात	926	1068	918	932
21	1068	रैयती	टांड़–III	0.130	छोटका घासी उरांव वल्द थाली उरांव वगैरह	917	1072	1073	निज
21	1069	रैयती	दोन–III	0.175	छोटका घासी उरांव वल्द थाली उरांव वगैरह	1068	1072	1060	1067
	1071			0.025	अज्ञात	1069	1088	1072	निज
	1063			0.008	अज्ञात	1065	1062	1064	978
47	1103	रैयती	दोन–II	0.061	पतरष उरांव, जोआरी उरांव पे0–सुखर उरांव वगैरह	1102	1105	1105	1104
47	1105	रैयती	दोन–II	0.205	पतरष उरांव, जोआरी उरांव पे0–सुखर उरांव वगैरह	1103	1106	निज	1057
47	1106	रैयती	परती कदीम	0.019	पतरष उरांव, जोआरी उरांव पे0–सुखर उरांव वगैरह	1105	1051	1107	1051
48	1050	रैयती	दोन–III	0.056	पतरष उरांव, जोआरी उरांव पे0–सुखर उरांव वगैरह	1051	1047	1049	1054
72	1047	रैयती	दोन–III	0.101	टुईआ बुधुआ उरांव वो पे0–बिरसा उरांव वगैरह	1050	1045	निज	1046
68	1046	रैयती	दोन–III	0.313	बुधुआ मुण्डा वल्द बन्धुआ मुण्डा वगैरह	1054	1045	1047	निज
48	1043	रैयती	दोन–II 5	0.270	पतरष उरांव, जोउली उरांव, पे0–सुखर उरांव वगैरह	1046	1042	1045	1007
	1045			0.035	अज्ञात	1043	1044	1041	1007
997	1042	रैयती	दोन–III	0.019	शनीचरक उरांव वो पे0–एतवा उरांव वगैरह	1043	1039	निज	1041
97	1041	रैयती	दोन–III	0.053	शनीचरक उरांव वो पे0–एतवा उरांव वगैरह	1043	1040	1042	1009
97	1040	रैयती	दोन–II 2	0.079	शनीचरक उरांव वो पे0–एतवा उरांव वगैरह	1009	1027	1039	1009
72	1016	रैयती	दोन–II	0.071	टुईया बुधुआ उरांव वो पे0–बिरसा उरांव वगैरह	1009	1024	1025	निज
	1017			0.289	अज्ञात	1016	1024	1027	1018
			कुल	7.661					

मौजा–सामलौंग

खाता सं0	सर्वे प्लॉट सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0	द0	पू0	प0
259	766	रैयती	दोन–II	0.087	जकरीआ परउस मुण्डा, पे0–एतवा मुण्डा वगैरह	744	902	762	902
202	745	रैयती	टांड़–II	0.122	बुधु उरांव, कड़ीया उरांव, सुखराम उरांव, पे0–बिरसा उरांव वगैरह	786	766	788	744
207	787	रैयती	दोन–III	0.098	मुटका उरांव वल्द गुजुवा उरांव वगैरह	786	788	789	745
241	786	रैयती	दोन–III	0.068	बकास्त भुईंहरी	785	787	730	749
240	785	रैयती	दोन–III	0.093	बकास्त भुईंहरी	784	786	730	749
7	784	रैयती	दोन–II	0.177	कजरू उरांव, पकु उरांव, कुमरा उरांव, पे0–कदु उरांव वगैरह	780	785	748	747
117	781	रैयती	दोन–II	0.115	सोमा मुण्डा, पहलवान मुण्डा, लंगड़ा मुण्डा, पे0–सौना मुण्डा वगैरह	780	784	782	747
117	780	रैयती	दोन–II	0.184	सोमा मुण्डा, पहलवान मुण्डा, लंगड़ा मुण्डा, पे0–सौना मुण्डा वगैरह	779	781	782	747
202	778	रैयती	दोन–II	0.218	बुधु उरांव, कड़ीया उरांव, सुखराम उरांव, पे0–बिरसा उरांव वगैरह	776	779	848	747
202	779	रैयती	दोन–II	0.288	बुधु उरांव, कड़ीया उरांव, सुखराम उरांव, पे0–बिरसा उरांव वगैरह	778	780	848	747
104	776	रैयती	दोन–II	0.173	जेतुआ मुण्डा वल्द मोकरे मुण्डा वगैरह वगैरह	774	778	777	775
126	773	रैयती	दोन–II	0.082	दुलास कोइरी, परसुराम कोइरी वल्द दुर्गा कोईरी वगैरह	772	774	851	772
126	774	रैयती	दोन–II	0.081	दुलास कोइरी, परसुराम कोइरी वल्द दुर्गा कोईरी वगैरह	773	775	777	747
52	772	रैयती	दोन–II	0.164	मो0 लुटन कुवारी वल्द माधो तेली वगैरह	771	773	854	755
84	771	रैयती	दोन–II	0.064	बुचुआ उरांव, डीडा उरांव, पे0–कान्दु उरांव वगैरह	770	772	854	770
84	770	रैयती	दोन–II	0.067	बुधुवा उरांव, डीडा उरांव, पे0–कान्दु उरांव वगैरह	796	771	771	790
7	799	रैयती	टांड़–II	0.104	कजरू उरांव, पकु उरांव, कुमरा उरांव, पे0–कदु उरांव वगैरह	859	747	889	799
84	800	रैयती	टांड़–II	0.048	बुचुआ उरांव, डीडा उरांव, पे0–कान्दु उरांव वगैरह	802	902	801	902
207	788	रैयती	दोन–III	0.100	मुटका उरांव वल्द गुजुवा उरांव वगैरह	787	797	789	745
	856			0.280	अज्ञात	सिवाना	766	निज	निज
259	767	रैयती	दोन–II	0.076	जकरीआ परउस मुण्डा, पे0–एतवा मुण्डा वगैरह	766	767	निज	निज
	769			0.152	अज्ञात	767	770	निज	790
239	791	रैयती	टांड़–II	0.166	बकास्त	788	793	790	745
	792			0.166	अज्ञात	793	800	निज	799
			कुल	3.173					

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची और उनके कर्मचारी को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नही करेगा या ऐसा कोई अंतरण नही करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नही उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60 दिनों) के अन्तर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियाँ हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, राँची के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

अमीन, जि0भू0अ0का0,राँची। | कानूनगो, जि0भू0अ0का0,राँची। | जि0 भू0 अ0 पदा0, राँची। | अपर समाहर्त्ता, राँची। | उपायुक्त, राँची।

PR 347821 Land Reforms(24-25)D

एनटीपीसी बोंगाइगांव ने नागालैंड के मोन जिले को दिये चिकित्सा वाहन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। नागालैंड के मोन जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एनटीपीसी लिमिटेड ने मोन के जिला प्रशासन को दो उन्नत जीवन रक्षक एंबुलेंस वैन और दो मुर्दा वैन सौंपे। इस वाहनों को अर्नब मैत्रा के उपस्थिति में कस्तूरी मैत्रा बर्दवी शिकला लेडीज क्लब एनटीपीसी बोंगाईगांव की अध्यक्ष और ओंकार नाथ एजीएम (एचआर) एनटीपीसी बोंगाईगांव द्वारा सौंपा गया। इस कार्यक्रम में मोन जिला प्रशासन का प्रतिनिधित्व करते हुए अजीत कुमार वर्मा आइएएस उपायुक्त उपस्थिति थे। यह पहल एनटीपीसी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रयासों का हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के मोन जिले के सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान करना है। उन्नत जीवन रक्षक एम्बुलेंस आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस हैं। यह सुनिश्चित करते हुए कि गंभीर देखभाल बिना किसी देरी के आपातकालीन स्थितियों में रोगियों तक पहुंचे। इन एंबुलेंसों को जीवन-रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें पारगमन के दौरान आपात स्थिति को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए वेंटिलेटर, डिफाइब्रिलेटर और निगरानी प्रणाली जैसे उपकरण शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त प्रदान की गयी मुर्दा वैन का उद्देश्य जिले में एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करते हुए मृतक के लिए गरिमापूर्ण और सम्मानजनक परिवहन सुनिश्चित करना है। ये वैन शवों को संरक्षित करने के लिए उचित प्रशीतन सुविधाओं से लैस हैं, जिससे परिवारों पर बोझ कम होता है और यह सुनिश्चित होता है कि पारंपरिक रीति-रिवाजों का सम्मान के साथ पालन किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान अर्नब मैत्रा ने अपनी सीएसआर पहल के माध्यम से सामुदायिक कल्याण के लिए एनटीपीसी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। श्री मैत्रा ने कहा कि यह योगदान दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और मोन के निवासियों को समय पर और सम्मानजनक सेवाएं प्रदान करने के एनटीपीसी के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा था। अजीत कुमार वर्मा आइएएस ने एनटीपीसी के समय पर समर्थन की सराहना की और दूरदराज के समुदायों के लिए स्वास्थ्य देखभाल पहुंच के अंतर को पाटने में इस तरह के योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री वर्मा ने क्षेत्र के उत्थान के लिए एनटीपीसी के लगातार प्रयासों के लिए जिला प्रशासन की ओर से आभार व्यक्त किया। 98.26 लाख मूल्य की इस परियोजना से मोन जिले के 3.47 लाख से अधिक निवासियों को लाभ होगा, जिससे क्षेत्र की आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। एनटीपीसी बोंगाईगांव, अपनी विभिन्न सीएसआर पहलों के माध्यम से, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और सतत विकास पर ध्यान देने के साथ, उत्तर-पूर्व भारत में समुदायों के सामाजिक उत्थान और कल्याण में योगदान देना जारी रखता है।

अपने पिता बीजू पटनायक को नवीन पटनायक ने पुष्पांजलि अर्पित की

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। विपक्ष के नेता और बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने बुधवार को अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को उनकी 109वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। नवीन पटनायक ने भुवनेश्वर के फॉरेस्ट पार्क में बीजू पटनायक की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किये। उनके साथ बीजू जनता दल के कई वरिष्ठ नेता और भुवनेश्वर के मेयर भी थे। कार्यक्रम की शुरूआत में बोलते हुए बीजद नेता संजय दास बर्मा ने कहा कि गांवों में त्रिस्तरीय पंचायतों की स्थापना में बीजू पटनायक की अहम भूमिका थी। संविधान सभा में महिला विधायकों के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के पीछे भी वे ही जिम्मेदार हैं। उनके योगदान को याद करने के लिए उनके जन्मदिन पर पंचायती राज दिवस मनाया जाता था, लेकिन मौजूदा सरकार का इस दिन को पंचायती राज दिवस के रूप में मनाने का फैसला महापुरुष का अपमान है। वहीं, सुलता देव ने महांगा में बीजू पटनायक की मूर्ति का सिर काटे जाने की घटना की निंदा की है। अपने पार्टी सदस्यों के साथ विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने दिग्गज नेता बिजयानंद पटनायक, जिन्हें प्यार से बीजू पटनायक कहा जाता है, को पुष्पांजलि अर्पित की।

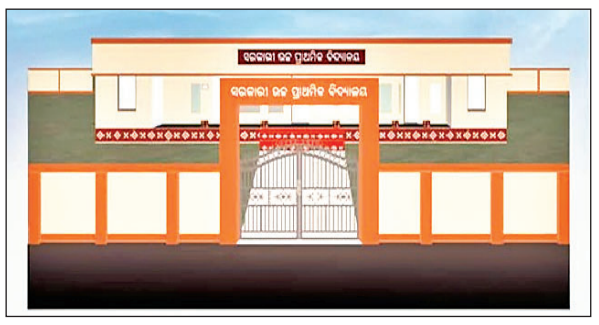

हाथी दांत व्यापारी गिरफ्तार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। कलाहांडी जिला एम रामपुर वन विभाग ने एक हाथी दांत व्यापारी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कटक जिले के दुर्गा प्रसाद गांव के गोपबंधु महालिक उर्फ बाबुली के रूप में की गयी है। वन विभाग की एक टीम ने विशेष स्रोतों से मिली गुप्त सूचना पर एम रामपुर के पास मटोगंडा गांव में एक कबड्डी गोदाम पर छापा मारा और बाबुली को वहां से गिरफ्तार किया, जबकि उसका एक साथी मौके से फरार है गया। बाबुली के नाम पर राज्य के विभिन्न रेंजों में कई मामले दर्ज हैं। वह कई बार हाथी के शिकार के साथ-साथ हाथी दांत के व्यापार में भी शामिल था। 2021 में, आठगढ़ वन विभाग द्वारा गिरफ्तार किया गया था और वन विभाग द्वारा जेल से रिहा होने के बाद व्यवसाय में वापस आने की सूचना दी गयी थी। वह 5 साल से वन विभाग की जांच के दायरे में था और बचने और भागने में कामयाब रहा। एम रामपुर वन विभाग ने उसे गिरफ्तार किया है।

ओड़िशा के सरकारी स्कूल भवनों को नया रंग कोड अपनाने का निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में सरकारी स्कूल भवनों को नया रंग कोड अपनाने का निर्देश दिया गया है। बुधवार को इस संदर्भ में ओड़िशा स्कूल शिक्षा कार्यक्रम प्राधिकरण द्वारा राज्य के सभी कलेक्टरों को एक आधिकारिक पत्र भेजा गया। आधिकारिक पत्र में लिखा है, शीर्षक विषय पर संदर्भित पत्र का संदर्भ आमंत्रित करते हुए यह कहा जाता है कि, सरकार ने नये रंग कोड को मंजूरी देने की कृपा की है। रंग कोड की प्रति आपके त्वरित संदर्भ के लिए संलग्न है। इस संदर्भ में सभी सरकारी स्कूलों, जिनमें पीएम श्री स्कूल भी शामिल हैं, में निर्माण, मरम्मत और नवीनीकरण कार्यों के दौरान स्वीकृत रंग कोड को अपनाने के लिए संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया जाता है। यह आदेश स्कूल भवनों के रंग कोड से संबंधित सभी पिछले निदेर्शों का स्थान लेगा। पता चला है कि ओडिशा के सरकारी स्कूलों का रंग कोड नारंगी रंग के अलग-अलग शेड्स में होगा, जैसा कि पत्र में निर्देश दिया गया है। यह स्कूलों के निर्माण, मरम्मत और नवीनीकरण के दौरान लागू होगा।

वेदांता एल्युमिनियम ने झारसुगुड़ा प्लांट में रासायनिक आपदाओं पर राज्यस्तरीय मॉक ड्रिल आयोजित की

आजाद सिपाही संवाददाता

झारसुगुड़ा, ओड़िशा। भारत के सबसे बड़े एल्युमिनियम उत्पादक वेदांता एल्युमिनियम ने अपने संयंत्र परिसर में एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य खतरनाक रसायनों से संबंधित सुरक्षा उपायों का मूल्यांकन और सुधार करना था। यह अभ्यास ओडिशा के 23 जिलों में एक साथ आयोजित राज्यव्यापी पहल का हिस्सा था, जिससे औद्योगिक सुरक्षा के प्रति वेदांता की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई। इस ड्रिल में कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे आसपास के उद्योगों में सुरक्षा को प्राथमिकता देने की संस्कृति को बढ़ावा मिला। आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों ने कुशलता से निकासी प्रोटोकॉल, नियंत्रण उपाय और प्राथमिक चिकित्सा सहायता को निष्पादित किया, जिससे संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके।

इस ड्रिल में एक खतरनाक रासायनिक आपात स्थिति का परिदृश्य तैयार किया गया, जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय और कार्यबल की तत्परता का परीक्षण किया गया। यह पहल जिला प्रशासन, ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डरउटअ), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ओएसडीएमए), अग्निशमन सेवा और अन्य आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के सहयोग से आयोजित की गयी।

यह कार्यक्रम कई प्रमुख सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इनमें सब्यसाची पांडा, उप-कलेक्टर, झारसुगुड़ा, चंद्रमणि स्वैन, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, झारसुगुड़ा, सुसंता मिश्रा, जिला परियोजना अधिकारी, ओडिशा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, अर्चना दास, सहायक निदेशक, फैक्ट्री एवं बॉयलर्स, झारसुगुड़ा जोन, अभिजीत साहू, निरीक्षक, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, ओडिशा, राजेंद्र सायला, प्रभारी निरीक्षक, बडमाल, ओडिशा, अनुश्का एक्का, उप-पर्यावरण वैज्ञानिक, झारसुगुड़ा, एके टोपनो, सहायक अग्निशमन अधिकारी, झारसुगुड़ा शामिल थे।

वेदांता एल्युमिनियम के मुख्य संचालन अधिकारी सुनील गुप्ता ने कहा कि सुरक्षा वेदांता के संचालन का अभिन्न हिस्सा है, और इस तरह की मॉक ड्रिल औद्योगिक सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। स्थानीय प्रशासन और अन्य हितधारकों के सहयोग से, हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारा कार्यबल और आसपास के समुदाय किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहें। झारसुगुड़ा के उप-कलेक्टर सब्यसाची पांडा ने इस अभ्यास के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि औद्योगिक केंद्रों जैसे झारसुगुड़ा के लिए आपातकालीन तैयारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मॉक ड्रिल ने उद्योग, प्रशासन, एनडीआरएफ और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के बीच उत्कृष्ट समन्वय को प्रदर्शित किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि हम किसी भी संभावित खतरे को कम करने के लिए तैयार हैं।

ट्रैक सुरक्षा बढ़ाने के लिए इस्ट कोस्ट रेलवे में सुरक्षा बाड़ लगाने का काम

- इस्ट कोस्ट रेलवे के नेटवर्क पर सुरक्षा बाड़ लगाने के लिए 1000 करोड़ से अधिक का काम चल रहा है।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। रेलवे सुरक्षा बढ़ाने और ट्रेन की गति बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, ईस्ट कोस्ट रेलवे ने अपने अधिकार क्षेत्र में विभिन्न रेलवे खंडों में सुरक्षा बाड़ लगाने की परियोजनाएं शुरू की हैं। सुरक्षा बढ़ाने के लिए इसीओआर पर रेलवे ट्रैक पर 865 करोड़ की लागत से कुल 2792 किलोमीटर सुरक्षा बाड़ लगाने का काम शुरू किया गया है। इन उपायों को लागू करके, इसीओआर एक सुरक्षित और कुशल रेलवे नेटवर्क प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहा है।

खुर्दा रोड डिवीजन:
1025.3 किलोमीटर के लिए ट्रैक सुरक्षा बाड़ लगाने के कार्यों के लिए 388.85 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं, जिसमें भद्रक-पलासा और खुर्दा रोड-पुरी रेल लाइन सेक्शन में 797.3 किलोमीटर और नेरगुंडी-केराजंग रेल सेक्शन में 228 किलोमीटर शामिल हैं।

संबलपुर डिवीजन:
468.23 किलोमीटर के लिए ट्रैक सुरक्षा बाड़ लगाने के काम के लिए 288.045 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं, जिसमें सरला रोड-बलांगीर रेल लाइन सेक्शन में 124.15 किलोमीटर और झारसुगुड़ा रोड-संबलपुर सिटी-केराजंगा रेल सेक्शन में 344.08 किलोमीटर शामिल हैं।

कार्यान्वयन और लाभ
सुरक्षा बढ़ाने के लिए फिक्स्ड नॉट फेंसिंग और डबल डब्ल्यू मेटल बीम क्रैश बैरियर लगाये जा रहे हैं। सुरक्षा बाड़ लगाने से कई खंडों में 130 किमी प्रति घंटे और उससे अधिक की गति से ट्रेन संचालन में सुविधा होगी। भुवनेश्वर और पलासा रेलवे स्टेशनों के पास दो पायलट खंडों पर काम शुरू हो चुका है, साथ ही ब्रह्मपुर-गोलंथरा रेल खंड और संबलपुर डिवीजन के कुछ संवेदनशील स्थानों पर भी काम शुरू हो चुका है। अब तक 30 किलोमीटर की बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है। बाड़ लगाने के लिए इस स्थान की पहचान की गयी है, क्योंकि बैंक की ऊंचाई लगभग रेल स्तर पर है और जहां मवेशी अक्सर ट्रैक पार करते हैं। मंत्रालय भारत में आधुनिक रेल यात्रा की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए रेलवे सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सुरक्षा बाड़ लगाने की पहल एक सुरक्षित और अधिक कुशल रेलवे नेटवर्क सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**